Postal Regn No.Jaipur City/007/2018-20 || पश्चिमी राजस्थान की आवाज || मूल्य : दो रुपये

दैनिक
जलते दीप
संस्थापक स्व. माणक मेहता

www.dainikjaltedeep.com वर्ष: 22 अंक: 341 जयपुर, बुधवार 08 जनवरी, 2020 कुल पृष्ठ: 8 Email : news@dainikjaltedeep.com

चौखी बात

हर व्यक्ति की आत्मा अमर होती है, लेकिन जो व्यक्ति नेक होते हैं उनकी आत्मा अमर और दिव्य होती है।

सुकरात

।। दसवां वेद ।।

दूजा नै सुख देख कर, निपट दुखी हुवै नीच।
सूखै जव्वासो सही, वरखा रूत रै बीच।।

(अर्थ व कथा पेज चार पर)

एक नजर

आज से खुल जाएंगे स्कूल, आदेश जारी

जलतेदीप कासं, जयपुर। जिले में कक्षा 1 से 8 तक के विद्यार्थियों के लिए सभी राजकीय एवं निजी विद्यालय बुधवार से खुलेंगे। इस संबंध में जिला कलेक्टर डॉ. जोगाराम ने मंगलवार को आदेश जारी किए। जिला कलक्टर डॉ.जोगाराम ने बताया कि वर्तमान में मौसम सामान्य होने के कारण जयपुर जिले में कक्षा 1 से 8 तक के विद्यार्थियों के लिए सभी राजकीय एवं निजी विद्यालयों को बुधवार से खोलने का निर्णय लिया गया।

जलदाय विभाग के स्टोर मुंशियों को तोहफा

जलतेदीप कासं, जयपुर। जलदाय विभाग के कर्मचारियों को सरकार ने बड़ा तोहफा दिया है। सरकार ने स्टोर मुंशियों को सेवानिवृत्ति पर समस्त लाभ देने का फैसला किया है। पहले सेवा निवृत स्टोर मुंशिया को 300 दिवस के उपार्जित अवकाश का लाभ नहीं मिलता था, लेकिन कर्मचारियों की मांग पर सरकार ने अब 300 उपार्जित अवकाश का लाभ देने का फैसला किया है। दरअसल वाटर वर्क्स कर्मचारी संघ ने सरकार से अन्य नियमित कर्मचारियों के समान सभी लाभ दिये जाने की मांग की थी।

सीएए : भाजपा पतंगों के जरिए आमजन को करेगी जागरुक

जलतेदीप कासं, जयपुर। नागरिकता संशोधन कानून को लेकर बीजेपी अपने जनजागरण अभियान में कोई कसर नहीं छोड़ना चाहती है। आमजन तक अपनी बात पहुंचाने के लिए पार्टी हर मुमकिन कोशिश में जुटी है। इन्हीं कोशिशों के तहत अब भाजपा त्योहारों पर भी नागरिकता संशोधन कानून को लेकर अपनी बात घर-घर तक इसकी पहुंचाने की कवायद में जुट गई। मकर संक्रांति पर्व पर बीजेपी जयपुर शहर के करीबन 5000 घरों से पतंगों के जरिए नागरिकता संशोधन कानून के बारे में लोगों को जागरुक करेगी।

आज बैंकों में हड़ताल

जलतेदीप ब्यूरों, नई दिल्ली। बैंकों में बुधवार को देश व्यापी हड़ताल रहने की संभावना है। विभिन्न बैंक कर्मचारी संगठनों द्वारा इस हड़ताल का आहव्हान किया गया है। दस केंद्रीय ट्रेड यूनियनों ने नरेंद्र मोदी सरकार की आर्थिक नीतियों के विरोध में 8 जनवरी को 'भारत बंद' का ऐलान किया है। यूनियनों ने दावा किया है कि आठ जनवरी को राष्ट्रव्यापी हड़ताल में 25 करोड़ लोग शामिल होंगे।

मारा गया हिज्ब आतंकी शाहिद, कई घटनाओं में था वांछित

एजेंसी, श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के पुलवामा जिले के अवंतीपोरा में सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मंगलवार को मुठभेड़ हुई इस मुठभेड़ में तक एक आतंकी मारा गया है। उसके पास से भारी मात्रा में हथियार और गोलाबारूद बरामद हुए हैं। अवंतीपोरा में सुरक्षबलों को आतंकी के छिपे होने की सूचना के बाद मंगलवार सुबह तलाशी अभियान शुरू किया गया। इस दौरान आतंकी ने सुरक्षाबलों पर फायरिंग शुरू कर दी। जिसका मुंहतोड़ जवाब देते हुए सुरक्षाबलों ने एक आतंकी को मार गिराया।

फटकारो...

निर्भया के दोषियों को 22 जनवरी को होगी फांसी

जलतेदी ब्यूरों, नई दिल्ली। दिल्ली की पटियाला हाउस कोर्ट ने निर्भया के दुष्कर्मियों का डेथ वॉरंट जारी कर दिया है। निर्भया के माता-पिता की याचिका पर मंगलवार को फैसला सुनाते हुए पटियाला हाउस कोर्ट ने कहा- चारों दोषियों अक्षय कुमार सिंह (31), पवन गुप्ता (25), मुकेश (32) और विनय शर्मा (26) को 22 जनवरी को सुबह 7 बजे तिहाड़ जेल में फांसी दी जाए। फैसला एडिशनल सेशन जज सतीश कुमार अरोड़ा ने सुनाया।

जिन दोषियों को फांसी की सजा सुनाई जाती है, उनका डेथ वॉरंट अदालत ही जारी करती है। निर्भया के केस में वारदात के 2578 दिन बाद डेथ वॉरंट जारी हुआ है। 16 दिसंबर 2012 को निर्भया गैंगरेप का शिकार हुई थी। नौ महीने बाद यानी सितंबर 2013 में निचली अदालत ने दोषियों को फांसी की सजा सुनाई थी। मार्च 2014 में हाईकोर्ट और मई 2017 में सुप्रीम कोर्ट ने फांसी की सजा बरकरार रखी थी।

कोर्ट ने जारी किया डेथ वारंट

दोषियों ने 14 दिन में हाईकोर्ट में डेथ वॉरंट के खिलाफ अपील नहीं की तो फांसी पर अमल होगा

दोषियों के पास 14 दिन का वक्त और 4 तरह की मोहलत

1. जेल मैनुअल के मुताबिक, दोषी डेथ वॉरंट के खिलाफ 14 दिन में हाईकोर्ट में अपील कर सकते हैं, नहीं तो दोषियों को तय तारीख पर फांसी दे दी जाएगी।
2. हाईकोर्ट भी डेथ वॉरंट बरकरार रखे, तो दोषी सुप्रीम कोर्ट जा सकते हैं।
3. दोषी मई 2017 के सुप्रीम कोर्ट के उस फैसले के खिलाफ भी क्यूरेटिव पिटीशन लगा सकते हैं, जिसमें फांसी की सजा बरकरार रखी गई थी। दोषियों के वकील एपी सिंह ने कहा भी है कि हम एक-दो दिन में क्यूरेटिव पिटीशन दाखिल करेंगे। 5 जजों की बेंच इस पर सुनवाई करेगी।
4. दोषी राष्ट्रपति के पास दया याचिका भी लगा सकते हैं।

निर्भया के साथ 6 लोगों ने बस में दरिंदगी की थी

16 दिसंबर, 2012 की रात दिल्ली में पैरामेडिकल छात्रा से 6 लोगों ने चलती बस में दरिंदगी की थी। गंभीर जख्मों के कारण 26 दिसंबर को सिंगापुर में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई थी। इस मामले में पवन, अक्षय, विनय और मुकेश को फांसी की सजा सुनाई गई । ट्रायल के दौरान मुख्य दोषी राम सिंह ने तिहाड़ जेल में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। एक अन्य दोषी नाबालिग होने की वजह से 3 साल में सुधार गृह से छूट चुका है।

तिहाड़ में चारों दोषियों को एकसाथ फांसी देने के लिए फांसी घर तैयार

तिहाड़ जेल के अधिकारियों ने कहा- हमें मेरठ से एक जल्लाद की जरूरत है। इस संबंध में हम उत्तर प्रदेश सरकार को पत्र लिखेंगे। हमारे पास तिहाड़ में चारों दोषियों को फांसी देने के सभी इंतजाम हैं। चारों दोषियों को एक साथ फांसी पर लटकाने के लिए तिहाड़ में करीब 25 लाख रु. की लागत से एक नया फांसी घर तैयार किया गया है। चारों दोषियों को जेल नंबर 3 में फांसी दी जाएगी। तीन दोषी जेल नंबर 2 में रखे गए हैं और एक को जेल नंबर 4 में रखा गया है।

जेएनयू बबाल : छात्रसंघ अध्यक्ष आईशी घोष सहित 20 के खिलाफ एफआईआर दर्ज

■ एजेंसी, नई दिल्ली

जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी (जेएनयू) में रविवार को हुई हिंसा के मामले में दूसरी एफआईआर छात्र संघ अध्यक्ष आइशी घोष समेत 20 छात्रों पर दर्ज की गई थी। इन पर प्रशासनिक भवन के स्टाफ और महिला गार्ड से मारपीट, गालीगलौज के अलावा तोड़फोड़ का केस दर्ज किया गया। एफआईआर जेएनयू सिक्युरिटी डिपार्टमेंट ने दर्ज करवाई। इसमें वारदात का दिन 4 जनवरी और समय शाम 6:00 बजे का बताया गया है। हालांकि, पुलिस ने इस संबंध में एफआईआर 5 जनवरी को दर्ज की। जेएनयू में हिंसा के

मामले में एक और एफआईआर दर्ज की गई थी। इसमें कैम्पस में हिंसा और तोड़फोड़ के लिए अज्ञात लोगों पर केस दर्ज किया गया।

जेएनयू सिक्युरिटी डिपार्टमेंट ने पुलिस को दी शिकायत में कहा- कम्युनिकेशन एंड सर्विस ऑफिस (सीआईएस) 3 जनवरी को पूरी तरह बंद रहा। इसके चलते पूरी रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया बंद थी। इसके चलते सीआईएस ऑफिस के स्टाफ ने जेएनयू के गार्ड्स के साथ मिलकर 4 जनवरी को सुबह 6: 00 बजे दफ्तर खोलने की कोशिश की। इस दौरान छात्र संघ अध्यक्ष आइशी घोष समेत अन्य लोगों ने स्टाफ के साथ मारपीट की। महिला गार्ड से भी मारपीट की और उन्हें धमकाया। एफआईआर में आइशी घोष, साकेत मून, सतीश यादव, सारिका चौधरी, जी सुरेश, कृष जायसवाल, विवेक कुमार, गौतम शर्मा, भास्कर वी मेक, अपेक्षा प्रियदर्शी, श्रेया घोष, श्वेता कश्यप, संभावित सिद्धि, विवेक कुमार पांडेय, राजू कुमार, मानस कुमार, चुनचुन यादव, कामरान, डोलन, गीता कुमारी के नाम हैं। इन पर आरोप है कि इन लोगों ने स्टाफ को दफ्तर का दरवाजा खोलने से रोका, उनसे कहा कि अगर यह गेट खुला तो अंजाम बुरा होगा।

नीति आयोग की बैठक कल , अर्थव्यवस्था पर होगी चर्चा

एजेंसी, नई दिल्ली। मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल का दूसरा आम बजट फरवरी में पेश होने वाला है। आर्थिक सुस्ती के हालात को देखते हुए यह बजट काफी अहम माना जा रहा है। बजट से पहले देश की आर्थिक स्थिति को समझने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बैठक करेंगे।

खबर के अनुसार गुरुवार को नीति आयोग में विशेषज्ञों के साथ पीएम मोदी बैठक करेंगे। इस बैठक में अर्थव्यवस्था की स्थिति पर चर्चा होने की उम्मीद है। बैठक में नीति आयोग के उपाध्यक्ष राजीव कुमार, मुख्य कार्यकारी अधिकारी अमिताभ कांत और अन्य सीनियर अधिकारी भाग लेंगे। बता दें कि सरकार 2020-21 के लिए बजट प्रस्ताव तैयार करने में जुटी है। ऐसे में यह बैठक अहम है। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को देश के शीर्ष उद्योगपतियों के साथ अर्थव्यवस्था की स्थिति पर चर्चा की थी।

अस्पतालों में बच्चों की मौत पर कोर्ट ने लिया संज्ञान, सरकार से रिपोर्ट तलब

■ जलतेदीप विसं, जोधपुर

राज्य में एक महीने में बीकानेर के सरकारी अस्पताल में 162, जोधपुर में 146 और कोटा में 110 बच्चों की मौत हो चुकी है

राज्य के सरकारी अस्पतालों में बच्चों की मौत पर राजस्थान हाईकोर्ट ने मंगलवार को स्वत- संज्ञान लिया। अदालत ने 2017 में बच्चों की मौत से जुड़े एक केस की सुनवाई के दौरान इस पर नोटिस लिया। कोर्ट ने राज्य सरकार से बच्चों की मौत का कारण पूछते हुए रिपोर्ट तलब की। साथ ही, सरकारी अस्पतालों में स्वीकृत और रिक्त पदों की जानकारी भी मांगी। मामले की अगली सुनवाई 10 फरवरी को होगी। मंगलवार को हाईकोर्ट में 2017 में बांसवाड़ा के सरकारी अस्पताल में एक महीने में 90 बच्चों की मौत के मामले में सुनवाई हुई। इसी दौरान चीफ जस्टिस इंद्रजीत महांति और जस्टिस पुष्पेन्द्र सिंह भाटी की खंडपीठ ने हाल में सरकारी अस्पतालों में हुई बच्चों की मौत पर स्वतः संज्ञान लिया। न्यायमित्र राजवेन्द्र सारस्वत ने कोर्ट में जनता का पक्ष रखते हुए अस्पतालों के हालात बताए।

हाईकोर्ट ने पूछा- डॉक्टरों के बगैर इलाज कैसे होगा

हाईकोर्ट ने बच्चों की बढ़ती मौतों पर चिंता जताई। कोर्ट ने कहा- सरकारी अस्पतालों में बड़ी संख्या में डॉक्टरों और दूसरे कर्मचारियों के पद खाली हैं। डॉक्टरों के बगैर मरीजों का इलाज कैसे संभव होगा? इसके बाद कोर्ट ने राज्य सरकार से प्रदेश के सभी सरकारी अस्पतालों में सभी तरह के कर्मचारियों के कुल स्वीकृत और रिक्त पदों की सूची पेश करने का आदेश दिया। अदालत ने खंडपीठ ने सरकारी अस्पतालों के पूरे रिकॉर्ड को कंप्यूटरीकृत करने का आदेश भी दिया।

सबरीमाला मामला : सुप्रीम कोर्ट ने की नौ जजों की पीठ गठित, 13 जनवरी को सुनवाई

एजेंसी, नई दिल्ली। सबरीमाला मामले में दायर समीक्षा याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट आगामी 13 जनवरी को सुनवाई करेगा। सुप्रीम कोर्ट की नौ जजों की संवैधानिक पीठ द्वारा याचिकाओं की सुनवाई की जाएगी।

मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट ने सबरीमला मंदिर मामले की सुनवाई के लिए प्रधान न्यायाधीश एसए बोबड़े की अध्यक्षता में नौ न्यायाधीशों की पीठ गठित की । जिसमें प्रधान न्यायाधीश के अलावा पीठ में न्यायाधीश आर भानुमति, अशोक भूषण, एलएन राव, एमएम शांतागौडर, एसए नजीर, आरएस रेड्डी, बीआर गवई और सूर्यकांत शामिल हैं।

गौरतलब है कि सबरीमाला मंदिर पर जारी विवाद को लेकर सुप्रीम कोर्ट के फैसले की समीक्षा याचिकाओं पर दिसंबर 2019 में सात न्यायाधीशों की एक बड़ी बेंच गठित की गई थी। सबरीमला मंदिर में सभी आयु वर्ग की महिलाओं को प्रवेश की अनुमति संबंधी फैसले को चुनौती देने वाली समीक्षा याचिका दायर की गई हैं।

मोदी ने आमजन की भावना को समझा : अमित शाह

एजेंसी, नई दिल्ली। कर्मयोद्धा ग्रन्थ के विमोचन कार्यक्रम में गृह मंत्री अमित शाह ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जीवन से जुड़ी तमाम बातें मंच से सुनाईं। शाह ने मंच से नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व और उदार प्रवृत्ति की कई मिसालें भी दीं। जिस किताब के विमोचन में अमित शाह बोल रहे थे वह किताब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जीवन पर ही आधारित है। शाह ने कहा कि नरेन्द्र मोदी कई सालों से देश के जनमानस के मन को परिवर्तित करने का काम कर रहे हैं, राष्ट्र की सेवा कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि 1987 से सक्रिय राजनीति में शुरू हुए राजनीति सफर के दौरान उन्होंने लंबे समय तक पार्टी में संगठन की जिम्मेदारी निभाई।

कांग्रेस में फिर शुरू होगा प्रेरक मॉडल

■ जलतेदीप कासं, जयपुर

कांग्रेस में फिर से प्रेरक मॉडल लागू किया जा रहा है। राष्ट्रीय स्वयं सेवक की तर्ज पर प्रेरकों को शारीरिक और बौद्धिक ट्रेनिंग दी जाएगी। आगामी 14 जनवरी से जयपुर में स्थित प्रदेश कांग्रेस कमेटी कार्यालय में इसके लिए साक्षात्कार लिए जाएंगे। साक्षात्कार के बाद 40 प्रेरकों का चयन किया जाएगा।

इन चयनित 40 प्रेरकों को एक सप्ताह की शारीरिक और मानसिक ट्रेनिंग दी जाएगी. अखिल भारतीय

कांग्रेस ट्रेनिंग सेल के इंचार्ज सचिन राव खुद इंटरव्यू लेकर कार्यकर्ताओं का चयन करेंगे। 40 साल से कम उम्र के जागरूक कांग्रेस कार्यकर्ताओं को ही प्रेरक बनाने के लिए चुना जाएगा। प्रेरकों की ट्रेनिंग के लिए 7 दिन का सिलेबस तैयार किया गया है। ये 40 प्रेरक ग्राउंड स्तर पर जाकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं को बीजेपी-आरएसएस से मुकाबले के गुर सिखाएंगे। कांग्रेस ट्रेनिंग सेल के समन्वयक अजीत सिंह शेखावत ने बताया कि प्रेरक के लिए न्यूनतम ग्रेजुएट होना जरूरी होगा. वहीं उसकी पृष्ठभूमि भी कांग्रेसी होना आवश्यक है। साक्षात्कार 14 जनवरी को सुबह 10 बजे से होंगे। इसके लिए सचिन राव के साथ अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सचिव महेन्द्र जोशी भी आएंगे।

संघ प्रमुख भागवत ने आचार्य विद्यासागर से आशीर्वाद लिया

■ एजेंसी, इंदौर

राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ प्रमुख डॉ. मोहन भागवत ने मंगलवार दोपहर आचार्य विद्यासागरजी के दर्शन किए। संघ प्रमुख यहां तिलक नगर स्थित लवकुश विद्या विहार स्कूल पहुंचे और आचार्य से आशीर्वाद लिया। सूत्रों के अनुसार, संघ प्रमुख और आचार्यजी के बीच हथकरघा और हिंदी भाषा के संबंध में चर्चा हुई। संघ प्रमुख के साथ सर कार्यवाहक भैयाजी जोशी ने भी आचार्य से आशीर्वाद लिया। इस दौरान संघ प्रमुख ने यहां हथकरघा से बने कपड़ों को भी देखा। भागवत यहां

आरएसएस की अखिल भारतीय बैठक में शामिल होने इंदौर आए हैं। इससे पहले आचार्य विद्यासागर ने उदय नगर जैन मंदिर में धर्मसभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि इंदौर में प्रतिभा स्थली जैसी कई और भी योजनाएं आ जाएं तो इन कार्यों को करने की क्षमता यहां विद्यमान है। धन के द्वारा सबकुछ काम होता है- ऐसा नहीं है, तन भी जरूरी है।

सुप्रीम कोर्ट ने अनिल अंबानी को दी राहत, केंद्र को देने होंगे 104 करोड़ रुपये

■ एजेंसी, नई दिल्ली

उद्योगपति अनिल अंबानी के लिए उच्चतम न्यायालय से राहत की खबर आई है। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को आदेश दिया है कि वह अनिल अंबानी की कंपनी रिलायंस कम्युनिकेशंस को 104 करोड़ रुपये रिफंड करे।

जस्टिस रोहिंटन नरीमन की अध्यक्षता वाली दो जजों की बेंच ने केंद्र सरकार की याचिका को खारिज कर दिया है। बता दें कि यह याचिका पैसा वापस करने के आदेश के खिलाफ दायर की गई थी।

दिवालिया प्रक्रिया में है आरकॉम

आरकॉम ने तीन साल पहले ही ऑपरेशंस बंद कर दिए थे। कारोबार में घाटा और कर्ज बढ़ना इसका मुख्य कारण था। फिलहाल आरकॉम अभी दिवालिया प्रक्रिया में है। आरकॉम ने रिलायंस जियो को स्पेक्ट्रम बेचकर दिवालिया होने से बचने की कोशिश की लेकिन लंबी कानूनी प्रक्रिया और सरकार की ओर से मंजूरी में देरी की वजह से डील नहीं हो पाई।

क्या है मामला दरअसल आरकॉम की यह राशि बैंक गारंटी के तौर पर सरकार के पास जमा है। इस मामले में टेलीकॉम डिस्प्यूट्स सेटलमेंट एंड अपीलेट ट्रिब्यूनल (टीडीसैट) ने 21 दिसंबर 2018 को अनिल अंबानी की आरकॉम के पक्ष में फैसला दिया था। तब टीडीसैट ने कहा था कि आरकॉम की 908 करोड़ रुपये की बैंक गारंटी में से सरकार स्पेक्ट्रम वार्ज के 774 करोड़ रुपये भुनाकर 104 करोड़ रुपये कंपनी को लौटाए। इस फैसले को सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी।

नेशनल हाईवे से हटाए जाएंगे स्पीड ब्रेकर सरकार ने शुरू किया विशेष अभियान

■ एजेंसी, नई दिल्ली

नेशनल हाईवे पर अब स्पीड ब्रेकर नजर नहीं आएंगे। दरअसल, हाईवे पर बने सभी प्रकार के स्पीड ब्रेकरों को हटाने के लिए विशेष अभियान शुरू किया गया है। इस अभियान के तहत खासतौर से टोल प्लाजा पर सड़क यातायात को सुगम और ब्रेकर फ्री बनाने के लिए जोर दिया जाएगा।

नेशनल हाईवे से स्पीड ब्रेकर हटाए जाने के कई फायदे होंगे। पहला सबसे बड़ा फायदा ईंधन की बचत है। दरअसल, वाहनों की गति तेज या धीमी करते समय गति अवरोधक काफी दिक्कत पैदा करते हैं। इनकी वजह से ईंधन खपत भी ज्यादा होती है और यात्रियों को काफी असुविधा का सामना करना पड़ता है। ऐसे में स्पीड ब्रेकर के हटाए जाने से ये दिक्कतें दूर होंगी। इसके अलावा ईंधन खपत कम होने की वजह से पैसे की भी बचत होगी। वहीं नेशनल हाईव पर विशेष रूप से एंबुलेंस और वृद्धजनों के अलावा अस्वस्थ लोगों को लाने, ले जाने वाले वाहनों की आवाजाही आसान हो सकेगी। इसी तरह प्रदूषण में भी कमी आएगी। बता दें कि नेशनल हाईवे पर वाहनों की आवाजाही सुगम बनाने के मकसद से फास्टैग प्रणाली को 15 दिसंबर 2019 से लागू किया जा चुका है। इसके माध्यम से टोल संग्रह इलेक्ट्रानिक प्रणाली से किया जाता है। फास्टैग को गाड़ी की विंडस्क्रीन पर लगाना होता है।

देश की सियासत राहुल गांधी-जेपी नड्डा संभाल सकते हैं अपनी-अपनी पार्टी की कमान

कांग्रेस-भाजपा को जल्द मिलेगा स्थायी सेनापति

■ जलतेदीप ब्यूरों, नई दिल्ली

देश की कांग्रेस और बीजेपी दोनों राष्ट्रीय पार्टियों को साल 2020 में अपना-अपना नया और पूर्णकालिक अध्यक्ष मिल सकता है। ऐसे में दोनों पार्टियों के नए सेनापतियों के सामने अपनी-अपनी पार्टी को आगे ले जाने की चुनौती होगी। लोकसभा चुनाव के बाद से ही बीजेपी को कार्यवाहक अध्यक्ष तो कांग्रेस को अंतरिम अध्यक्ष संभाल रहे हैं, लेकिन इस साल दोनों पार्टियों के पूर्णकालिक सेनापति के नाम पर मुहर लग

जाएगी। बता दें कि 2019 के लोकसभा चुनाव में मिली हार के बाद राहुल गांधी ने कांग्रेस अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया था, जिसके बाद सोनिया गांधी ने कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष की जिम्मेदारी संभाली थी। ऐसे ही लोकसभा चुनाव में बीजेपी को मिली जीत के बाद पार्टी अध्यक्ष अमित शाह गृहमंत्री बन गए, जिसके चलते पार्टी की कमान जेपी नड्डा को सौंपी गई और उन्हें कार्यवाहक अध्यक्ष नियुक्त किया गया था. हालांकि इस साल दोनों पार्टियों के अपने-अपने पूर्णकालिक अध्यक्ष मिल जाएंगे। सोनिया गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस बेहतर करने की ओर कदम बढ़ा चुकी है, लेकिन अब राहुल गांधी को दोबारा से अध्यक्ष बनाने की तैयारी शुरू हो गई है।

ऐसे में अब राहुल गांधी दोबारा से कांग्रेस अध्यक्ष बनते हैं तो उनके लिए खुद को साबित करने का यह आखिरी मौका हो सकता है। ऐसे में राहुल के सामने कम समय में पार्टी को आगे ले जाने की बड़ी चुनौती होगी। कांग्रेस नेताओं की मानें तो कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी बनें या फिर कोई और, लेकिन वो पार्टी के खोए हुए जनाधार को वापस लाने की क्षमता रखता हो और पार्टी एक ठोस व साफ रणनीति के साथ आगे के रोडमैप बना सके। वहीं, लोकसभा चुनाव में मिली जीत के बाद बीजेपी अध्यक्ष अमित शाह गृहमंत्री बने तब उनकी जगह पार्टी ने जेपी नड्डा को कार्यवाहक अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी। भाजपा के नए अध्यक्ष के चुनाव की प्रक्रिया चल रही है अब नए साल में पार्टी को पूर्णकालिक अध्यक्ष मिल सकता है।

ईरान : सुलेमानी के जनाजे में 10 लाख लोग जुटे, भगदड़ में 50 की मौत, 200 घायल

■ एजेंसी, तेहरान

ईरान में मंगलवार को जनरल कासिम सुलेमानी के जनाजे में 10 लाख से ज्यादा लोग जुटे। ईरान के सरकारी न्यूज चैनल के मुताबिक, सुलेमानी के गृहराज्य केरमान में सुपुर्दे खाक से पहले ही भगदड़ मच गई। अल जजीरा के मुताबिक, इस घटना में 50 लोगों के मारे गए और 200 से ज्यादा गंभीर रूप से घायल हुए। ईरान की स्थानीय मीडिया इमरजेंसी मेडिकल सर्विसेज के प्रमुख पीरहुसैन कुलीवंद के हवाले से बताया कि भगदड़ में कई लोग मारे गए। हालांकि, उन्होंने मृतकों का आंकड़ा नहीं दिया। बताया गया है कि भीड़ इतनी ज्यादा थी कि लोग मेट्रो स्टेशन से बाहर तक नहीं निकल पा रहे थे। जनरल कासिम सुलेमानी की हत्या करने पर ईरान ने अमेरिका की सभी सेनाओं को आतंकी घोषित कर दिया।

इसके बाद अब ईरान अपने क्षेत्र के आसपास मौजूद अमेरिकी सेना पर कार्रवाई कर सकता है। ईरानी संसद के मुताबिक, अब पश्चिमी एशिया में इन सेनाओं की किसी भी तरह की मदद (खुफिया, तकनीकी, वित्तीय) को आतंक का सहयोग करार दिया जाएगा। रूहानी ने यह भी कहा, जो लोग बार-बार 52 नंबर याद दिलाते हैं, उन्हें 290 नंबर भी याद रखना चाहिए।

जागरूकता से विधिक संस्कृति को बढ़ावा मिलता है : शर्मा

बायतु, 7 जनवरी (निसं)। राजस्थान विधिक सेवा के तहत तालुका विधिक सेवा समिति बाड़मेर के तत्वावधान में सोमवार को बायतु चिमनजी ग्राम पंचायत के अटल सेवा केन्द्र परिसर में जिला मजिस्ट्रेट

सिद्धार्थ शर्मा की अध्यक्षता में विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। शर्मा ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा मावन जीवन का मुख्य हिस्सा है। अभिभावक शिक्षा के साथ साथ अपने बच्चों को संस्कार भी अवश्य दें। उन्होने कहा कि विधिक साक्षरता मुख्य आशय यह है कि जनता को कानून से समब्न्धित सामान्य बातों से परिचित कराकर उनका सशक्तीकरण करना होगा। उन्होने कहा कि विधिक जागरूकता से विधिक संस्कृति को बढ़ावा मिलता है। शर्मा ने बताया कि विधिक निरक्षर व्यक्ति कानून से भय खाता है और उससे दूर भागता है। विधिक निरक्षर व्यक्ति अनजाने में कानून के विपरीत आचरण करके कानून से सहायता प्राप्त करने में अक्षम होता है। विधिक रूप से निरक्षर व्यक्ति अपने विधिक अधिकारों का प्रभावी ढंग से उपयोग नहीं कर पाता। उन्होने बालविवाह और नशे को अभिशाप बताते हुए इसे जड़ से खत्म करने की बात कही।

पंचकर्म चिकित्सा का उद्घाटन

जयपुर (कासं.)। एनएमडीसी जो नैगम सामाजिक दायित्वक (सीएसआर) के क्षेत्र में एक लीडर है । एनएमडीसी ने स्किल डेवलपमेंट पहल द्वारा किए गए मिशन स्किल इंडिया के लिए अपनी प्रतिबद्धता को कार्यान्वित करने के लिए मेसर्स शांति गिरि इंस्टिच्यूट ऑफ पारा मेडिकल साइंसेस, शांतिगिरि आश्रम, तिरुवनंतपुरम के एकक के माध्यम से जारी रखा है।

कार्यक्रम का उद्घाटन एनएमडीसी के निदेशक (कार्मिक) सुमित देब द्वारा किया गया था और इसकी अध्यक्षता स्वामी प्रणवसुद्दन ज्ञान तपस्वी ने की थी, जो शांतिगिरि इंस्टिच्यूयट ऑफ पैरा मेडिकल साइंसेस के प्रभारी (प्रशासन) हैं । इस कार्यक्रम में एनएमडीसी के अधिकारियों और भावी प्रशिक्षुओं ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान, निदेशक (कार्मिक) ने चिकित्सा की पारंपरिक भारतीय प्रणालियों को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर जोर दिया और इसके अलावा, भारतीय चिकित्सा पद्धति के क्षेत्र में उपलब्ध रोजगार के अवसरों पर जोर देने के साथ साथ इसके लाभों के बारे में जनता में अधिक से अधिक जागरूकता पैदा करने पर बल दिया ।

यह पहल, एनएमडीसी की परियोजनाओं / एककों / आस-पास के समुदायों के 15 जरूरतमंद युवाओं को न केवल आयुर्वेद प्रणाली के तहत आने वाले पंचकर्म चिकित्सा में प्रशिक्षण प्रदान करेगी, बल्कि प्रशिक्षुओं के लिए रोजगार के आश्वासित अवसरों को भी प्रदान करेगी । इसके साथ -साथ चिकित्सा की पारंपरिक प्रणाली को आगे बढ़ाने के लिए प्रोत्सानहित करेगी ।

उद्योग मंत्री परसादी लाल मीणा ने की जनसुनवाई

जयपुर (कासं.)। राजस्थान सरकार के उद्योग मंत्री परसादीलाल मीणा ने मंगलवार को प्रदेश कांग्रेस पदाधिकारियों के साथ प्रातः 11 बजे प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय, जयपुर में जनसुनवाई की।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के संगठन महासचिव महेश शर्मा ने यह जानकारी देते हुए बताया कि जनसुनवाई के दौरान मंत्री परसादीलाल मीणा ने प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय, जयपुर पर प्रदेशभर से आये बड़ी संख्या में कांग्रेसजनों एवं आम लोगों की समस्याओं को सुना तथा उनके निराकरण हेतु कुछ मामलों में संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। मीणा के साथ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष खिलाड़ीलाल बैरवा, संगठन महासचिव महेश शर्मा, महासचिव जी. आर. खटाणा, सचिव अमीन कागजी एवं कमल मीणा भी मौजूद रहे।

शर्मा ने बताया कि बुधवार को राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी मुख्यालय में श्रम मंत्री टीकाराम जूली प्रातः 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक जनसुनवाई करेंगे जिसमें राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष राजीव अरोड़ा, महासचिव घनश्याम मेहर, सचिव अयूब खान एवं कृष्ण कुमार हरितवाल उनका सहयोग करेंगे।

रिको करेगा भूखंडों की निलामी, 18 प्लॉट की होगी निलामी

बालोतरा, 7 जनवरी (निसं)। विभिन्न औद्योगिक क्षेत्र में रिको ई-नीलामी के माध्यम से भूखंडों की निलामी करेगा। रिको आरएम विनीत गुप्ता ने बताया कि निलामी की प्रक्रिया पूर्ण करने के बाद अधिकारिक रूप से विज्ञप्ति जारी की जा चुकी है। मोकलसर एवं बालोतरा के औद्योगिक क्षेत्र में विभिन्न भूखंडों की निलामी की जाएगी। बालोतरा औद्योगिक क्षेत्र में 18 प्लॉट की निलामी 6 जनवरी से 21 जनवरी तक की जाएगी। उन्होंने बताया कि शहर के उद्यमियों एवं खरीददारों के बीच बुकलेट बांटकर ऑक्शन की जानकारी दी गई है।

स्वेटर व दरी वितरण कार्यक्रम आयोजित

बालोतरा, 7 जनवरी (निसं)। भारत विकास परिषद द्वारा स्वेटर और दरी (कालीन) वितरण का कार्यक्रम किया गया। शाखा सचिव हरि गोठवालिया ने बताया कि एक शाखा एक गांव के तहत गोद लिया गया है। गांव रामसिंग मूंगड़ा में आज राजकीय बालिका विद्यालय मूंगड़ा में 4 दरियां भेंट की गई।

वही राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय मूंगड़ा सीनियर में 52 बच्चो को स्वेटर दिए गए। दरियां और स्वेटर दोनों परिषद के ही एक सदस्य द्वारा गुप्त भामाशाह के रूप में दिए गए।आज के कार्यक्रम में प्रांतीय अध्यक्ष भवानी शंकर गौड़, शाखा अध्यक्ष दिलीप गर्ग, सचिव हरि गोठवालिया, वित्त सचिव रघुवीर सिंघल, रामस्वरूप गर्ग, द्वारका प्रसाद गोयल, सुरेश सर्राफ़, राजेश जिंदल, नारायण जिंदल, मांगीलाल पालीवाल, महिला प्रमुख शोभा गौड़, स्कूल प्रधानाध्यापक दयाराम पटेल सहित सभी शिक्षक शिक्षिकायें उपस्थित रहे।

341 ग्राम पंचायतों में चार चरण में होंगे चुनाव

पाली, 7 जनवरी (निसं)। जिले की दस पंचायत समितियों की 341 ग्राम पंचायतों में पंच व सरपंच चुनाव चार चरणों में करवाएं जाएंगे।

जिला निर्वाचन अधिकारी दिनेशचंद जैन ने बताया कि प्रथम चरण में पंचायत समिति रोहट, बाली एवं रानी की कुल 98 ग्राम पंचायत व 1032 वार्डो में पंच व सरपंच चुनाव के लिए 7 जनवरी मंगलवार को निर्वाचन की लोक सूचना जारी की जाएगी तथा 8 जनवरी बुधवार को प्रातः 10.30 बजे से सायं 4.30 बजे तक नाम निर्देशन पत्र प्रस्तुत किए जा सकेंगे। गुरूवार 9 जनवरी को प्रातः10.30 बजे से नाम निर्देशन पत्रों की संवीक्षा की जाएगी एवं अपरान्ह तीन बजे तक नाम वापस लिए जा सकेंगे तथा नाम वापसी के समय समाप्ति के पश्चात् चुनाव प्रतीकों का आवंटन एवं चुनाव लड़ने वाले अभ्यर्थियों की सूची का प्रकाशन किया जाएगा। शुक्रवार 17 जनवरी को प्रातः 8 बजे से सायं 5 बजे तक मतदान करवाया जाएगा एवं मतदान समाप्ति के तुरन्त पश्चात् पंचायत मुख्यालय पर मतगणना की जाएगी तथा शनिवार 18 जनवरी को उप सरपंच का चुनाव होगा।

द्वितीय चरण में पंचायत समिति क्षैत्र पाली, देसूरी, रायपुर व सोजत क्षैत्र की कुल 123 ग्राम पंचायतों व 1369 वार्डो में निर्वाचन होगा जिसमें पंचायत समिति क्षैत्र पाली की 24 ग्राम पंचायत व 248 वार्ड, देसूरी पंचायत समिति क्षैत्र की 24 ग्राम पंचायत व 266 वार्ड, रायपुर पंचायत समिति क्षैत्र की 37 ग्राम पंचायत व 421 वार्ड एवं सोजत पंचायत समिति की 38 ग्राम पंचायत व 434 वार्डो में पंच व सरपंच का निर्वाचन होगा। द्वितीय चरण के लिए 11 जनवरी शनिवार को निर्वाचन की लोक सूचना जारी की जाएगी, 13 जनवरी सोमवार को प्रातः10.30 बजे से 4.30 बजे तक नाम निर्देशन पत्र प्रस्तुत किए जा सकेंगे। मंगलवार 14 जनवरी को प्रातः 10.30 बजे से नाम निर्देशन पत्रों की संवीक्षा की जाएगी व अपरान्ह तीन बजे तक नाम वापस लिए जा सकेंगे तथा नाम वापसी समय के पश्चात् चुनाव चिन्हों का आवंटन एवं चुनाव लड़ने वाले अभ्यर्थियों की सूची का प्रकाशन किया जाएगा। बुधवार 22 जनवरी को प्रातः 8 बजे से सायं 5 बजे तक मतदान करवाया जाएगा तथा मतदान समाप्ति के पश्चात् पंचायत मुख्यालय पर मतगणना की जाएगी तथा 23 जनवरी गुरूवार को उप सरपंच का चुनाव करवाया जाएगा।

उन्होंने बताया कि तृतीय चरण में पंचायत समिति क्षैत्र मारवाड़-जंक्शन, सुमेरपुर व जैतारण की कुल 116 ग्राम पंचायत व 1316 वार्डो में पंच सरपंच चुनाव होगा। जिसमें पंचायत समिति मारवाड-जंक्शन की 48 ग्राम पंचायत एवं 514 वार्डो, सुमेरपुर पंचायत समिति की 30 ग्राम पंचायत एवं 350 वार्डो तथा पंचायत समिति जैतारण की 38 ग्राम पंचायत एवं 452 वार्डो में पंच व सरपंच के चुनाव करवाएं जाएंगे। तृतीय चरण के लिए 18 जनवरी शनिवार को निर्वाचन की लोक सूचना जारी की जाएगी तथा 20 जनवरी सोमवार को प्रातः 10.30 बजे से सायं 4.30 बजे तक नाम निर्देशन पत्र प्रस्तुत किए जा सकेंगे। मंगलवार 21 जनवरी को प्रातः 10.30 बजे से नाम निर्देशन पत्रों की संवीक्षा की जाएगी। अपरांह 3 बजे तक नाम वापस लिए जा सकेंगे तथा नाम वापसी के समय के पश्चात् चुनाव प्रतीकों का आवंटन एवं चुनाव लड़ने वाले अभ्यर्थियों की सूची का प्रकाशन किया जाएगा। बुधवार 29 जनवरी को प्रातः 8 बजे से सांय 5 बजे तक मतदान करवाया जाएगा। मतदान समाप्ति के बाद पंचायत मुख्यालय पर मतगणना की जाएगी तथा 30 जनवरी गुरूवार को उप सरपंच का चुनाव होगा।

उन्होंने बताया कि चतुर्थ चरण में रानी पंचायत समिति की एक ग्राम पंचायत एवं 13 वार्डो तथा रायपुर पंचायत समिति की तीन ग्राम पंचायत एवं 23 वार्डों में पंच व सरपंच के चुनाव करवाए जाएंगे। जिसके तहत रानी पंचायत समिति के घेनडी एक सरपंच व 13 वार्ड पंच तथा पंचायत समिति रायपुर के बाबरा में एक सरपंच व 7 वार्ड पंच, ग्राम पंचायत पाटन में एक सरपंच व 11 वार्ड पंच तथा ग्राम पंचायत देवगढ़ में एक सरपंच व 5 वार्ड पंचों का निर्वाचन होगा। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 22 जनवरी बुधवार को लोक सूचना जारी होगी। 23 जनवरी को प्रातः 10:30 से 4:30 तक नाम निर्देशन पत्र प्रस्तुत किया जाएगा, 24 जनवरी को प्रातः 10:30 बजे से नाम निर्देशन पत्रों की समीक्षा, दोपहर 3 बजे तक नाम वापसी, उसके पश्चात चुनाव चिन्हों का आवंटन, 31 जनवरी को मतदान दलों का प्रस्थान व पहुंच, एक फरवरी को प्रातः 8 बजे से सांय 5 बजे तक मतदान तथा मतदान समाप्ति के पश्चात पंचायत मुख्यालय पर मतगणना की जाएगी। 2 फरवरी को उप सरपंच का चुनाव होगा।

मौसमी बीमारियों से लड़ने के लिए एडवांस मैनेजमेंट सिस्टम को मजबूत बनाया जाएगा : रघु शर्मा

अधिकारियों को उपकरणों के रखरखाव सहित अस्पतालों की समस्त व्यवस्थाओं को सुधारने के दिए निर्देश

जलतेदीप कासं, जयपुर

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री डॉ रघु शर्मा ने कहा कि सर्दी में मौसमी बीमारियों मसलन स्वाइन फ्लू व अन्य घातक बीमारियों से किसी भी व्यक्ति की जान नहीं जाए और आमजन को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मिले इसके लिए एडवांस मैनेजमेंट सिस्टम को मजबूत बनाया जाएगा।

डॉ शर्मा मंगलवार को एमएमएस मेडिकल कॉलेज सभागार में प्रदेश भर से आए मेडिकल कॉलेज प्राचार्य, अधीक्षक, संयुक्त निदेशक, पीएमओ तथा संबंधित अधिकारियों की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने चिकित्सा संस्थानों की समस्त कमियों को चिन्हित कर दृढ इच्छाशक्ति के साथ उपचार व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने का आव्हान किया। उन्होंने स्वाइन फ्लू सहित मौसमी बीमारियों के रोकथाम की तैयारियों की विस्तार से समीक्षा की तथा अभी से ही जांच व उपचार की समुचित व्यवस्था रखने के निर्देश दिए।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि प्रशासनिक नजरिए से मातृ-शिशु स्वास्थ्य और अस्पताल प्रशासन विंग को अलग करके दोनों की मॉनिटरिंग का काम करने का निर्णय लिया गया है। आईसीयू के नीकू और पीकू वार्ड को मजबूत करने

के सुझावों चर्चा की गई। यही नहीं जिला स्तर अधिकारी जिलों के स्वास्थ्य केंद्रों का फिजिकल इंस्पेक्शन कर नियमित रूप से रिपोर्ट करने का एक सिस्टम विकसित किया करेंगे ताकि किसी भी उपकरण के खराब, मांग होने पर या अन्य ऐसी समस्या का तुरंत और समय पर निदान हो सके। उन्होंने कहा कि मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी से लेकर संयुक्त निदेशक स्तर के अधिकारी संपूर्ण जिले में लगातार दौरा करेंगे और किसी भी परेशानी को उच्च स्तर तक तुरंत पहुंचाएंगे।

डॉ. शर्मा ने कहा कि स्वाइन फ्लू की तैयारी के 15 लाख टेमीफ्लू की दवाएं खरीद ली गई हैं और उन्हें उप स्वास्थ्य केंद्र तक पहुंचा दी गई हैं। स्क्रीनिंग से लेकर जांच व अन्य प्रकार की गाइडलाइन भी जारी कर दी है। उन्होंने बताया कि राज्य के सभी बड़े अस्पतालों में सेंट्रलाइज ऑक्सीजन सिस्टम शुरू करने की योजना पर काम शुरू हो गया है।

पंचायत चुनावों में युवाओं को प्रतिनिधित्व देने की मांग

पाली, 7 जनवरी (निसं)। जिला कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष व यूथ कांग्रेस जिलाध्यक्ष डा. यशपाल सिंह कुम्पावत ने आज जयपुर में उप मुख्यमंत्री व राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष सचिन पायलट से मुलाकात की। इस अवसर पर पाली जिला कांग्रेस कमेटी के जिला उपाध्यक्ष व पाली जिला यूथ कांग्रेस जिलाध्यक्ष डॉ. यशपाल सिंह कुम्पावत ने उप मुख्यमंत्री व राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष सचिन पायलट का साफा पहनाकर व गुलदस्ता भेंट कर स्वागत किया।

इस अवसर पर कुम्पावत ने पंचायत चुनावों में युवाओं को प्रतिनिधित्व देने की मांग की।

पांच वर्ष पूर्ण होने पर चुनाव लड़ सकेंगे

पाली, 7 जनवरी (निसं)। पंचायती राज आम चुनाव 2020 में जिले की तीन पंचायत समिति रोहट, बाली एवं रानी में होने वाले पंच व सरपंच के चुनाव में अयोग्य घोषित किए गए जनप्रतिनिधि जिनके विरूद्ध परिनिर्णय व अयोग्य संबंधी आदेश जारी होने की दिनांक के पांच वर्ष पूर्ण होने के पश्चात चुनाव लड़ने के पात्र माने जाएंगे।

अतिरिक्त आयुक्त एवं संयुक्त सचिव पंचायतीराज विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार पाली जिले की तीन पंचायत समितियों के 11 जनप्रतिनिधियों के विरूद्ध परिनिर्णय व अयोग्य आदेश जारी होने की दिनांक के पांच वर्ष पूर्ण होने के पश्चात स्थाई रूप से अयोग्य के अलावा चुनाव लड़ने के लिए पात्र माने जाएंगे।

आवासन मण्डल बना इण्डियन बिल्डिंग कांग्रेस की गवर्निंग काउंसिल का सदस्य

जलतेदीप कासं, जयपुर

आवासन आयुक्त पवन अरोड़ा ने बताया कि मंगलवार को दिल्ली में आयोजित हुए इण्डियन बिल्डिंग कांग्रेस की गवर्निंग काउंसिल के वार्षिक चुनावों में राजस्थान आवासन मण्डल के मुख्य अभियन्ता के.सी. मीणा सदस्य के रूप में निर्वाचित हुए है।

अरोड़ा ने बताया कि इण्डियन बिल्डिंग कांग्रेस में देश के समस्त हाउसिंग बोर्ड, सार्वजनिक निर्माण विभाग, केन्द्रीय सार्वजनिक निर्माण विभाग, नगरीय विकास संस्थाएं, विकास प्राधिकरण और आर्किटेक्ट संस्थाओं के 9 हजार सदस्य पंजीकृत हैं। यह काउंसिल भवन तकनीक के बारें में निरन्तर नई तकनीक और रिसर्च पेपर जारी करने के साथ भवन निर्माण की गुणवत्ता पर समय-समय पर राज्य सरकारों और केन्द्र सरकार को दिशानिर्देश जारी करती रहती है।

मुख्य अभियन्ता के.सी. मीणा ने बताया कि इस कार्यक्रम में आवासन मण्डल द्वारा हाल ही में ई-ऑक्शन में बनाया गया विश्व रिकॉर्ड चर्चा का विषय रहा। उल्लेखनीय है कि मण्डल द्वारा ई-आक्शन के माध्यम से महज 35 कार्य दिवसों में 1010 मकान बेचने का विश्व रिकॉर्ड बनाया था। मण्डल द्वारा बुधवार नीलामी उत्सव के माध्यम से अधिशेष मकानों को बेचने का अभिनव प्रयोग किया जा रहा है।

इसके साथ ही सरकारी शिक्षकों और कॉन्सटेबलों के लिये जयपुर के प्रताप नगर में मुख्यमंत्री शिक्षक आवासीय योजना और मुख्यमंत्री प्रहरी आवासीय योजना लॉन्च की गई है। सदस्यों ने कार्यक्रम में मण्डल द्वारा राजधानी में बनाई जा रही जयपुर चौपाटियों, खेल गांव और ईको फ्रेण्डली कॉचिंग हब के संबंध में जानकारी लेने में खासी दिलचस्पी दिखाई।

युगल कार्यशाला आयोजित

बालोतरा, 7 जनवरी (निसं)। न्यू तेरापंथ भवन बालोतरा में साध्वी प्रमोद श्रीजी, साध्वी पुण्य प्रभाजी सहित 11 ठाणा के सानिध्य में अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के निर्देशानुसार तेरापंथ महिला मंडल बालोतरा के तत्वाधान में स्व से शिखर तक मनाये नववर्ष पाए उत्कर्ष एक दूजे के लिए युगल कार्यशाला की आयोजना खुशहाल जीवन के लिए की गई। मंत्री रानी बाफना ने बताया कि कार्यशाला की शुरुआत साध्वी श्री जी के मुखारविंद से नमस्कार महामंत्र से हुई तत्पश्चात प्रेरणा गीत से मंगलाचरण किया गया। अध्यक्ष अयोध्या देवी ओस्तवाल ने स्वागत भाषण दिया सिवांची मालाणी मंत्री गौतम की वेद मेहता ने मुख्य वक्ता राष्ट्रीय प्राध्यापक निर्मल नौलखा का परिचय दिया।

मुख्य वक्ता निर्मल ने बताया कि मिस्टर एंड मिसेस परफेक्ट बनने के लिए दूसरे पर शत प्रतिशत विश्वास करें। साध्वी श्री पुणे प्रभारी ने बताया कि संबंधों को मजबूत सुदृढ़ सुंदर और मधुर बनाएं समर्पण भाव से और विश्वास से कभी नेगेटिव भाव नहीं रखेंगे संतुष्ट रहे हमेशा और प्रेम और आत्मीयता का भाव दी हमेशा रहे तभी हमारा जीवन अच्छा हो सकता है और उससे हमारा परिवार भी खुशहाल बन सकता है साध्वी श्री प्रमोद श्री जी ने फरमाया कि घर परिवार में सुख शांति से रहना चाहिए आचार्य तुलसी ने कहा धरती सर की तबीयत बनेगी जब परिवार स्वर्ग बनेगा।

मोनिका मंडोत ने मिस्टर एंड मिसेस परफेक्ट के चयन के लिए प्रतियोगिता करवाई जिसमें तेरापंथ युवक परिषद अध्यक्ष निलेश सालेचा और उनकी धर्मपत्नी कविता सालेचा को बेस्ट कपल घोषित किया गया। हैंड मेड गिफ्ट एग्जीबिशन आयोजित किया गया जिसमें नगर परिषद सभापति सुमित्रा वैद्य मुथा ने भाग लिया। कार्यक्रम में सभा अध्यक्ष शांतिलाल डागा, महासभा समिति सदस्य धनराज ओस्तवाल, रोशन बागरेचा, तेरापंथ युवक परिषद अध्यक्ष निलेश सालेचा, किशोर मंडल अध्यक्ष लोकेश चोपड़ा, महिला मंडल उपाध्यक्ष चंद्रा बालड, उर्मिला सालेचा, सह मंत्री संगीता बोथरा, रेखा जीश्री श्रीमाल, प्रचार मंत्री पुष्पा सालेचा, कोषाध्यक्ष निर्मला संकलेचा, कन्या मंडल प्रभारी इंदु भंसाली, परामर्शक, देवी छाजेड़, कन्या मंडल संयोजिका पायल बागरेचा मौजूद थे। युगल कार्यशाला में लगभग 75 दंपतियों ने भाग लिया और 300 लोगों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम का कुशल संचालन मंत्री

नामांकन व दस्तावेजों की जांच के लिए 3 पर्यवेक्षण अधिकारी लगाए

पाली, 7 जनवरी (निसं)। जिले में पंचायत राज संस्थाओं के आम चुनाव 2020 में नाम निर्देशन पत्र एवं उसके साथ प्रस्तुत दस्तावेजों की जांच के लिए तीन पर्यवेक्षण अधिकारी लगाए गए है।

जिला निर्वाचन अधिकारी दिनेशचंद जैन ने आदेश जारी कर पंचायत समिति बाली, सोजत, देसूरी एवं सुमेरपुर के लिए सहायक कलक्टर (प्रशिक्षण) सुमेरपुर विनित कुमार सुखाड़ियां को पर्यवेक्षण अधिकारी नियुक्त किया है एवं नायब तहसीलदार प्रशिक्षु सोजत को सहायक अधिकारी नियुक्त किया है। इसी प्रकार पंचायत समिति रोहट, पाली एवं मारवाड़ जंक्शन के लिए मधुलिका सीवर सहायक कलक्टर (प्रशिक्षण) को पर्यवेक्षण अधिकारी एवं नायब तहसीलदार (प्रशिक्षु) ओमअमृत को सहायक अधिकारी लगाया है।

मेंटॉर टीचर प्रशिक्षण सम्पन्न

बायतु, 7 जनवरी (निसं)। मानव संसाधन विकास मंत्रालय,भारत सरकार द्वारा अनुमोदित मेंटॉर टीचर एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ता का गैर आवासीय प्रशिक्षण बायतू ब्लॉक के राउमावि.बायतू के पुराना परिसर में आयोजित हुआ। शिविर प्रभारी आरपी टीकमाराम बेनीवाल ने बताया कि इस प्रशिक्षण में 68 मेंटॉर टीचर व 73 आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओ को प्रशिक्षित किया। इसमें पूर्व प्राथमिक शिक्षा में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता व मेंटॉर टीचर के मध्य समन्वय स्थापित कर इसको सुदृढ़ करने को लेकर चर्चा की गई।

प्रशिक्षण में अर्ली चाइल्ड-हुड एजुकेशन को कैसे प्रभावी कैसे बनायें? इस बात को लेकर दो दिवस तक कार्य किया। प्रशिक्षण में केआरपी आरती वर्मा,इंदु व आईसीडीएस विभाग से चंद्र कांता ने प्रशिक्षण दिया।शिविर के दूसरे दिवस सीडीपीओ शेर खान ने अवलोकन किया। योग प्रशिक्षक देवकुमार पोटलिया ने सभी संभागियों को योग करवाकर योग को दैनिक जीवन मे अपनाने की बात कही। अध्यापक मूलाराम माचरा व मोतीराम खोथ सहित अनेक शिक्षक शिक्षिकाओं ने प्रशिक्षण में सहभागिता की।

बारह पंचायत समितियों में नाम निर्देशन प्रक्रिया के लिए 300 दल रवाना

बाड़मेर, 7 जनवरी (निसं)। बाड़मेर जिले में प्रथम चरण के तहत होने वाले पंचायतीराज चुनाव के लिए मंगलवार को लोक सूचना जारी की गई। संबंधित ग्राम पंचायतों में सरपंचों एवं वार्ड पंचों के नाम निर्देशन आवेदन पत्र स्वीकार करने, उनकी संवीक्षा, चुनाव प्रतीकों के आवंटन तथा चुनाव लड़ने वाले अभ्यर्थियों की सूची के प्रकाशन के लिए जिला मुख्यालय पर राजकीय महाविद्यालय से 300 दलों की रवानगी हुई।

जिला निर्वाचन अधिकारी अंशदीप ने बताया कि बाड़मेर जिले में मंगलवार को लोकसूचना जारी होने के साथ ग्राम पंचायतों में पंच और सरपंच के प्रथम चरण के चुनाव की प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है। उनके मुताबिक प्रथम चरण के लिए उम्मीदवार 8 जनवरी को प्रातः 10.30 से सायं 4.30 तक नाम निर्देशन पत्र प्रस्तुत कर सकेंगे। नाम निर्देशन पत्रों की संवीक्षा 9 जनवरी को प्रातः 10.30 से होगी। उन्होंने बताया कि उम्मीदवार 9 जनवरी को दोपहर 3 बजे तक नाम वापस ले सकेंगे। नाम वापसी का समय समाप्त होने के तुरन्त पश्चात चुनाव प्रतीकों का आवंटन एवं चुनाव लड़ने वाले अभ्यर्थियों की सूची का प्रकाशन किया जाएगा।

जिला निर्वाचन अधिकारी अंशदीप ने बताया कि 16 जनवरी को मतदान दलों को रवाना किया जाएगा। जहां वे 17 जनवरी को प्रातः 8 बजे से सायं 5 बजे तक मतदान प्रक्रिया पूरी कराएंगे। मतदान समाप्ति के तुरन्त बाद ग्राम पंचायत मुख्यालय पर मतगणना होगी।

इसके अगले दिवस, 18 जनवरी को उप सरपंच का चुनाव होगा। इधर, जिला मुख्यालय पर राजकीय महाविद्यालय से रिटर्निंग एवं सहायक रिटर्निंग अधिकारी मय पुलिस जाब्ता संबंधित ग्राम पंचायतों के लिए रवाना हुए। इस दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी अंशदीप, राजस्व अपील प्राधिकारी नाथूसिंह राठौड़, उप जिला निर्वाचन अधिकारी राकेश कुमार शर्मा, मुख्य कार्यकारी अधिकारी मोहनदान रतनू समेत अन्य प्रशासनिक अधिकारियों एवं प्रोफेसर मुकेश पचौरी तथा अन्य मास्टर्स ट्रेनर्स ने पंचायतीराज चुनाव संपादित करवाने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

प्रथम चरण में इन पंचायत समितियों में होगा चुनाव: बाड़मेर जिले में पंचायतीराज चुनाव के प्रथम चरण के तहत पंचायत समिति सिवाना, समदड़ी, बालोतरा, पाटोदी, कल्याणपुर, गुड़ामालानी, आडेल, धोरीमन्ना, गिड़ा, सेड़वा, फागलिया एवं पायला कलां की ग्राम पंचायतों में पंच एवं सरपंच के लिए चुनाव होगा।

प्राइवेट जेट से जैसलमेर पहुंचे करण जौहर

जैसलमेर, 7 जनवरी (निसं)। बॉलीवुड के जाने माने निर्माता निर्देशक करण जौहर प्राइवेट जेट से जैसलमेर पहुंचे। जिसके बाद उन्होंने अपनी टीम के साथ बड़ाबाग की छतरियों के साथ ही विभिन्न लोकेशन भी देखी। जिससे उम्मीद जताई जा रही है कि धर्मा प्रोडक्शन के तहत किसी अपकमिंग फिल्म की शूटिंग के दृश्य जैसलमेर में फिल्माएं जाएंगे। हालांकि अभी तक यह स्पष्ट नहीं है कि किस फिल्म को लेकर करण जौहर जैसलमेर आए हैबड़ाबाग के साथ उन्होंने अन्य लोकेशन भी देखी।

ब्रोशर का लोकार्पण करते जस्टिस गर्ग व समाज के गणमान्य। जलतेदीप

अग्रसेन वेलफेयर सोसायटी के ब्रोशर का विमोचन

जोधपुर, 6 जनवरी (कासं)। समस्त अग्रसेन समाज के सहयोग से श्री अग्रसेन फ्रेंडस क्लब द्वारा आयोजित स्नेह मिलन एवं महा प्रसादी के अवसर पर महाराजा श्री अग्रसेन वेलफेयर सोसायटी के ब्रोशर का विमोचन न्यायाधिपति मनोज कुमार गर्ग द्वारा किया गया। सोसायटी के संयोजक उमेश लीला ने बताया कि इस डॉ राम गोयल के मार्ग दर्शन में अग्र समाज के भामाशाहों द्वारा इस सोसायटी का गठन किया गया है। जिस का उद्देश्य समाज के आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की आवश्यकता होने पर बच्चों कि उच्च शिक्षा में सहयोग, चिकित्सा में होने वाले खर्च में यथा संभव सहयोग, कन्याओं की शादी में सहयोग व अग्र बंधुओं के लिए रोजगार सुनिश्चित कराने में सहयोग करना है। इस सोसायटी की विशेष बात यह है कि सभी तरह का सहयोग पूर्णतया गुप्त रखा जाएगा। अध्यक्ष सुरेन्द्र लीला, सचिव सुरेन्द्र चमडिया में बताया कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि न्यायधिपति मनोज कुमार गर्ग ने सोसायटी के ब्रोशर का विमोचन करते हुए सोसायटी के सदस्यों को शुभकामनाएं द। इस अवसर पर डॉ राम गोपाल, डॉ नवनीत अग्रवाल, अजय अग्रवाल, राजेश सिंघल, कमल अग्रवाल, अनूप लडिया, मनीष गर्ग, हीरालाल मोदी, विनोद लीला, किशन लाल, प्रहलाद गोयल, रामवतार अग्रवाल, सत्यनारायण अग्रवाल, सरोज गुप्ता, रोशनी सिंहल, मनीष जालानी, विवेक अग्रवाल, मनीष गुप्ता अग्रसेन संस्थान के अध्यक्ष भानुप्रिय लोहिया, उपाध्यक्ष राकेश बंसल, कोषाध्यक्ष श्यामसुंदर गुप्ता, सहसचिव अनिल कुमार सिंहल एवं कार्यकारिणी सदस्य उपस्थित थे। संयोजक लीला ने आभार जताया।

एआईसीटीयू और राअस का प्रदर्शन आज

जोधपुर, 6 जनवरी (कासं)। असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों में सामाजिक सुरक्षा लागू करने रोजगार के नये सृजन कर बेरोजगारी पर रोक लगाने, सार्वजनिक वितरण प्रणाली को प्रभावी बनाते हुए आम वस्तुओं की मूल्यवृद्धि पर रोक लगाने, श्रम कानूनों की कठोरता से पालना करने, सार्वजनिक उपक्रमों का निजीकरण की नीति पर रोक लगाने व न्यूनतम वेतन 25000/- करने सहित करीब डेढ दर्जन मांगों को लेकर केंद्रीय श्रम संगठनों के आह्वान पर अखिल भारतीय ट्रेड यूनियन केंद्र एआईसीटीयू 8 जनवरी को जिला कलेक्टर कार्यालय पर प्रदर्शन कर प्रधानमंत्री के नाम से ज्ञापन दिया जायेगा। प्रदर्शन में निजी औद्योगिक इकाईयों की श्रमिक यूनियन, विभिन्न अस्पतालों में कार्यरत ठेका श्रमिक व कर्मचारी, भवन निर्माण यूनियन सहित अनेक संगठन के श्रमिक कर्मचारी शामिल होंगे। कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी महावीर उद्यान पर एकत्रित होंगे तथा जुलूस बनाकर पावटा चौराहा, राईकाबाग बस स्टेण्ड, होते हुए कलेक्ट्रेट कार्यालय पहुंचेंगे तथा अपनी मांगों के समर्थन में प्रदर्शन करते हुए ज्ञापन सौंपेंगे।

राष्ट्रीय अभियान समिति का जुलूस आज : इसी प्रकार नॉर्थ वेस्टर्न रेलवे एम्पलॉइज यूनियन के मण्डल कार्यालय में कल होने वाली देशव्यापी हड़ताल की तैयारी को लेकर मीटिंग की गई जिसमें राष्ट्रीय अभियान समिति के सभी घटक दलों के मुख्य नेता सम्मिलित हुए। राष्ट्रीय अभियान समिति के अध्यक्ष विजय मेहता ने बताया कि दिल्ली में हुए मजदूरों के विरूद्ध निर्णय के विरोध में बैंक, रेलवे अन्य घटक दलों सहित जुलूस निकाला जायेगा जो जालोरी गेट स्थित तात स्मारक से जोधपुर रेलवे स्टेशन होते हुए नॉर्थ वेस्टर्न रेलवे एम्पलॉइज यूनियन जोधपुर मण्डल कार्यालय पर आकर सभा में परिवर्तित होगा।

रेल कर्मियों ने रैली निकाल कर प्रदर्शन किया

जोधपुर, 7 जनवरी (कासं)। नॉर्थ वेस्टर्न रेलवे एम्पलॉइज यूनियन द्वारा ऑल इण्डिया रेलवे मैन्स फैडरेशन के आह्वान पर भारत सरकार की कथित मजदूर विरोधी नीतियों के विरोध में हल्ला बोल प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शन के तहत रैली निकाली गई।

मंडल सचिव मनोज कुमार परिहार ने बताया कि सरकार का रवैया मजदूरों के हित में नहीं है समय रहते सरकार को हल्ला बोल कर नही चेताया गया तो रेलवे में निगमीकरण व निजीकरण को बढ़ावा देने मे पीछे नहीं हटेगी।

रैली को मण्डल अध्यक्ष महेन्द्र व्यास, बजरंग सिंह राठौड, महेन्द्र सिंह सबरवाल, अनोप सिंह पंवार, हनुमानदास वैष्णव ने सम्बोधित किया। इस दौरान कर्मचारी उपस्थित थे।

सोलंकी को पितृ शोक

जोधपुर, 6 जनवरी (कासं)। राजस्थानी मासिक पत्रिका 'माणक' के कंप्यूटर विभाग में कार्यरत किशन सिंह सोलंकी के पिताश्री हुकमसिंह सोलंकी का आज निधन हो गया। करीब 70 वर्षीय श्री सोलंकी पिछले समय से अस्वस्थ थे। अपरान्ह बाद उनका कागा श्मशान घाट पर अंतिम संस्कार कर दिया गया। शवयात्रा उनके विष्णु भवन, उदयमंदिर स्थित निवास स्थान से रवाना हुई। जिसमें बड़ी संख्या में शहर के गणमान्यों ने भाग लिया। वे अपने पीछे पत्नी और दो पुत्रों के परिवार छोड़कर गए है।

सीएए को लेकर 'समर्थन सभा' आज

जोधपुर, 7 जनवरी (कासं)। जसवंत सागर स्थित माजीसा दिव्य धाम पर बुधवार को नागरिकता संशोधन बिल के समर्थन में 'समर्थन सभा' का आयोजन किया जाएगा। जिसमें आंगणवा इलाके में बसी पाक विस्थापित बस्ती के गणमान्य मौजूद रहेंगे। पंच दशनाम जूना अखाड़ा के महंत कमलानन्द पुरी व माजीसा दिव्य धाम गादिपति भरत दाधीच के सानिध्य में मध्याह्न एक बजे आयोजित होने वाली समर्थन रैली में भाजपा शहर जिलाध्यक्ष देवेन्द्र जोशी, राजस्थान ब्राह्मण महासभा जिलाध्यक्ष जगदीश गौड़, समाजसेवी नरेश सुराणा व भाजपा नेता पवन आसोपा अतिथि के रूप में मौजूद रहेंगे। कार्यक्रम संयोजक कमल जोशी ने बताया कि इस अवसर पर टोल फ्री नम्बर 88662-88662 के डायल करवाकर नागरिकता बिल का समर्थन किया जाएगा।

भर्ती की आवेदन तिथि आगे बढाने की मांग

जोधपुर, 6 जनवरी (कासं)। राजस्थान उच्च न्यायालय द्वारा चतुर्थ श्रेणी भर्ती की आवेदन तिथि बढाने की मांग की है ताकि वंचित रहे आवेदकों को मौका मिल सके। संघ के प्रदेश अध्यक्ष पुखराज जैन ने इस संबोध सहित अन्य मांगों को लेकर मुख्य न्यायाधीश राजस्थान उच्च न्यायालय को ज्ञापन भेजा गया। जैन ने बताया कि चतुर्थ श्रेणी भर्ती राजस्थान उच्च न्यायालय के सर्वर डाउन व अनियमितता होने के कारण कई बेरोजगार विद्यार्थी फार्म नहीं भर सके। जिससे कारण कई होनहार छात्र आवेदन करने से वंचित रहे गये। उनको फार्म भरने के लिए मौका दिया जाए।

मतदाता जागरूकता विषयक पड़ोस युवा संसद आयोजित

जोधपुर, 7 जनवरी (कासं)। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार के स्वायत्तशाषी संगठन नेहरू युवा केन्द्र जोधपुर द्वारा ओसियां उपखंड के रावतसर, सिरमंडी गांव में पड़ोस युवा संसद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के आरंभ में जिला युवा समन्वयक राजेश चौधरी द्वारा युवा संकल्प शपथ ग्रहण करवाई गई।

कार्यक्रम में क्षेत्रीय प्रचार अधिकारी अनुराग पांडेय ने पंचायत चुनावों के तहत युवाओं को अधिकतम मतदान करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि युवा जिम्मेदारी लेकर राष्ट्रनिर्माण की प्रक्रिया में भागीदार बनें। आगामी चुनावों में मतदान में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाकर युवा जन-जन को जागरूक करें। अध्यापिका नीलू रानी ने महिला सशक्तिकरण पर बल देते हुए युवाओं से शिक्षा का अधिकार सभी को दिलाने का अनुरोध किया। सही मायनों में नारी सशक्तिकरण के मायने भी उन्होंने युवाओं से साझा किये। कार्यक्रम में झालामंड प्रधानाचार्य ने कहा कि युवाओं को सकारात्मक सोच रख राष्ट्रनिर्माण में सक्रिय भूमिका अदा करनी चाहिए। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण की बात करते हुए लुप्त हो रहे गोडावण व खाद्य को संरक्षित करने के लिए युवाओं को प्रेरित किया।

अधिवक्ता नितेन्द्र सिंह संविधान अंगीकृत होने के सात दशक पूर्ण होने के बारे में युवाओं को मूल अधिकारों, मूल कर्त्तव्यों व नीति निर्देशक तत्वों के बारे में जागरूकता प्रदान की। स्वयंसेवक दिनेश विश्नोई व अशोक विश्नोई सहित स्थानीय युवा इस दौरान मौजूद रहे।

दंत व नेत्र जांच शिविर आज

जोधपुर, 7 जनवरी (कासं)। भारत विकास परिषद जोधपुर मारवाड़ शाखा, लॉयंस क्लब जोधपुर वेस्ट, धींगाणा ग्राम पंचायत एवं जिला अंधता निवारण समिति, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त तत्वावधान में निःशुल्क स्वास्थ्य चिकित्सा, दंत रोग जांच एवं नेत्र जांच शिविर 8 जनवरी को राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय धींगाणा में आयोजित किया जाएगा।

समाजसेवी बीरबलराम विश्नोई व सोहनलाल पंवार ने बताया कि शिविर में डॉ. संदीप कौशल, डॉ. एलसी सिंघवी, डॉ. चंदनकल्ला, डॉ. डीके बाड़मेरा, डॉ. एसीएच माथुर, डॉ. आनंदकिशोर सिंह, डॉ. प्रभा सिंह, डॉ. वीके बाड़मेर, डॉ. एसआर भंडारी, डॉ. नरपतराज भंडारी, डॉ. रितिशा माथुर एवं डॉ. रूबीना पठान अपनी सेवाएं देंगे। शिविर में आने वाले सभी मरीजों को निःशुल्क दवाइयां वितरित की जाएगी।

नेत्र रोग के ऑपरेशन योग्य मरीजों को आधुनिक पद्धति से बिना टांके के लेंस प्रत्यारोपण लॉयंस अस्पताल शास्त्रीनगर में किए जाएंगे। ऑपरेशन किए गए रोगियों के ऑपरेशन में दवाइयों की व्यवस्था निःशुल्क है।

सिंध कलाल समाज का सामूहिक विवाह समारोह 30 को

जोधपुर, 6 जनवरी (कासं)। पूज्य सिन्ध कलाल समाज सामूहिक विवाह समारोह समिति द्वारा 30 जनवरी को बसंत पंचमी पर समाज का सामूहिक विवाह का आयोजन किया जाएगा। इससे पूर्व रूणिचे में बाबा रामदेव के दर्शन करने के बाद गजाननजी स्थापित कर कार्यालय का उदघाटन कलाल पंचायत के अध्यक्ष महेश कुमार चावला, उपाध्यक्ष बंशीलाल चावला, एवं वशिठ समाजसेवी नानकराम खींची, सूर्यप्रकाश चावला गुलाबचंद खींची ने किया। इस अवसर पर प्रकाश खींची, कृष्ण कुमार नैणीवाल, मनोहरलाल टाक, जोगेश्वर नागौरी, महेश कुमार, राजसा सामरिया, कमल नेणीवाल, संतोष कुमार, कांतिलाल सामरिया व जितेन्द्र चावला आदि उपस्थित थे।

गरीब व वृद्धों को कपड़ों का वितरण

जोधपुर, 7 जनवरी (कासं)। जनमंगल संस्थान द्वारा गरीबों को गर्म कपड़ों का वितरण किया गया।

जनमंगल संस्थान के सचिव सुरेश डोसी ने बताया कि जन्म मंगल संस्थान समाज के गरीब तबकों को ऊपर उठाने का हर संभव प्रयास करता है।

इसी के तहत जनमंगल संस्थान द्वारा टाउन हॉल के पास राम रसोड़ा स्थित गरीब एवं वृद्धों को गर्म कपड़े का वितरण किया गया। जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय से संबंधित प्रज्ञा निकेतन व छात्रावास हॉस्टल नंबर 4 में भी गर्म कपड़ों का वितरण किया गया। संस्थान के अध्यक्ष अनार यादव ने बताया कि सर्दी को अधिकता को देखते हुए जनमंगल संस्थान ने गर्म कपड़ों का वितरण किया। इस दौरान जनमंगल संस्थान संस्थान के उपाध्यक्ष प्रिंस बालड़, कोषाध्यक्ष राजीव भंसाली, शैलेंद्र लूणावत, उम्मेदमल, देवेंद्र शर्मा, प्रिंसिपल नंदकिशोर यादव एवं मुक्केबाजी कोच विनोद आचार्य उपस्थित थे।

चेन स्नैचरों का सुराग नहीं

जोधपुर, 7 जनवरी (कासं)। मसूरिया स्थित दल्ले खां की चक्की के पास बाबा रामदेव मंदिर रोड पर सोमवार को दिनदहाड़े एं वृद्धा के गले से सोने की चेन छीनकर भागे बदमाशों का आज दूसरे दिन भी कोई सुराग हाथ नहीं लगा।

मामले को लेकर मसूरिया निवासी धीरज की ओर से रिपोर्ट दी गई है जिसमें बताया कि उनकी मां गीता देवी घर की ओर लौट रही थी, तभी एक बाइक पर दो बदमाश उनके नजदीक आए और गले में पहनी एक तोला वजनी सोने की चेन छीन भाग निकले। देवनगर थानाधिकारी सत्यप्रकाश विश्नोई ने बताया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए घटना स्थल के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगालने के साथ बदमाशों की तलाश की जा रही है।

इधर रविवार रात को कृषि मंडी व्यापारी से 70 हजार रुपयों की लूट का खुलासा आज भी नहीं हो पाया। दाधीच नगर निवासी शांतिलाल जैन के साथ रविवार रात को दुकान से लौटते वक्त घटना हुई थी। बाइक सवार मफलर ओढ़े दो बदमाश हाथ से रुपयों का बैग ले भागे थे। पुलिस सीसीटीवी फुटेज से तीसरे दिन भी तलाश में लगी रही।

पंचायत चुनाव के लिए आरओ व सहयोगी टीम रवाना

जोधपुर, 7 जनवरी (कासं)। पंचायत चुनाव 2020 के लिए मंगलवार को चुनाव निर्देशन हेतू आरओ व उनके सहयोगी टीम को टाउन हॉल से रवाना किया गया। विभिन्न पंचायत समितियों के आर्डर में अंकित है। वहां आरओ भेजे गए हैं। इन आरओं को पहले प्रशिक्षित किया गया। इसके साथ ही इन आरओ टीम से प्रमाण पत्र भी लिया गया है कि उन्होंने ईवीएम को चलाना सीख लिया है। इसके साथ ही टाउन हॉल में भंडार शाखा व यातायात शाखा से विभिन्न सामान व यात्रा शाखा से गाड़ी लेकर आज पंचायतों के लिए रवाना किया गया। यह आरओ जहां इनको पंचायत दी गई है वहां जाकर सरपंच के नामांकन दाखिल करवाएंगे। बता दें कि जिला कलेक्टर प्रकाश राजपुरोहित ने पंचायत आम चुनाव 2020 में पंच एवं सरपंच चुनाव के लिए रिटर्न अधिकारी का नाम निर्देशन पत्र एवं उनके साथ प्रस्तुत किए गए समस्त दस्तावेज जिला निर्वाचन कार्यालय में प्रस्तुत करने पर इन दस्तावेजों को प्राप्त कर एवं जांच के लिए प्रत्येक पंचायत समिति के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त किए गए हैं। आदेश के तहत नियुक्त नोडल अधिकारी दस्तावेजों को मिलाकर बक्सों में सील कर कोषाधिकारी जोधपुर को उपलब्ध कराएंगे। रिटर्न अधिकारी से प्रारूप 8 जिसमें निर्वाचन लड़ने वाले अभ्यर्थियों की सूची प्राप्त कर प्रभारी अधिकारी मतपत्र कोषाधिकारी शहर को उपलब्ध कराएंगे। इस संपूर्ण कार्य का पर्यवेक्षक प्रभारी अधिकारी स्टोर जिला रसद अधिकारी करेंगे। जिला निर्वाचन अधिकारी पंचायत कलेक्टर प्रकाश राजपुरोहित ने पंचायत आम चुनाव के लिए अधिकारियों को संचार प्रकोष्ठ में प्रभारी सहायक प्रभारी अधिकारी भी लगाए गए हैं। आदेश के तहत सूचना प्रौद्योगिकी सूचना एवं संचार विभाग के संयुक्त निदेशक प्रवीणपाल सिंह एवं उप निदेशक महेन्द्र चौधरी को प्रभारी अधिकारी तथा पंजीयन एवं मुद्रांक विभाग की प्रोग्रामर निशा गहलोत, सूचना प्रौद्योगिकी सूचना एवं संचार विभाग मण्डोर के सहायक प्रोग्रामर कुशाल अरोड़ा तथा सूचना प्रौद्योगिकी सूचना एवं संचार विभाग पीपाड शहर के सूचना सहायक राकेश कडवासरा को सहायक प्रभारी अधिकारी बनाया गया है।

खाईवाल पकड़े, रुपए बरामद

जोधपुर, 7 जनवरी (कासं)। सार्वजनिक स्थान पर अंकों के आधार पर जुआ खेल रहे गुब्बेड़ियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर रुपए बरामद किए। उदयमंदिर थाने के एएसआई जगदीश प्रसाद ने शॉपिंग सेंटर के पास गुब्बाखाई कर रहे हबीब पुत्र कमरूदीन को गिरफ्तार कर दांव पर लगी 2150 रुपए और थाने के एसआई हरीशचन्द्र ने हाजी बिल्डिंग के पास गुब्बाखाई कर रहे मोहम्मद वसीम पुत्र मोहम्मद सलीम को गिरफ्तार कर 2830 रुपए की राशि जब्त की। इसी तरह चौपासनी हाउसिंग बोर्ड थाने के एएसआई आनंदपाल ने रिक्तियां भैरूजी चौराहे के पास गुब्बाखाई कर रहे नरेश सैन पुत्र मेगाराम सैन को गिरफ्तार कर 720 रुपए की नकदी और पर्चियां जब्त की। वहीं कुड़ी भगतासनी थाने के हैडकांस्टेबल रामनारायण ने सांगरिया रिको रेलवे पटरी के पास गुब्बाखाई कर रहे मनोज पुत्र मोहनलाल बावरी और देवनगर थाने के हैड कांस्टेबल प्रहलादसिंह ने शिव बस्ती मसूरिया क्षेत्र में गुब्बाखाई कर रहे राकेश राव पुत्र मदनलाल राव को गिरफ्तार किया।

थ्रेसर की चपेट में आने से किसान की मौत

जोधपुर, 7 जनवरी (कासं)। जिले के बिलाड़ा थाना क्षेत्र में थ्रेसर की चपेट में आने से एक किसान की मौत हो गई।

पुलिस ने बताया कि कालाऊना ग्राम पंचायत के सीरवियों की ढाणी निवासी किसान मल्लाराम पुत्र लक्ष्मण राम सीरवी मंगलवार को कालाऊना गांव में मेघवालों की ढाणी पर थ्रेशर मशीन द्वारा सूखा चारा कटिंग करने के लिए गया। चारा कटिंग करते समय सर्दी से बचाव के लिए ओढ रखी शॉल थ्रेसर मशीन की चपेट में आने से किसान का मुंह व हाथ थ्रेशर मशीन में फंस गए व गर्दन कटकर धड़ से अलग हो गई। इससे किसान की मौके पर ही मौत हो गई। बेरे पर रहने वाले लोगों ने मृतक मल्लाराम के परिजनों व पुलिस प्रशासन को सूचना दी। सूचना पर पुलिस थाना बिलाड़ा से एएसआई शिवराम, विक्रम सिंह सहित पुलिस जाब्ता मौके पर पहुंचे व ग्रामीणों से घटना की जानकारी ली। बाद में कार्रवाई कर शव परिजनों को सौंपा गया।

आठ लोगों से ऑनलाइन ठगी, लाखों रुपए की लगाई चपत

जोधपुर, 7 जनवरी (कासं)। महानगर में साइबर क्राइम थमने का नाम नहीं ले रहा। यहां पुलिस ने एक ही दिन आठ केस दर्ज किए है। लाखों रुपए लोगों के खाते से उड़ा लिए गए। चार प्रकरण महामंदिर और दो सीएचबी थाने में दर्ज हुए। एक प्रकरण रातानाडा थाने में सामने आया। पुलिस अब इन प्रकरणों की तफ्तीश में जुटी है।

चौपासनी हाउसिंग बोर्ड पुलिस ने बताया कि चाणक्य नगर चौपासनी हाउसिंग बोर्ड निवासी चेतन चौधरी पुत्र केसरीलाल जाट ने रिपोर्ट दी। इसमें बताया कि पांच जनवरी को उसके पास एक व्यक्ति का फोन आया और उसके पेटीएम एप की केवाईसी करवाने का कहकर उसके खाते से 35 हजार रुपए निकालकर धोखाधड़ी की। इसी तरह चौपासनी हाउसिंग बोर्ड 15/97 निवासी राजेन्द्र कुमार पाठक पुत्र स्व. नारायणप्रसाद ने पुलिस को बताया कि अज्ञात व्यक्ति ने उसके पेटीएम पे अकाउंट की केवाईसी करने का झांसा देकर खाते की जानकारी हासिल की और उसके खाते से 97 हजार 171 रुपए की नकदी निकासी कर ली। इधर महामंदिर थाने में दी रिपोर्ट में जालम विलास पावटा बी रोड निवासी मनीष चौधरी पुत्र चौथाराम जाट ने पुलिस को बताया कि पांच जनवरी को उसके पास एक व्यक्ति का फोन आया और उसने खुद को बैंक अधिकारी बताते हुए बैंक और मोबाइल एकाउंट की केवाईसी कराने का बोलकर उसके खाते की जानकारी ली और उसके खाते से नकदी निकासी कर ली।

महामंदिर के गुर्जर मार्केट के पीछे जेडएस ए बीजेएस निवासी विजय चौधरी पुत्र भगाराम ने पुलिस को बताया कि गत छह जनवरी को उसके पास एक व्यक्ति का मोबाइल पर फोन आया और खुद को बैंक अधिकारी बताते हुए उसके बैंक अकाउंट की जानकारी हासिल करके उसके खाते से नकदी निकासी करके धोखाधड़ी की। इसी तरह जालम विलास पावटा बी रोड निवासी बाघसिंह पुत्र पृथ्वीसिंह ने पुलिस को बताया कि छह जनवरी को उसके मोबाइल फोन पर एक व्यक्ति का फोन आया और मोबाइल पर बैंक अकाउंट की केवाईसी अपडेट करने का कहकर बैंक अकाउंट और एटीएम की जानकारी हासिल करके नकदी निकासी कर ली। इधर उम्मेद हेरिटेज निवासी महेन्द्रलाल बाफना पुत्र स्व. शांतिलाल बाफना ने पुलिस को बताया कि छ जनवरी की दोपहर के समय उसके पास एक व्यक्ति का मोबाइल फोन आया और उसके बैंक अकाउंट की जानकारी हासिल करके खाते से आनलाइन नकदी निकासी कर ली। वहीं जम्भेश्वर कॉलोनी सारण नगर निवासी महेश कुमार टाक पुत्र शम्भूलाल दर्जी ने पुलिस को बताया कि उसके एसबीआई बैंक में स्थित खाते से अज्ञात व्यक्ति ने ऑनलाइन फर्जीवाडा करके खाते से नकदी निकासी कर ली।

राज्य खेल प्रतियोगिता में जोधपुर दूसरे स्थान पर

सनसिटी के खिलाडियों ने जीते 10 स्वर्ण, 17 रजत व 19 कांस्य

जोधपुर, 7 जनवरी (कासं)। राज्य सरकार एवं राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद की ओर से राज्य खेल जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में सम्पन्न हुए। जिसमें जोधपुर

जिले के करीब 260 खिलाड़ियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में जोधपुर को 10 स्वर्ण, 17 रजत एवं 19 कांस्य पदक जीतकर जनरल चेम्पियनशिप में दूसरा स्थान अर्जित किया। जिला खेल अधिकारी गोविन्दसिंह परिहार ने बताया कि जिम्नास्टिक बालिका वर्ग में दिशा मितल ने फ्लोर, बीम एवं अनईवन बार में स्वर्ण, टीम स्पर्धा में रजत, टेबल वाल्ट कांस्य पदक व ऑल राउण्ड तृतीय स्थान प्राप्त किया। संगीता ने अनवईन बार में कांस्य एवं ऑल राउण्ड में रजत पदक प्राप्त किया। जिम्नास्टिक बालक वर्ग में अंकुर गडेर ने होरिजेन्टल बार में स्वर्ण एवं टीम स्पर्धा में रजत पदक, उगम सिंह ने टेबल वाल्ट में रजत पदक व रोमन रिंग में रजत पदक, होरिजेन्टल बार तथा पेरेलर बार में कांस्य एवं ऑल राउण्ड में कांस्य पदक तथा भरत खन्ना ने रोमन रिंग में कांस्य पदक हासिल किया। बॉक्सिंग बालक वर्ग में कपिल राजपुरोहित व लोकेश खींची को कांस्य पदक, धीरज चौधरी एवं बारबरा को रजत पदक एवं विश्वास को कांस्य पदक, बॉक्सिंग बालिका वर्ग में अरशी खानम एवं विधि गिरी को स्वर्ण पदक, मंजू को रजत पदक एवं चिरांगी चौहान को कांस्य पदक, एथलेक्टि प्रतियोगिता में उमा चौधरी एवं धर्म सिंह को भाला फेंक में कांस्य पदक, टेबल टेनिस बालक वर्ग में टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक तथा टेबल टेनिस बालिका वर्ग की टीम स्पर्धा में रजत पदक प्राप्त किया।

वृद्ध ने फांसी का फंदा लगाकर दी जान

जोधपुर, 7 जनवरी (कासं)। निकटवर्ती लूणी तहसील के नंदवान गांव में मंगलवार तड़के एक वृद्ध ने अपने घर में खिड़की की जाली में फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली। पुलिस ने दोपहर में कार्रवाई कर शव परिजनों को सौंपा। लूणी पुलिस ने बताया कि नंदवान गांव निवासी बुधाराम (60) पुत्र शिवराम वाल्मिकी का शव आज सुबह चार बजे घर की खिड़की में लटका मिला। परिजनों को पता लगने पर उसे फंदे से उतारकर अस्पताल लेकर पहुंचे लेकिन डॉक्टर ने उसे मृत बता दिया। उसने रस्सी से फंदा लगाया। वह बीमार रहता था और एक हाथ लकवाग्रस्त भी था।

कार में लगी आग

जोधपुर, 7 जनवरी (कासं)। आरटीओ के निकट रामनगर में मंगलवार तड़के एक कार में संदिग्ध हालात में आग लग गई। संदेह है कि रंजिशवश कार में यह आग लगाई है। सूचना पर नागौरी गेट अग्निशमन केंद्र से पहुंची दमकल ने इस आग पर काबू पाया। सूचना पर पुलिस ने मौका मुआयना किया। नगर निगम के नागौरी गेट स्थित दमकल मुख्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार मंगलवार तड़के करीब सवा तीन बजे मिली कि आरटीओ के निकट रामगनर में बीजेएस क्षेत्र में देरावर सिंह के मकान के बाहर खड़ी एक बेलोनो कार में आग लग गई है। सूचना मिलने पर फायरमैन शैलेन्द्रसिंह, महेन्द्र कुमार एवं अर्जुनसिंह दमकल लेकर मौके पर पहुंचे और करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

बैरवा को पीएचडी

जोधपुर, 6 जनवरी (कासं)। जयनारायण व्यास विवि के राजनीति विज्ञान विभाग के शोधार्थी बबली राम बैरवा को पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई। बबलीराम ने अपना शोध कार्य राजनीति विज्ञान विभागाध्यक्ष, प्रो. सोहनलाल मीना के निर्देश में सरदार पटेल का राजनीतिक एवं प्रशासनिक नेतृत्व भारत की स्वंत्रता एवं एकीकरण के संदर्भ में एक विश्लेषणात्मक अध्ययन विषय पर पूर्ण किया है। बबली राम राम 08 शोध पत्र विभिन्न राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय जर्नल्सपुस्तकों में प्रकाशित हो चुके है। इन्होने 02 कार्य शालाओं तथा 15 से अधिक राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में शोध पत्र वाचन के साथ भाग लिया है।

जन आधार कार्ड के फायदे बताए

जोधपुर, 6 जनवरी (कासं)। जेएनवीयू की तीन संयुक्त राष्ट्रीय सेवा योजना इकाइयों के तत्वावधान में जन आधार कार्ड के बारे में लोगों को जानकारी प्रदान की गई। राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वंयसेवकों ने भदवासिया एवं बंजारा कॉलोनी क्षेत्र में जागरूकता अभियान शुरू किया और लोगों को जनआधार कार्ड के लाभो के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम अधिकारी डॉ उम्मेदराज तातेड़ ने यह जानकारी दी।

शोभायात्रा के साथ भागवत कथा शुरू

जोधपुर, 7 जनवरी (कासं)। राधा रानी सेवा समिति तथा मोहल्ला विकास समिति 'के' सेक्टर, प्रतापनगर के तत्वावधान में मंगलवार को सुबह भागवत कथा के प्रथम दिन विद्युतेश्वर महादेव मन्दिर से कलश यात्रा निकाली गई। कलश यात्रा में सबसे आगे भागवत की पोथी को सिर पर उठाये यजमान राजेश गुप्ता चल रहे थे। कलश यात्रा में कन्याएं व महिलाएं सिर पर कलश धारण किए हुए मंगलगीत गाते हुए चल रही थी। कलश यात्रा का जगह-जगह लोगों ने पुष्प वर्षा कर स्वागत किया। कलश यात्रा प्रतापनगर के 'के' सेक्टर स्थित पुलिस चौकी के पीछे जय अंबे मां पार्क पहुंची। वृंदावन वाले पंडित दामोदर भारद्वाज के व्यास पीठ पर आसन होने के बाद माल्यार्पण कर स्वागत किया गया। पंडित भारद्वाज ने कहा कि भागवत कथा में जीवन का सार तत्व मौजूद है। भागवत श्रवण से मनुष्य को परमानन्द की प्राप्ति होती है। भागवत श्रवण प्रेतयोनी से मुक्ति मिलती है। मनीष कुमार चितारा ने बताया कि पंडित भारद्वाज 13 जनवरी तक भागवत कथा का वाचन करेंगे। इस अवसर पर मोहल्ला विकास समिति के अध्यक्ष गोविंद लाल दैया, अमोलकचंद सोनगरा, गोपाल जादूगर, राजेश गुप्ता, खेताराम सोनगरा, ताराचन्द पंवार, जुगल किशोर चौहान, राज सक्सेना, पुखराज चितारा, पोलाराम दाधीच, डूंगर चौहान, आदेश, श्याम चौधरी, बबलू चौधरी, पुखराज सोनगरा, हंसराज बायड़, नाथूराम गहलोत, कैलाश माहेश्वरी,महेश शर्मा, धर्मेंद्र अलेटी, मिश्रीलाल चौहान, रामेश्वर सोनी, दीपेश दैया, सुरेश दैया, सुआ देवी, प्रतापी बाई गहलोत, शायरी देवी, लक्ष्मी चौहान, संपत देवी, राजू देवी, नीरज चितारा, निशा दहिया, रेखा वैष्णव तथा शोभा देवी सहित अनेक भक्तजन उपस्थित थे।

समय पर वेतन देने की मांग, चेतावनी पत्र सौंपा

जोधपुर, 7 जनवरी (कासं)। जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय कर्मचारी संघ ने मंगलवार को केंद्रीय कार्यालय पर धरना देकर वेतन समय पर दिलाने की मांग की। साथ ही कुलपति को चेतावनी पत्र सौंपा।

संघ के अध्यक्ष किशनसिंह गुर्जर ने बताया कि जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय के कर्मचारियों का मासिक वेतन हर माह समय पर नहीं मिल पा रहा है जिससे कर्मचारियों में भारी रोष है। पिछले काफी समय से विवि कर्मचारियों का वेतन 15 तारीख से 23 तारीख के बीच खाते में जमा होता है जिससे प्रत्येक माह कर्मचारियों को आर्थिक कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है जो कि न्याय उचित नहीं है। कर्मचारी संघ को प्रत्येक माह कर्मचारियों के वेतन हेतु बार-बार धरने प्रदर्शन कर विरोध जताना पड़ रहा है। इससे विश्वविद्यालय कार्य भी बाधित होता है। अगर समय रहते वेतन जमा नहीं हुआ तो विश्वविद्यालय को बंद करवाने का कर्मचारी संघ ने ऐलान किया है।

मेवाड़ा अध्यक्ष

जोधपुर, 6 जनवरी (कासं)। राजस्थान उच्च न्यायालय अधिवक्ता युवा मंच की प्रदेश कार्यकारिणी के वार्षिक चुनाव आज संपन्न हुए। चुनाव अधिकारी युवराज चौहान ने बताया कि प्रदेश संयोजक शेलेन्द्र सरवा, प्रदेश अध्यक्ष घनश्याम मेवाड़ा, प्रदेश उपाध्यक्ष सराज खान, प्रदेश महामंत्री पुखराज जैन, प्रदेश सचिव विजय कुमार मालवीय, प्रदेश सहसचिव दीपक कवाड व प्रदेश कोषाध्यक्ष जगदीश विश्नोई, पप्पू राम विश्नोई, कंवरा राम जाट, आकाश गोयल को चुना गया।

बैठक-कांग्रेस व्यापार प्रकोष्ठ एवं युवा मोर्चा कांग्रेस पार्टी के तत्वावधान में आज बैठक का आयोजन प्रकोष्ठ के कार्यालय में किया गया। प्रदेश संयोजक एसके अग्रवाल ने बताया कि कांग्रेस द्वारा पूरे प्रदेश में सदस्यता अभियान एवं केंद्र सरकार की नीतियों एवं योजनाओं के खिलाफ आंदोलन किया जाएगा। जिसको सफल बनाने के लिये जिले के सक्रिय कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी सौंपी गई। जिसमें मोहन मिर्धा, कर्मेन्द्र सिंह परिहार, रमेश कुमार शर्मा, संदीप पंवार, पुखराज जैन, राकेश टाक, आसिफ मोदी, गोरव मिर्धा, अशोक पंवार, राजेन्द्र परिहार, कार्तिक पंवार, कैलाश जांगिड़, चेतन परिहार, जनार्दन गहलोत, दीपक पंवार, नरेन्द्र सिंह मेड़तिया, पुखराज बोहरा, निरंजन गहलोत व आशीष मोदी को प्रभारी बनाया गया।

दैनिक
जलते दीप

जयपुर, बुधवार 8 जनवरी 2020

परमाणु खतरे की वापसी

फारस की खाड़ी के तनाव को इस नई परेशानी से गुजरना ही था। सोमवार को जब ईरान ने यह घोषणा कर दी कि वह 2015 का परमाणु समझौता मानने को बाध्य नहीं है, तो किसी को हैरत नहीं हुई। यूरोपीय देशों ने ईरान से यह अनुरोध जरूर किया है कि वह अपने इस फैसले पर फिर से विचार करे और परमाणु समझौते का पालन बरकरार रखे, लेकिन सभी को यह पता है कि वह अब इस समझौते की पाबंदियों को नहीं मानने वाला। दरअसल हैरत तो तब होती, जब इस तनाव के बाद भी वह समझौते को मानने की बात करता। काश, ऐसा होता। लेकिन इस परमाणु समझौते को तोड़ने का बड़ा आरोप किसी भी सूरत में ईरान पर नहीं आएगा, क्योंकि इस समझौते में प्रमुख भूमिका निभाने वाला अमेरिका दो साल पहले ही इससे खुद को बाहर कर चुका है। जिसे हम अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ईरान नीति कहते हैं, वह दरअसल अमेरिका के इस समझौते से अलग होने के साथ ही शुरू हुई थी। और उसी के साथ जो सिलसिला शुरू हुआ, वह शुक्रवार को ईरान के सैन्य प्रमुख कासिम सुलेमानी की ड्रोन हमले में हत्या तक पहुंच गया। 2015 में परमाणु समझौते के साथ उम्मीद की जो एक नींव तैयार हुई थी, वह अब पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी है। इस परमाणु समझौते ने ईरान के खिड़की-दरवाजों को पूरी दुनिया के लिए खोला था। ईरान पर लगी तमाम तरह की पाबंदियां हटीं, तो यह उम्मीद भी बनी थी कि वह जल्द ही अपने चरमपंथ को छोड़ दुनिया की मुख्यधारा में सक्रिय हो जाएगा। भारत जैसे देशों के लिए तो यह एक अच्छा समाचार इसलिए भी था कि नई दिल्ली के तेहरान से पुराने आपसी और कारोबारी संबंध रहे हैं, जो लगातार प्रगाढ़ हो रहे हैं, लेकिन अमेरिकी पाबंदियों के चलते भारत पर भी अक्सर रिश्ते तोड़ने के लिए दबाव बनाया जाता था। लेकिन ट्रंप के शासन संभालते ही ये सारी उम्मीदें ध्वस्त होने लगीं। हालांकि ईरान ने यही कहा है कि वह परमाणु संधि की पाबंदियों को नहीं मानेगा, लेकिन यह भी जोड़ दिया है कि वह अंतरराष्ट्रीय परमाणु अप्रसार के विरुद्ध नहीं है। पाबंदियों को न मानने का अर्थ यह है कि वह यूरेनियम के संवर्द्धन को संधि के अनुसार कम करने की बजाय फिर से बढ़ाना शुरू कर देगा। यानी ईरान वही रास्ता अपनाएगा, जो आगे चलकर उसे परमाणु बम बनाने की ओर ले जाएगा। अभी हमें ठीक से नहीं पता कि वह वास्तविक परमाणु बम से कितना दूर है, लेकिन अमेरिकी ड्रोन हमले के बाद उस पर परमाणु बम बनाने का दबाव निश्चित तौर पर बढ़ेगा। वहां सैन्य विशेषज्ञों का यह तर्क काम करने लगेगा कि परंपरागत युद्ध में तो ईरान किसी भी तरह अमेरिका से जीत नहीं सकता, लेकिन परमाणु बम तनाव की स्थिति में उसे सौदेबाजी की ताकत जरूरत दे सकता है। कोई बड़ा युद्ध होगा या नहीं, अभी नहीं कहा जा सकता, अगर ऐसा हुआ, तो बारूद के ढेर पर बैठी दुनिया में चिनगारियों की संख्या जरूर बढ़ जाएगी।

टिडिडयों का कहर जारी

यह अत्यंत चिंताजनक है कि प्रदेश के सीमावर्ती इलाकों में टिडिडयां कहर बपा रही है। सरकार से लेकर किसानों के कोशिश करने के बाद भी टिडिडयां काल बनकर फसलों पर मंडरा रही है। जैसलमेर, जोधपुर, बाड़मेर, जालोर सहित कई जिले टिडडी प्रभावित है, सभी जिलों में किसानों को टिडडी दलों से निजात नही मिल पा रही है। राजस्थान और गुजरात के सीमावर्ती इलाकों में कहर बरपा रही टिडडी सीमा पार पाकिस्तान क बंजर इलाकों में पैदा हो रही है। यह सीमा से लगा पाकिस्तान का 70 से 80 किलोमीटर का इलाका है, जहां रेत के टीले और झाड़ियां है। हवा का रूख भारत की ओर होने के कारण पैदा होने के बाद टिडडी यहां प्रवेश करती है। सीमावर्ती इलाका सीमा सुरक्षा बल के पास होने कर सकती। ऐसे में केंद्र से बिना संवाद के रोकथाम मुश्किल दिखाई दे रही है। केंद्र से संवाद की कमी और नाकाफी इंतजामों से कहर बढता जा रहा है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत केंद्र को पत्र लिखकर मशीनें उपलब्ध करवाने की मांग कर चुके हैं, लेकिन अभी तक राज्य सरकार को केंद्र से सामान्य प्रक्रिया के तहत ही मदद मिल रही है। कृषिमंत्री लालचंद कटारिया का कहना है कि विभाग टिडडी रोकथाम के लिए किसानों की हरसंभव मदद कर रहा है। केंद्र से मदद मिले तो रोकथाम में कमी आ सकती है। कारण सीमा के पास का इलाका केंद्र के अधीन है। यह निराशाजनक है कि जोधपुर संभाग से केंद्रीय मंडिमंडल में दो सदस्य हैं, लेकिन उन्हें कोई चिंता ही नहीं हो रही है। उल्लेखनीय है कि गर्मियों की शुरूआत के साथ ही सीमावर्ती इलाकों में टिडडी दलों ने हमला शुरू कर दिया था। विकट स्थिति यह भी है कि प्रशासन खडी फसलों पर कीटनाशक का छिड़काव करने से बच रहा है और टिडडी दल खाली जमीन पर बैठ नहीं रहे हैं।इस कारण से टिडडी दल किसानों की फसलों पर हावी हो रहे हैं। खेतों में जीरा, इसबगोल, सरसों और गेहूं की खडी फसल के ऊपर से टिडडी दलों ने पक्तियों को चट कर दिया है। प्रशासन की ओर से ग्रामीणों की मदद से टिडिडयों को नष्ट करने के लिए फायर ब्रिगेड सहित वाहनों से दवाई का छिड़काव जारी है, लेकिन फिर भी टिडडी दल कई गांवों में फसलों को भारी नुकसान पहुंचा चुके है। वर्तमान में बाड़मेर में चार जगह टिडडी दलों का जमाव है, जिनमें चाडीयाली, डिगा, गिराब, और समदडी है। तेज सर्दी के बावजूद टिडडी का प्रकोप कम नहीं हो रहा है। जैसलमेर जिले के मूलसागर से भू, भोपा, पीथोड़ाई और कहीं इलाकों के साथ डाबला, आशायच और उससे लगे क्षेत्रों में असंख्य टिडिडयां खेतों में फसलों का खात्मा करने में जुटी है। इस विकट स्थिति में को समझते हुए केंद्र सरकार को संवेदनशीलता दिखानी चाहिए और शीघतातिशीघ्र हरसंभव सहायता उपलब्ध करानी चाहिए, जिससे टिडडी दलों से निजात पाई जा सके।

।। दसवां वेद ।।

-जुगल परिहार

दूहो दसमों वेद समझै तेनै सालै

8759. दूजा नै सुख देखकर

दूजा नै सुख देख कर, निपट दुखी हुवै नीच।
सूखै जव्वासो सही, वरखा रूत रै बीच।।

जो नीच व्यक्ति होता है, वह दूसरों को सुख मिलता है देखकर बड़ा दुखी होता है। अब देखिए, जवासा नाम का पौधा तब सूख जाता है जब वर्षा ऋतु आती है।

श्रीधर नाम का एक ब्राह्मण था, जो अज्ञानी और निर्धन था। निर्धनता से परेशान होकर एक दिन उसकी स्त्री ने उससे कहा कि इस प्रकार कब तक गरीबी भोगते रहेंगे? क्यों नहीं आप राजा के पास जाते? राजा हमारी गरीबी दूर कर सकते हैं। श्रीधर बोला कि लेकिन राजा के पास जाकर मैं कहूंगा क्या? मुझे तो कुछ आता ही नहीं है। तब उसकी स्त्री ने कहा कि तुम राजा को जाकर यह कहना-धर्म से जय पाप से क्षय, इस बात को जानो। श्रीधर कहता सुनलो राजन कर देखो और मानो। स्त्री के कहे अनुसार श्रीधर प्रतिदिन राजसभा में जाकर आशीर्वादपूर्वक यह बात कहने लगा। संतुष्ट होकर राजा भी उसे प्रतिदिन एक स्वर्णमुद्रा देने लगा। उसने प्रतिदिन आकर यह बात कान में सुनाने की अज्ञा दे दी। अब श्रीधर की गरीबी दूर हो गई और वह सुखी रहने लगा। एक अंग नाम के ब्राह्मण को उससे द्वेष हो गया कि मेरे जैसे विद्वान के रहते यह मूर्ख राजा का कृपापात्र हो रहा है। अतः एक दिन उसने श्रीधर से कहा कि पंडितजी राजा के कान में बात कहते मुंह के आगे वस्त्र रखना चाहिए। अन्यथा श्वास लगने से राजा क्रुद्ध हो जाएगा। अगले दिन से श्रीधर वस्त्र रखकर आशीर्वाद देने लगा। उधर अंग ने राजा को कहा कि श्रीधर तो शराबी है, अपने मुंह की गंध आपको न मालूम हो, इसलिए वह मुंह के आगे वस्त्र रखकर आपको मंत्र सुनाता है। दूसरे दिन राजा के मन में क्रोध धारण कर श्रीधर को वस्त्र आभूषण से सम्मानित कर एक बंद लिफाफा देते हुए कहा कि मेरे पुत्र के पास जाओ, वह तुम्हें इस पत्र में लिखी वस्तु देगा। राजा से प्राप्त वस्त्र आभूषण धारण कर श्रीधर घर जा रहा था तो रास्ते में अंग पंडित मिला। उसने कहा कि आज इतना आडंबर कैसे? श्रीधर ने कहा कि आपकी कृपा से मैंने राज्य सम्मान प्राप्त किया है। तब अंग पंडित ने कहा कि इसमें कुछ हमें भी मिलना चाहिए। श्रीधर ने उसे बंद लिफाफा दे दिया। राजपुत्र के पास अंग पंडित गया। पत्र पढकर उसने तुरंत उसके नाक कान काट दिए। दूसरे दिन जब श्रीधर अक्षत रूप में राजा के पास गया तो राजा ने पूछा कि उस पत्र का क्या हुआ? सारी बात बताते हुए उसने कहा कि वह मैंने अंग पंडित को दे दिया। राजा ने तब अंग पंडित को बुलाकर सारी बात जान ली। परद्रोह का प्रत्यक्ष फल ज्ञात कर राजा ने श्रीधर को विशेष रूप से सम्मानित किया।

कालापानी पर नेपाल की बेचैनी

नया वर्ष एक नई समस्या लेकर आया है, जो नेपाल से संबंधित है और जिसने भारतीय नीति निर्माताओं के लिए एक पुराने विवाद को उभार दिया है। उत्तर का यह पड़ोसी देश बेचैन है और चाहता है कि नई दिल्ली भारत-नेपाल-तिब्बत सीमा पर स्थित रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण एक छोटे से एन्क्लेव कालापानी के विवाद पर द्विपक्षीय विवाद के लिए समय-सारिणी तय करे। भारत में नेपाल के राजदूत नीलांबर आचार्य ने कहा है कि कालापानी नेपाल के क्षेत्र का हिस्सा है। सिर्फ सरकार ने ही नहीं, नेपाल के सुप्रीम कोर्ट ने भी विवाद को सुलझाने के लिए नोटिस दिया है। इसके संकेत मजबूत हैं और नई दिल्ली इसकी अनदेखी नहीं कर सकती।

आम तौर पर भारत और नेपाल के बीच रिश्ते सौहार्दपूर्ण रहे हैं, जिसे पारंपरिक रूप से रोटी-बेटी का रिश्ता कहा जाता है, लेकिन हाल के दिनों में दोनों देशों के बीच तल्खी दो स्तरीय हो गई है। एक तो यही कि नेपाल में चीन का प्रभाव बढ़ रहा है, जिसे काठमांडू में इस समय मौजूद वामपंथी सरकार उतनी ही गर्मजोशी और तत्परता के साथ गति दे रही है। यह नए ढंग से पुरानी समस्या का उभार है, जो दिन-ब-दिन बढ़ता जा रहा है, क्योंकि चीन पूरे दक्षिण एशिया में अपना प्रभाव बढ़ा रहा है। नई दिल्ली द्वारा विगत अगस्त में अप्रत्याशित ढंग से उठाए गए कदम के बाद, जिसके तहत जम्मू-कश्मीर के राज्य के दर्जे को भंग करके उसे केंद्र शासित प्रदेश घोषित कर दिया गया था, दूसरे स्तर पर नेपाल के साथ हमारा रिश्ता उलझ गया है। दरअसल विगत नवंबर में भारत का आधिकारिक मानचित्र जारी किया गया, जिसमें कालापानी को उत्तराखंड के पिथौरागढ़ जिले का हिस्सा बताया गया है।

नेपाल ने इसका विरोध किया और अपने दावे को दोहराया। भारत के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रवीश कुमार द्वारा कालापानी पर चर्चा करने और इस विवाद को निपटाने के लिए भारत की प्रतिबद्धता को दोहराने के बावजूद नेपाल की बेचैनी बढ़ी है। नेपाल के विभिन्न शहरों में इसके खिलाफ विरोध प्रदर्शन हुए, हालांकि भारत के साथ जब कोई विवाद होता है, तो ऐसा होना वहां सामान्य बात है, फिर चीन के बढ़ते प्रभाव के साथ यह बढ़ रहा है।

अब भारत को निश्चित रूप से कदम उठाना चाहिए, या चिंता और कार्रवाई के दिखावे से ज्यादा काम करना चाहिए। यह कैसे होगा और इसका परिणाम क्या होगा, यह देखने वाली बात होगी। काठमांडू की संवेदनशीलता को देखते हुए इस बात की संभावना है कि विदेश सचिव विजय गोखले, अथवा विदेश मंत्री एस जयशंकर नेपाल का दौरा करें और वहां के प्रधानमंत्री के पी शर्मा ओली के साथ बातचीत करें।

- महेंद्र वेद

दरअसल यह पुराने मुद्दे का नए ढंग से उभार है, जिसमें आरोप लगाया गया है कि भारत ने आक्रामक ढंग से मानचित्र तैयार किया है। यह स्थिति रवीश कुमार के जोर देकर ऐसा कहने के बावजूद है, कि हमारे नक्शे में भारतीय क्षेत्र का सटीक चित्रण है। नए नक्शे में

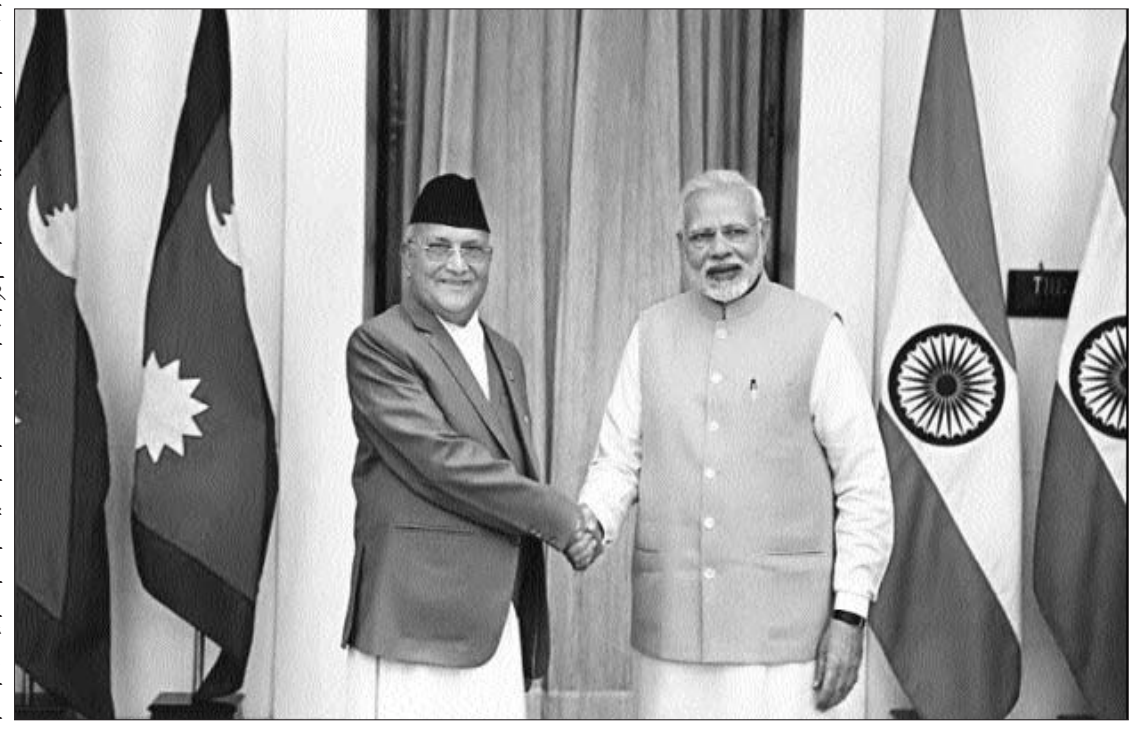

नेपाल के साथ हमारी सीमाओं को संशोधित नहीं किया गया है। नेपाल के साथ सीमा परिसीमन अभ्यास मौजूदा तंत्र के तहत चल रहा है। हम अपने करीबी और मैत्रीपूर्ण द्विपक्षीय संबंधों की भावना में बातचीत के माध्यम से समाधान खोजने के लिए अपनी प्रतिबद्धता को दोहराते हैं।

नेपाल ने लगातार दावा किया है कि कालापानी उसके सुदूर पश्चिमी धारचूला जिले का हिस्सा है। नेपाल और ब्रिटिश भारत के बीच 1815 में हुई सुगौली संधि के मुताबिक, कालापानी क्षेत्र से होकर बहने वाली महाकाली नदी को दोनों देशों के बीच की सीमा माना गया था। यह क्षेत्र चीन (तिब्बत) के साथ लगी भौगोलिक रूप से महत्वपूर्ण त्रिकोणीय जंक्शन के करीब है और इस क्षेत्र में भारत-तिब्बत सीमा पुलिस तैनात है। बिहार के नरसाही-सुस्ता के पास भी एक और विवादित क्षेत्र था, जिसे सुलझा लिया गया।

अब नेपाल ने घोषणा की है कि वह कालापानी मुद्दे का हल तलाशने के लिए भारत के साथ बातचीत के लिए एक तारीख तय कर रहा है। नेपाली विदेश मंत्री प्रदीप ग्यावली ने दावा किया कि नेपाल ने विगत 23 नवंबर को भारत को सीमा विवाद हल करने के लिए एक औपचारिक पत्र भेजा, जिसका जवाब देते हुए भारत ने इस मुद्दे को सुलझाने में रुचि दिखाई। उन्होंने कुशल कूटनीतिक भाषा का इस्तेमाल करते हुए कहा कि यह कहना गलत है कि सीमा से जुड़ी समस्याओं के कारण भारत-नेपाल के संबंध खराब हुए हैं। भारत कूटनीतिक रास्ते से सीमा विवाद हल करने के लिए तैयार है।

हालांकि दबाव बनाए रखते हुए नेपाल के प्रधानमंत्री ने विगत 18 नवंबर को कहा था कि वह भारत को अपनी सेना हटाने के लिए कहेंगे और जोर दिया कि उसकी देशभक्त सरकार किसी को भी उसके एक इंच जमीन पर अतिक्रमण की अनुमति नहीं देगी। जब नेपाल के छात्रों ने भारत के खिलाफ सड़कों पर प्रदर्शन किया, तो ओली ने एक सर्वदलीय बैठक बुलाई, जिसमें पूर्व प्रधानमंत्री और पूर्व विदेश मंत्री भी शामिल थे। उसमें शामिल नेताओं और अन्य प्रतिभागियों ने उन्हें शीघ्र ही इस मुद्दे पर भारत के साथ बात करने के लिए कहा।

नेपाल का राजनीतिक वर्ग अशांत है, लेकिन आक्रामक नहीं है। 26 दिसंबर को नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री बाबूराम भट्टराई ने कहा कि सीमा विवाद को बातचीत के जरिये सुलझाया जा सकता है। साथ ही उन्होंने रेखांकित किया कि काठमांडू नई दिल्ली के सुरक्षा हितों को नुकसान नहीं पहुंचा सकता। भारत और नेपाल, दोनों को एक दूसरे की चिंताओं को समझना चाहिए।

हालांकि चीन का नेपाल पर गहरा असर है और भारत तब इस पर कदम उठाने की स्थिति में आया है, जब काफी देर हो चुकी है। हाल के वर्षों में चीन ने नेपाल में भारी निवेश किया है और नेपाल के साथ उच्च स्तरीय बैठकें की हैं। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने नेपाल की यात्रा की और नेपाल के विकास कार्यक्रमों के लिए 56 अरब डॉलर की सहायता की घोषणा की। यह भारत द्वारा अब तक की गई मदद से ज्यादा है। चीन के पास काफी पैसा है और वह जिन परियोजनाओं का वादा करता है, उसे तेजी से पूरा करता है। ऐसे में यह व्यापक रूप से महसूस किया गया कि नेपाल की वामपंथी सरकार तेजी से चीन के करीब जा रही है। यह सब भारत के लिए एक चेतावनी है, जो राजनीतिक व कूटनीतिक रूप से कुशलतापूर्वक इन मुद्दों को निपटाने की मांग करती है।

जनेवि: पार्टियों के मोहरे न बनें छात्र नेता

जवाहरलाल नेहरु विश्वविद्यालय में छात्रों के बीच कल जो मार-पीट हुई, उसकी निंदा कौन नहीं कर रहा है ? क्या कांग्रेस, क्या कम्युनिस्ट, क्या आप पार्टी और क्या भाजपा- सभी पार्टियां उसकी निंदा कर रही हैं। कल रात टीवी चैनलों पर जब मैंने वह शर्मनाक दृश्य देखा तो कुछ पार्टियों के शीर्ष नेताओं को मैंने फोन किए। उनका जोर इस बात पर ज्यादा था कि 'हमारे छात्रों' पर 'उनके छात्रों' ने हमला किया। पहले उन्होंने किया, हमारों ने बाद में किया। लेकिन टीवी चैनलों पर सारा दृश्य देखने के बाद यह तो स्पष्ट हो जाता है कि हमले की पहल किसने की। यह और भी शर्म की बात है कि हमलावर लड़कों ने अपने मुंह ढक रखे थे। यह उनके कायर होने का अकाट्य प्रमाण है। जाहिर है कि छात्र संघ की सभा में शुल्क-वृद्धि के विरुद्ध आंदोलन करनेवाले छात्र एवं छात्राओं को मारा-पीटा, घायल किया गया। निहत्थे लोगों पर डंडों और सरियों से प्रहार किया गया। दर्जनों नौजवान अस्पताल पहुंच गए। इन तथाकथित वामपंथी छात्रों ने कोई चूड़ियां तो पहन नहीं रखी थीं। उन्होंने भी जवाबी हमले किए। जाहिर है कि यह हमला दक्षिणपंथियों या भाजपा और विद्यार्थी परिषद के लोगों ने ही किया होगा ? उनमें से अभी तक एक भी अपराधी नहीं पकड़ा गया है,

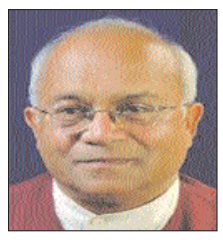

- डॉ. वेदप्रताप वैदिक

यह अपने आप में उपरोक्त अनुमान को पुष्ट करता है। यह इतना मूर्खतापूर्ण और घटिया काम हुआ है कि नरेंद्र मोदी और अमित शाह जैसे लोग इसकी इजाजत नहीं दे सकते। बिना प्रमाण इसके लिए उन्हें दोषी ठहराना ठीक नहीं है लेकिन इस षड्यंत्र के कारण देश के राष्ट्रवादी तबकों को नीचा देखना पड़ रहा है। मैं खुद जनेवि के पहले पीएच.डी. स्नातकों में रहा हूं। जिन लोगों ने भी यह षड्यंत्र किया है, उन्हें कठोरतम दंड दिया जाना चाहिए इसके अलावा, सरकार और विरोधियों के सामने मैं एक नया प्रस्ताव रख रहा हूं। देश के सभी विश्वविद्यालय में ऐसे छात्र-संगठनों पर प्रतिबंध क्यों नहीं लगाया जाता, जिनका नाभि-नाल संबंध किसी भी राजनीतिक दल से हो। मैं आज से 63 साल पहले गिरफ्तार हुआ था और मेरे साथ जनसंघ, कांग्रेस, समाजवादी और कम्युनिस्ट छात्र भी गिरफ्तार होते रहे और उनमें से कुछ बाद में केंद्र और राज्यों में मंत्री भी बने लेकिन उन सबकी आज अलग-अलग पार्टियां होते हुए भी उनमें वही पुराना प्रेम-भाव और संवाद आज तक बना हुआ है। ऐसा इसलिए हुआ है, क्योंकि उन दिनों हम लोग पार्टीविहीन छात्र संगठन चलाया करते थे या यों कहें कि सर्वदलीय छात्र संगठन चलाते थे। छात्र-नेता पार्टियों के मोहरे नहीं होते थे। यही सच्चा और स्वस्थ

जीवन का उत्सव और आशा की डोर

अनेक रंगों और ऋतुओं से आभूषित भारत वह देश है, जहां अनेक धर्मों का संगम है जहां मानवीयता की धारा भी इसके नाना रूपों में बहती दिखाई देती है। अभी भीषण और ठिठुरा देने वाली सर्दी में पूरे देश ने उत्साह के साथ पहले क्रिसमस मनाया, उसके बाद नये वर्ष का स्वागत किया और अब ऋतु परिवर्तन के साथ मकर संक्रान्ति मनाने का इंतजार किया जा रहा है।

बहुत बार राजनीति विशारद और समाज शास्त्री कह देते हैं-हमारे एक भारत में दो हिन्दुस्तान बसते हैं। एक भव्य अट्टालिकाओं और ऊंचे कंगूरों वाले प्रासादों वाला भारत, जो अधिकांश धन सम्पदा और ऐश्वर्य पर काबिज है और दूसरी वह तबका जो झुग्गी-झोपड़ियों और फुटपाथों पर जीती है। देश की संपदा और सकल घरेलू आय का एक बहुत छोटा-सा हिस्सा इन्हें मिलता है। एक सौ तीस करोड़ की आबादी वाला यह देश दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र कहलाता है। लेकिन इसके सांसद और विधायक जब हमारे जन प्रतिनिधि बनने के लिए 'अगर मध्यावधि चुनाव न हों' तब हर पांच साल के बाद चुनाव अखाड़े में उतरते हैं तो उनका परिचय करोड़पतियों अथवा संभावित करोड़पतियों के रूप में ही रहता है। देश की तीन-चौथाई जनता का काम उम्र भर इन्हें वोटर बन जितवाना या हराना होता है।

कहा जाता है कि यह अजब देश है जहां चन्द धनी लोग करोड़ों लोगों का हित चिन्तन करते हैं, समाजवाद के नाम पर पूंजीवाद के चोर दरवाजे खोलने के प्रयास में लगे रहते हैं। इस पौन सदी की आजादी में अमीर और गरीब का भेदभाव और गहरा हो गया है। लेकिन इसके बावजूद राष्ट्रीय चेतना और भारतीय संस्कृति के कुछ ऐसे गहन और साझे तत्व हैं, जो इस संपन्न और विपन्न भारत को दो युद्धरत खेमों में तबदील नहीं होने देते। इसका प्रमाण अभी मनाये गये क्रिसमस और इसके समानान्तर इसी दिन धरती से जुड़े हुए इस कृषक भारत में 'बड़े दिन' के उत्सव को समान उत्साह के साथ मनाते देखा गया। बड़ा दिन वह दिन है जब किसान के खेतों में बीजी गेहूं की बालियों में दाने का सिट्टा पड़ता है। जहां क्रिसमस मनाते हुआ ईसाई समाज या युवा भारत खुशी और उल्लासमय हो रहा था, वहां खेतों में कृषक समाज भी अपने खेतों में सिर उठाती बालियों को देखकर खुशी से नाचता दिखा। इस इतनी भीषण सर्दी में भी हर्ष, उल्लास और स्वागत का एक-सा भाव हर वर्ग में देखा गया। पूरे देश ने नये वर्ष का स्वागत किया। इस स्वागत में धर्म, जाति, भाषा और प्रांत का कोई भेदभाव नहीं था। अब उसी उत्साह से मकर सक्रांति के उत्सव की प्रतीक्षा है।

मौसम के बिगड़े मिजाज और भारी बर्फबारी के बीच लोग नया वर्ष मनाने के लिए देश के दर्शनीय स्थानों की ओर सरपट भाग रहे थे, या घंटों धीरज के साथ हर जगह ट्रैफिक जाम खुलने का इंतजार कर रहे थे। होटलों से लेकर धर्मशालाओं तक, मंदिर, गुरुद्वारों से लेकर क्लब घरों तक में हर वर्ग के लोग जमा रहे और नये वर्ष की आमद का स्वागत कर रहे थे। इनमें कहीं भी समाज की विसंगति

- सुरेश सेठ

नहीं दिखाई दी। यह भीड़ कदम-कदम पर साबित कर रही थी कि यह उत्सव धर्मी लोगों का देश है, जिन्हें हर हाल में अपनी जिंदगी जी लेने का भाव है। हर परिस्थिति में अपनी जिंदगी जी लेने का साहस शायद उनके अन्दर भरी धर्म, अध्यात्म और जीवन जीने की समझ ने दिया है, जो किसी भी हाल में उन्हें हारने नहीं देती।

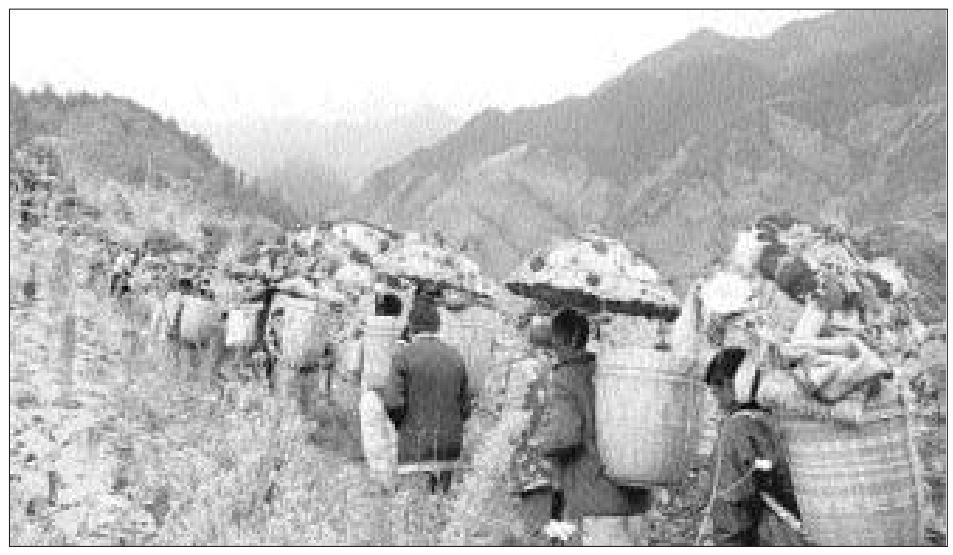

मुख्यत- यह देश जीवन जी लेने की प्रेरणा रखने वाले लोगों का देश है। अपने औसत से बदतर जीवन का बोझ ढोते हुए भी उनमें?से अधिकांश उस नैराश्य और भटकन की दिशाहीनता में डूबते दिखायी नहीं देते, जैसा कि आज विश्व का अधिकांश पश्चिमी समाज हमें दिखायी देता है।

इसका प्रमाण हमें इस वर्ष के अंत में आयी एक शोध कंपनी 'इपसॉस' की ताजा शोध रिपोर्ट में मिलता है। इस रिपोर्ट का कहना है कि बेशक आज भारत के 46 प्रतिशत लोग बेरोजगारी की समस्या को लेकर चिंतित हैं, लेकिन जब नवंबर मास में?हर क्षेत्र में मंदी ने अपना भयावह रूप दिखाया तो इस महीने केवल तीन प्रतिशत शहरी भारतीयों की चिन्ता बढ़ी कि बेकारी और गरीबी की इस बिगड़ती स्थिति में?अपने देश का क्या होगा? मत भूलिये कि अपने देश के लोग भाग्यवादी और कर्मकांड में विश्वास करने वाले भी हैं और उनका यह जन्मजात विश्वास ही उन्हें टूटन के इस वातावरण में बिखरने नहीं देता।

यह सही है कि आज गरीबी और सामाजिक असमानता सबसे बड़ी चिन्ता का विषय है। इस चिन्ता में अपराध, हिंसा, वित्तीय और राजनीतिक भ्रष्टाचार, सेहत और लीक से उतरी हुई शिक्षा व्यवस्था भी आती है। भारतीयों को भी आज सबसे ज्यादा परेशान करने वाले विषयों में वित्तीय व राजनैतिक भ्रष्टाचार, अपराध और हिंसा, गरीबी और सामाजिक असमानता और पर्यावरण प्रदूषण शामिल है, जिसने पूरा वर्ष भारत को मौसमों का अतिरेक दिखाया है। संयुक्त राष्ट्र की संस्था अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन ने 2018-19 में भारत में बेरोजगारी की दर 3.5 प्रतिशत मानी थी, जो बीते वर्ष भी कम नहीं हुई। लेकिन विश्व के अन्य देशों का राजनैतिक नेतृत्व जब इन समस्याओं से जूझने में असफल रहता है, तो जहां अमरीका में?ट्रम्प महाभियोग का सामना करते हैं और पाकिस्तान में पूर्व राष्ट्रपति परवेज मुशर्रफ को मौत की सजा सुना दी जाती है। यहां हम अपने पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह से लेकर वर्तमान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को अन्य तक विश्वास के साथ शासन के लिए दूसरी पारी का मौका देते हैं। पंजाब में सरदार प्रकाश सिंह बादल को शासन के लिए दस बरस मिले और वह छह बार प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे। हिमाचल में वीरभद्र सिंह को भी मुख्यमंत्री बनने के इतने ही अवसर मिले और अब हरियाणा में भी खट्टर सरकार को दूसरी पारी मिल गयी है।

विश्व हो या भारत, मुख्य आर्थिक और सामाजिक समस्याएं उसी प्रकार मुंह बाये हैं। लेकिन जहां विश्व की इकसठ प्रतिशत आबादी मानती है कि उनके देश की सरकार या नेतृत्व ने गलत राह पकड़ ली है, वहां इस हालत में भी 69 फीसदी शहरी भारतीय मानते हैं कि देश सही रास्ते पर चल रहा है। यह भविष्य के प्रति देश की जागरूक आबादी का प्रभावशाली बहुसंख्यक भाग ही है, जो उन्हें अपनी बदहाली में भी आशा का दामन नहीं छोड़ने देता। शिक्षित होती हुई युवा पीढ़ी में भी इस जागरूकता के चिन्ह दिखायी देने लगे हैं, इसीलिए पिछले दिनों नागरिकता संशोधन बिल और राष्ट्रीय नागरिकता रजिस्टर को लेकर केवल एक धर्म के विश्वविद्यालयों के छात्रों को ही नहीं अन्य बहुत से विश्वविद्यालयों के छात्रों को भी सामूहिक रूप से सड़कों पर आकर जुझारू तेवर अपनाते देखा गया। यहां हम देश के युवाओं में पैदा हुई राष्ट्रीय चेतना और अपने संविधान के मूल सिद्धांत धर्म निरपेक्षता से प्रतिबद्धता की बात कह रहे हैं। युवाओं के हर वर्ग ने अपना-अपना पक्ष सामने रखा, क्या यह इस बात का प्रमाण नहीं कि हमारी भावी पीढ़ी को देश के लोकतंत्र, संविधान और मुखर अभिव्यक्ति की ताकत में कितना विश्वास है?

दैनिक जलते दीप

नैसर्गिक सौंदर्य के मोहपाश में बांध लेगा ऊटी

हर तरफ नैसर्गिक सौंदर्य का जादू बिखरा पड़ा है। खूबसूरती आपको मंत्रमुग्ध किए बिना नहीं रह सकती। प्रथम प्रधानमंत्री पंडित नेहरू ने इसे 'हिल स्टेशन की रानी' के खिताब से नवाजा था। इस जगह की रूहानी खूबसूरती का एहसास तो तभी से शुरू हो जाता है, जब हम कोयंबटूर शहर की हलचल को पीछे छोड़ते हुए नीलगिरि पहाड़ियों की ओर आगे बढ़ते हैं। यहां की बेहतरीन सड़कें और उन सड़कों के किनारे-किनारे दूर तक कतारबद्ध नारियल के पेड़ ऐसे दिखाई देते हैं, जैसे किसी चित्रकार की कल्पना साकार हो गई हो।

ऊटी जाने के दो रास्ते हैं। एक, कुन्नूर-मेट्टुपलायम रोड होकर और दूसरा, कोटगिरि मेट्टुपलायम रोड होकर। कोटगिरि से जाने पर आपको खूबसूरत चाय बागान और पहाड़ी गांव देखने को मिलते हैं। वहीं कुन्नूर होकर जाने पर नीलगिरि माउंटेन रेलवे के दर्शन होते हैं। इस रास्ते पर टॉय ट्रेन जंगल में लुका छिपी करते हुए कभी आकर्षित करती सामने आ जाती है तो कभी हरे-भरे जंगल में चुपके से गुम हो जाती है।

उदगमंडलम ऊटी का पूरा नाम है- उदगमंडलम। यह नाम तमिल भाषा के शब्द 'ओत्तक्कलमंडु' से निकला है। इसका अर्थ होता है-पहाड़ पर बसा गांव। चूंकि यह ऊंचे पहाड़ों की हसीन वादियों में बसा है, इसलिए इसे यह नाम मिला। नए साल के स्वागत की तैयारी और छुट्टियों के साथ में हिल स्टेशन की रानी यानी 'ऊटी' की यात्रा एक जादुई एहसास की तरह है। बॉलीवुड की पहली पसंद बने तमिलनाडु का यह हिल स्टेशन चाय और चॉकलेट के लिए भी खूब मशहूर है।

सन् 1817 में कोयंबटूर के तत्कालीन कलेक्टर सर जॉन सुलिवन ने ऊटी की खोज की थी। सर जॉन को यह जगह और इसकी हसीन वादियां इतनी पसंद आईं कि उन्होंने यहां के दुर्गम पहाड़ी रास्तों को सड़क की शक्ल देने का फैसला किया। साल 1819 में उन्होंने कोयंबटूर रेवेन्यू बोर्ड से मात्र 1100 रुपये की रकम लेकर सिरूमुगाई से कोटगिरि तक सड़क बनवाने का काम शुरू कराया। यह सड़क अगले दो वर्षों में बनकर तैयार हो गई। साल 1938 तक यही एकमात्र सड़क थी, जो कोयंबटूर को नीलगिरि की मनोरम पहाड़ियों से जोड़ती थी।

इसके बाद तत्कालीन गवर्नर एस.आर. लुशिंगटन ने कुन्नूर घाट रोड बनवाई। कहते हैं, जब ब्रिटिश लोगों ने इस जगह को ढूंढा तो यहां टोडा जनजाति का एकछत्र राज था। नीलगिरि पहाड़ियों पर बिखरा प्रकृति का अनुपम सौंदर्य बेहद प्रभावशाली था। दरअसल, घने जंगल, सिल्वर ओक के पेड़ और चाय के बागान इस जगह को एक अलग पहचान देते हैं। मैसूर और चेन्नई के लंबे रास्ते के बीच पड़ने वाला ऊटी कभी जंगल के बीचोंबीच स्थित अनजाना स्थान था। सर जॉन सुलिवन की इस खोज को ब्रिटिश अधिकारियों ने एक वरदान के रूप में लिया और ऊटी को मद्रास प्रेसीडेंसी की ग्रीष्मकालीन राजधानी बनाया।

नीलगिरि माउंटेन रेलवे साल 1899 में 25 लाख रुपये की लागत से बनकर तैयार हुई थी। अगर आपके पास समय है तो आपको मेट्टुपलायम से ऊटी तक का सफर इस ट्रेन से करना चाहिए। यह ट्रेन दिन में दो बार चलती है। पहली ट्रेन सुबह सात बजे चलकर दस बजे ऊटी पहुंचती है, वहीं दूसरी ट्रेन दोपहर 12 बजे ऊटी से चल कर मेट्टुपलायम पहुंचती है। ऊटी से कुन्नूर तक यह ट्रेन डीजल इंजन से चलती है, फिर इसमें भाप का इंजन लगाया जाता है।

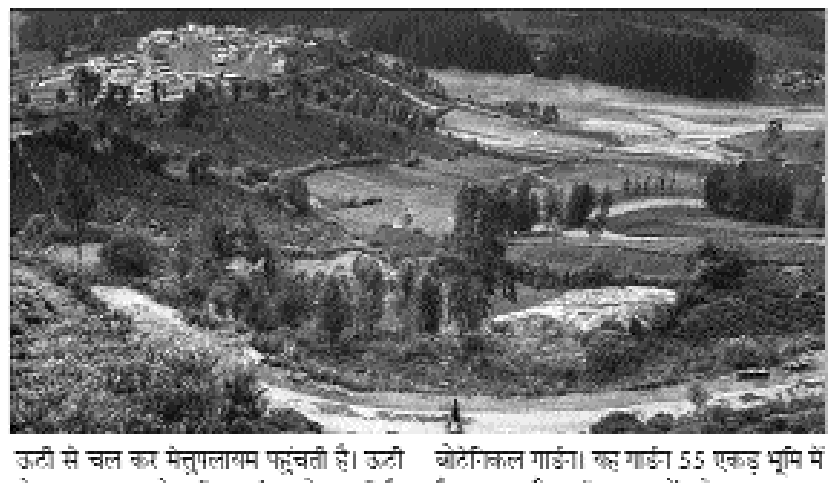

उल्लेखनीय है कि इसकी वजह से साल 2005 में यूनेस्को ने नीलगिरि रेलवेज को विश्व धरोहर के खिताब से नवाजा। तकरीबन 46 किलोमीटर की इस यात्रा में आपको मिलेंगे 208 मोड़, 16 सुरंग और 250 पुल। यह अपने आप में एक रिकॉर्ड है। इस यात्रा की विंटेज वैल्यू बरकरार रखने के लिए आज भी इसके टिकट मैनुअल स्टाइल में काटे जाते हैं। इस यात्रा में ट्रेन हिलग्रोव स्टेशन पर 10 मिनट के टी ब्रेक के लिए रुकती है। अगर आपके पास समय कम है तो आप ऊटी से कुन्नूर तक की शॉर्ट राइड लेकर भी इस विंटेज यात्रा के अनुभव का लुत्फ उठा सकते हैं। छुकछुक चलती यह रेलगाड़ी कितने ही पुल पार करती हुई धीरे-धीरे ऊटी पहुंचती है। इस रेल को एशिया की सबसे धीमी गति से चलने वाली रेल के रूप में भी जाना जाता है। ऊटी में सबसे ज्यादा मशहूर पिकनिक स्पॉट है ऊटी लेक। यह 65 एकड़ में फैली हुई है। ऊटी लेक को देखकर आपको यकीन नहीं होगा कि यह एक कृत्रिम लेक है। इस लेक का निर्माण जॉन सुलिवन ने वर्ष 1824 में कराया था। इस लेक को पानी से भरने का काम खुद नीलगिरि की पहाड़ियां करती हैं। इसके पास खूबसूरत उद्यान विकसित किए गए हैं, जहां बच्चों के साथ बड़े भी खूब एंजॉय करते हैं। ऊटी लेक के बिल्कुल सामने है थ्रेड गार्डेन। यह एक प्राइवेट म्यूजियम है, जो दुनिया का पहला थ्रेड गार्डेन है। इस गार्डेन की स्थापना केरल के एक प्रोफेसर एंटनी जोसेफ ने की थी। इसे तैयार करने में एंटनी जोसेफ और उनकी टीम को पूरे 12 साल का समय लगा। यहां धागे से बने फूलों की प्रदर्शनी लगी हुई है। इस म्यूजियम के संचालक का दावा है कि गवर्नमेंट बोटेनिकल गार्डन में जितने भी प्रकार की प्रजातियों के फूल पाए जाते हैं, उन सभी के नमूने यहां थ्रेड से तैयार किए गए हैं। इन फूलों को बनाने में एक करोड़ मीटर धागों का प्रयोग किया गया है।

ऊटी शहर में हरे-भरे पहाड़ों के बीच एक सोने- सी दमकती हुई इमारत नजर आती है। यह इमारत सेंट स्टीफन चर्च है। मद्रास के गवर्नर स्टीफन रमबोल्ड लुशिंगटन ने 23 अप्रैल, 1829 को इस चर्च की नींव रखी थी। इसके आर्किटेक्ट थे कैप्टन जॉन जेम्स अंडरवुड। कहते हैं इस चर्च में जिस लकड़ी का प्रयोग हुआ है, वह टीपू सुल्तान के पैलेस से ली गई थी। इस चर्च के भीतर खूबसूरत ग्लास पेंटिंग्स बनी हुई हैं, जिनमें जीसस के लास्ट सपर की पेंटिंग बहुत शानदार है।

ऊटी की एक और शान है गवर्नमेंट बोटेनिकल गार्डन। यह गार्डन 55 एकड़ भूमि में फैला हुआ है। वर्ष 1848 में इसे बनाया गया। इसके आर्किटेक्ट थे सर विलियम ग्राहम मैकआइवर। दरअसल, उस समय इसे ब्रिटिश अफसरों की फूल और सब्जी की जरूरतों को पूरा करने के लिए शुरू किया गया था, लेकिन बाद में इसे एक बड़ा और प्रतिष्ठित सार्वजनिक गार्डन बना दिया गया। वर्तमान में इसे 6 खंडों में बांटा गया है। वैसे तो यह पूरा का पूरा गार्डन देखने लायक है, लेकिन इसके बीचोंबीच एक दुर्लभ फॉसिल ट्री ट्रंक मौजूद है। माना जाता है कि यह 2 करोड़ साल पुराना है। अब इस पेड़ का तना एक कठोर चट्टान की तरह बन चुका है। यहां भारत का एक नक्शा भी बना हुआ है, जिसके आगे सैलानी तस्वीरें खिंचवाना पसंद करते हैं। डोडाबेट्टा पीक समुद्र तल से 2623 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। कन्नड़ भाषा में डोडाबेटा का मतलब होता है बड़ा पर्वत। ऊटी शहर से मात्र 12 किलोमीटर की दूरी पर स्थित यह स्थान आपको खूबसूरत नीलगिरि पहाड़ियों का दर्शन कराता है। डोडाबेट्टा ईस्टर्न घाट की सबसे ऊंची चोटी मानी जाती है। यहां तक पहुंचने का रास्ता जंगल से होकर जाता है। खूबसूरत जंगल से होकर जब आप डोडाबेट्टा पहुंचते हैं तो यहां का नजारा देखने लायक होता है। इतनी ऊंचाई पर कभी-कभी बादल के टुकड़े भी नीचे झुक आते हैं। यहां ऊपर एक ऑब्जर्वेटरी भी बनी हुई है, जहां से पूरी घाटी का नजारा देखने को मिलता है। डोडाबेट्टा से वापसी पर आप यहां की डोडाबेट्टा टी फैक्ट्री देखने जरूर जाएं। इस टी फैक्ट्री में आपको चाय बनाने की पूरी प्रक्रिया से रूबरू होने का मौका मिलता है। बागानों से तोड़कर लाई गई चाय की हरी पत्तियों का आपके प्याले तक पहुंचने का यह सफर कई खूबसूरत मोड़ से होकर गुजरता है। इस टी फैक्ट्री में यहां बनने वाली सभी तरह की चाय का स्वाद भी चखाया जाता है। यहां एक दिन में लगभग पांच हजार प्याले चाय सैलानियों को चखाई जाती है।

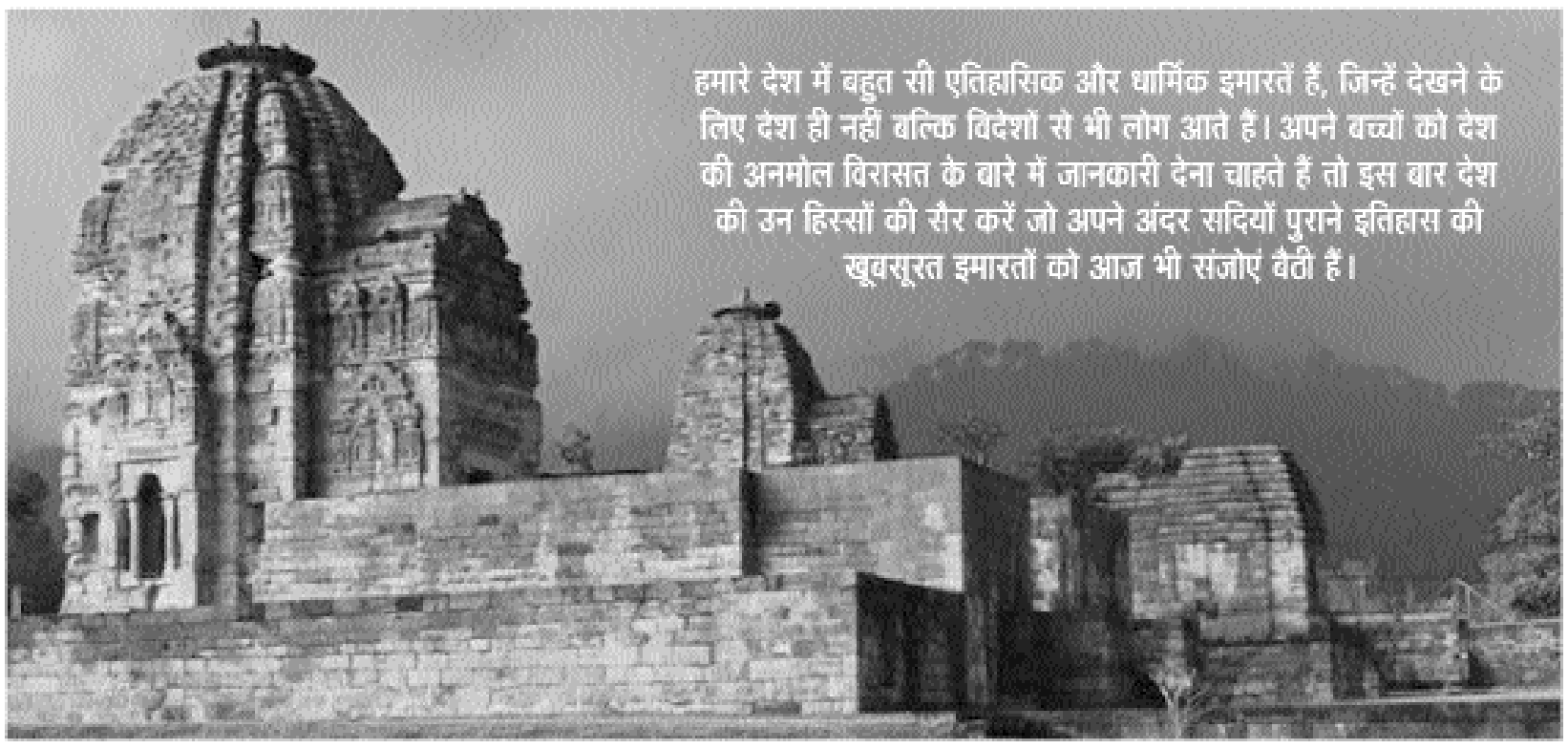

यहां हजारों साल पहले की गई कलाकारी आज भी है कायम

हमारे देश में बहुत सी एतिहासिक और धार्मिक इमारतें हैं, जिन्हें देखने के लिए देश ही नहीं बल्कि विदेशों से भी लोग आते हैं। अपने बच्चों को देश की अनमोल विरासत के बारे में जानकारी देना चाहते हैं तो इस बार देश की उन हिस्सों की सैर करें जो अपने अंदर सदियों पुराने इतिहास की खूबसूरत इमारतों को आज भी संजोएं बैठी हैं।

क्रिमची

जम्मू कश्मीर में स्थित क्रिमची ऊधमपुर का एक छोटा- सा गांव है। ऐसा माना जाता है कि यहां पर भारत का सबसे पुराना मंदिर है। जो पांडव मंदिर के नाम से जाना जाता है। यहीं पर खूबसूरत पटेरी हिल रिसॉर्ट भी है। जहां पर आप परिवार के साथ एंज्वाय भी कर सकते हैं।

कांगड़ा

हिमाचल प्रदेश का कांगड़ा हिमाचल की खूबसूरत घाटियों में से एक है। यहां पर आप खूबसूरत वादियां,हिमालय पिरामिड,मैसूर रॉक कट टैंपल,कांगड़ा फोर्ट, तारागढ़ फोर्ट के साथ और भी बहुत सी जगहों पर घूम सकते हैं।

जागेश्वर

जागेश्वर में देखने के लिए बहुत पुराने और खूबसूरत मंदिर हैं। यहां पर 124 के करीब मंदिर हैं, इस जगह पर घूमने का अलग ही मजा है।

खजुराहो

देश की पुरानी कला और संस्कृति को देखना चाहते हैं तो मध्यप्रदेश के छतरपुर जिले में स्थित खजुराहो का मंदिर फेमस है। अपने अनोखे स्थापत्य के लिए जाने जाते इन मंदिरों को देखने के लिए दुनिया भर से टूरिस्ट यहां आते हैं।

वाराणसी

काशी के नाम से जाने जाते वाराणसी में भी प्राचीन मंदिर देखने के लिए लोग दूर-दूर से यहां आते हैं। ये शहर अपने अनेकों रंगो के कारण प्रसिद्ध है।

पानीपत

पानीपत की लड़ाई बहुत प्रसिद्ध है। हरियाणा में स्थित इस जगह की खोज महाभारत काल के दौरान हुई थी। यहां पर म्यूजियम,मंदिर, इब्राहीम लोधी की कब्रगाह के अलावा और भी बहुत सी जगहें हैं।

भीमाटेक रॉक शेल्टर्स

मध्यप्रदेश के रायसेन जिले में स्थित यह जगह एक आर्कीयोलोजिकल साइट है। इन गुफाओं को पाषाण काल के साथ जोड़ कर देखा जाता है। इन पत्थरों पर जानवरों के उकेरे गए चित्र उस समय के लोगों की कलाकृति दर्शाते हैं। कहा जाता है कि यह कलाकार हजारों साल पुरानी है।

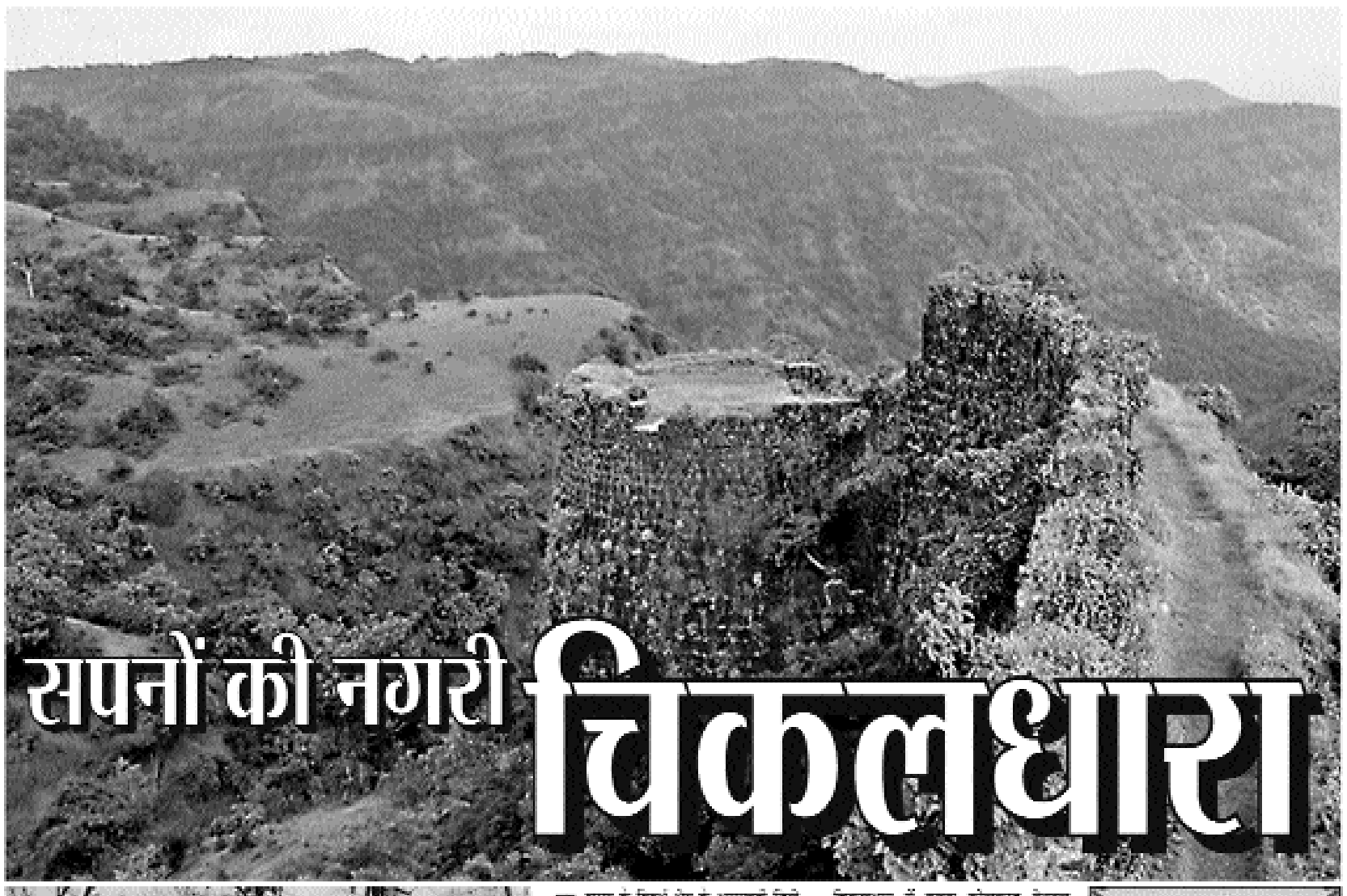

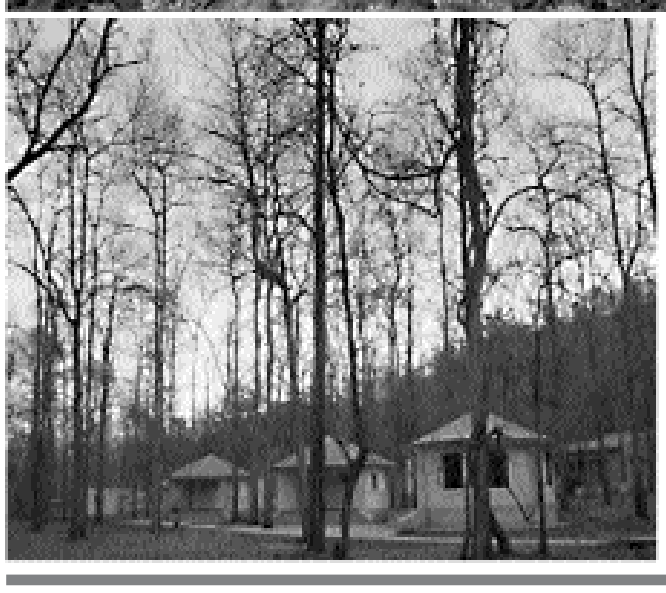

सपनों की नगरी चिकलधारा

महाराष्ट्र के विदर्भ क्षेत्र के अमरावती जिले में एक खूबसूरत पहाड़ी क्षेत्र है चिकलधारा। चिकलधारा जाकर अनेक पर्यटक यहाँ की खूबसूरती को देखकर मंत्रमुग्ध हो जाते हैं। हरियाली से ओत-प्रोत इस पर्वत में विभिन्न प्रकार के खूबसूरत पेड़ पौधे स्थित हैं। इन पहाड़ों पर विशेषकर कॉफी के बगीचे बहुतायत में हैं।

यहाँ से उत्पादित कॉफी का निर्यात विदेशों में किया जाता है। चिकलधारा कॉफी के बगीचों की वजह से भी बहुत खूबसूरत लगता है। पर्यटकों के रहने के लिए प्रसिद्ध होटल रिसोर्ट स्थित हैं। इस स्थान से चिकलधारा की प्राकृतिक सौंदर्य का आनंद लिया जा सकता है। कहते हैं कि चित्रकार की चित्रकला अधूरी रह जाती है यदि उसने नदियों का चित्रण नहीं किया तो। उसी प्रकार यदि पर्यटक प्राकृतिक सौंदर्य से युक्त झीलों और जलाशयों को नहीं देखें तो उनकी यात्रा अधूरी ही मानी जाएगी।

चिकलधारा में दर्शन कोलकास रेस्ट हाउस पर्यटकों के मध्य बहुत ही प्रसिद्ध है। मेलघाट टाइगर परियोजना भी बेहद लोकप्रिय स्थल है। प्राचीनता एवं संस्कृति को दर्शाता हुआ गाविलगढ़ का किला पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करता है। इसकी जीवंत कलाकृतियों को देखकर पर्यटक दंग रह जाते हैं। पं. नेहरू बॉटनिकल बगीचा भी बहुत प्रसिद्ध है। यदि आदिवासी संस्कृति एवं परंपरा और उनका इतिहास जानने की इच्छा है तो यहाँ स्थित संग्रहालय में कदम रख सकते हैं।

यहाँ महाराष्ट्र का फॉरेस्ट रेंज कॉलेज संग्रहालय स्थित है जिसमें जीवों एवं पौधों के प्रतिदर्श प्रदर्शित किए गए हैं। मेलघाट अभयारण्य में विभिन्न प्रकार के वन्यजीव पाए जाते हैं। यह स्थल प्राकृतिक सुंदरता से ओत-प्रोत है। यहाँ के प्रसिद्ध महादेव मंदिर में भगवान शिव की पूजा-अर्चना करने हजारों श्रद्धालु आते हैं।

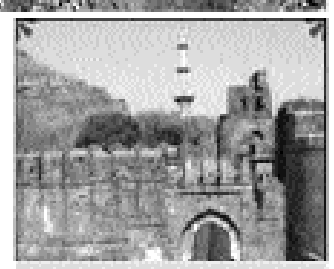

कैसे पहुँचें

राजमार्ग

अमरावती चिकलधारा जाने के लिए बस सेवाएं उपलब्ध हैं।

हवाई अड्डा

अकोला हवाई अड्डा सबसे नजदीक है।

सरयू तट पर गुरुधाम

अयोध्या में ऐतिहासिक गुरुद्वारा ब्रह्मकुण्ड देखने की गरज से जब मैं सरयू नदी के किनारे पहुंचा तो यहां सुकून और शांत वातावरण जिस्म को एक नयी किस्म की ऊर्जा का अहसास कराता गया। मुख्य गुरुद्वारा बेशक ज्यादा बड़ा नहीं है, लेकिन यहां उन सभी गुरुओं के चिन्ह सुरक्षित हैं, जो समय-समय पर यहां से होकर देश के दूसरे भागों में गये। श्री गुरु नानक देव हरिद्वार से जगन्नाथ पुरी की यात्रा के दौरान सरयू किनारे ब्रह्मकुण्ड घाट पर विराजे, यहां उन्होंने स्नान किया, दातुन किया, एक मंजी (चारपाई) पर विश्राम किया और लोगों?के साथ विचार-विमर्श भी किया। गुरु तेग बहादुर जी असम से आनंदपुर जाते हुए अयोध्या विराजे। उन्होंने गुरु नानक देव की 'मंजी' पर माथा टेका, धार्मिक प्रचार किया और जाते समय अपनी 'चरण पादुका' (खड़ाऊ) यहां अपनी निशानी के तौर पर छोड़ गये।

गुरु तेग बहादुर के आवाहन पर गोबिंद राय (बाद में सिंह बने) अपने मामा कृपाल चंद, माता गुजरी जी और संगत के साथ अयोध्या आये, गुरु नानक जी की मंजी, गुरु तेग बहादुर की खड़ाऊं को माथा टेका।

गुरुद्वारा ब्रह्मकुण्ड के महंत (गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष को ऐसा संबोधित करते हैं) बलजीत सिंह ने बताया कि बेशक उस समय गुरु गोबिंद सिंह छह बरस के थे, लेकिन उनके चेहरे की आभा ऐसी थी कि हर कोई उनकी ओर आकर्षित होता चला जाता था। उनके तीन शस्त्र भी इस गुरुद्वारे में मौजूद हैं, जो संगत के दर्शनों के लिए कांच के बक्से में सुरक्षित रखे हुए हैं। ये शस्त्र हैं- तीर, खंजर और चक्र।

संवत् 1838 विक्रमी में एक हस्तलिखित बीड़ (दशम ग्रंथ हस्तलिखित) पांवटा साहिब से यहां लाकर स्थापित की गयी थी। महंत बलजीत सिंह का मानना है कि पुराने समय में साधु-संत बरास्ता अयोध्या ही आनंदपुर साहिब या अमृतसर की तरफ जाया करते थे। जहां गुरु नानक की मंजी थी, उस स्थान को सन् 1785 में महंत बाबा गुलाब सिंह ने खोज कर 'निशान' साहिब लगाया, 1846 में महंत बाबा शत्रुजीत सिंह ने इसी स्थान पर कच्ची-पक्की इमारत बनाकर गुरुद्वारे का स्वरूप दिया। 1919 में गुरुद्वारा पंजीकृत कराया गया। पुरातन गुरुद्वारा आज भी छोटा-सा ही है, लेकिन है पक्का। उसी पुराने गुरुद्वारे के सामने नया गुरुद्वारा कई बरसों से बन रहा है।

माना तो यह भी जाता है कि अयोध्या से होते हुए आनंदपुर साहिब पहुंचने के बाद ही गुरु तेग बहादुर ने कश्मीरी पंडितों की व्यथा कथा से गुरु गोबिंद सिंह को अवगत कराया था और उनके परामर्श से ही दिल्ली में उन्होंने शहादत दी थी। श्री गुरु तेग बहादुर जी के साथ शहीद होने वाले तीन और लोग थे- भाई मतीदास, भाई सतीदास और भाई दयाला जी। गुरु तेग बहादुर को 'हिंद की चादर' भी कहा जाता है।

जरूरतमंद छात्राओं को बांटी स्वेटर

■ जलतेदीप निसं, सादुलपुर

श्री बिहारी लाल जैन चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से मंगलवार को दूसरी बार राजकीय विद्यालय में जरूरतमंद छात्राओं को स्वेटर वितरित की गई। राजकीय मोहता बालिका सीनियर स्कूल में 65 बालिकाओं को अच्छे स्तर की स्वेटर प्रदान की गई।

प्रधानाचार्य डॉ.सुमन जाखड़ की अध्यक्षता में एक सादे समारोह में ट्रस्ट के प्रतिनिधि मंगतूराम मोहता, श्याम जैन, संयुत व्यापार समिति के अध्यक्ष पवन मोहता तथा भंवरसिंह राजपूत ने बालिकाओं को स्वेटर भेंट की। इस अवसर पर प्रधानाचार्य जाखड़ ने ट्रस्ट का तथा ट्रस्ट संचालक बेंगलुरु प्रवासी समाजसेवी मुरारीलाल सरावगी का आभार व्यक्त किया।

उन्होंने बताया कि ट्रस्ट द्वारा इस विद्यालय में 30 पंखे भी प्रदान किए जा चुके हैं और गत माह भी 66 हजार 500 रुपए की सहायता प्राप्त हुई है। यह राशि विद्यालय में छात्राओं के लिए गणित फैकल्टी की विशेष कक्षाओं के लिए भी एक साल की वित्तीय सहायता के लिए मिली है। इस अवसर पर विमला सिंघल, अनीता खीचड़, इशाक अली, शकुंतला रानी, सुशीला विशु, चुन्नीलाल तथा विमलेश चंद्र मौजूद थे।

प्लास्टिक वैस्ट, सोलीड वैस्ट एवं बायोमेडिकल वैस्ट की प्रभावी मॉनेटरिंग हो : रवि जैन

■ जलतेदीप निसं, झुंझुनूं

पर्यावरण विभाग जयपुर द्वारा प्रकरण सुओमोटो बनाम केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण मंडल में माननीय नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल द्वारा पारित आदेश की पालना में प्लास्टिक वैस्ट, सोलीड वैस्ट एवं बायोमेडिकल वैस्ट की प्रभावी मॉनिटरिंग के लिए मंगलवार प्रातः 11 से 2 बजे तक मुख्य सचिव द्वारा राजस्थान के सभी जिला कलेक्टर्स के साथ विडियो कान्फ्रेन्सिंग हुई जिसमें झुंझुनूं कलेक्टर रवि जैन, सीईओ जिला परिषद रामनिवास जाट, उपवन संरक्षक राजेन्द्र कुमार हुड्डा, नगरपरिषद चिड़ावा आयुक्त अनिता खीचड़ एवं उद्योग विभाग, पर्यावरण विभाग, स्वास्थ्य विभाग सहित अन्य नगरपरिषद एंव पालिका के अधिकारीगण तथा उपरोक्त स्पेशल टास्क फोर्स कमेटी सदस्य डॉ. डीएन तुलस्यान आदि उपस्थित थे।

आरओ, पीओ और एपीओ को दिया प्रशिक्षण

■ जलतेदीप निसं, दौसा

पंचायतीराज आम चुनाव 2020 के तहत मंगलवार को यहां जिला परिषद के सभा भवन में आरओ, पीओ और एपीओ को प्रशिक्षण दिया गया। इस दौरान उन्हें चुनाव के दौरान फील्ड में कामकाज के दौरान आनेवाली जटिलताओं से कैसे निपटा जाए इसके बारे में पूर्ण जानकारी व चुनाव के दौरान ध्यान रखने योग्य कानूनी और संवैधानिक पहलुओं पर भी प्रशिक्षण दिया गया।

प्रशिक्षण प्रभारी जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक घनश्याम मीणा ने बताया कि सबसे पहले पंच-सरपंच की योग्यता पर प्रशिक्षण दिया। मास्टर ट्रेनर्स ने बताया कि एसबीसी को ओबीसी में ही सम्मिलित माना गया है। यदि कोई उम्मीदवार एसबीसी का प्रमाण पत्र नाम निर्देशन के दौरान प्रस्तुत करे तो उसे ओबीसी में मानते हुए उसका नॉमिनेशन स्वीकार करें, रिजेक्ट नहीं करें। इसी प्रकार यदि किसी वार्ड के समक्ष सामान्य लिखा है और वहां महिला (सामान्य-महिला) नहीं लिखा तो उस वार्ड से किसी भी वर्ग का उम्मीदवार नामांकन भर कर चुनाव लड सकता है। इसी प्रकार यदि किसी वार्ड के समक्ष सामान्य -महिला लिखा है तो उस वार्ड से किसी भी वर्ग की महिला प्रत्याशी चुनाव लड सकती है। इस वार्ड से पुरूष चुनाव नहीं लड सकता।

स्वेटर पाकर बच्चों के खिले चेहरे

■ जलतेदीप निसं, दौसा

खैरथल कस्बे के राजकीय प्राथमिक विद्यालय ठेकड़ाक बलभग्राम में भामाशाहों द्वारा जरूरतमंद गरीब बच्चों को स्वेटर वितरण किया गया, इस दौरान स्वेटर पाकर बच्चों के चेहरे खिल उठें। विद्यालय प्रधानाध्यापिका उषा शर्मा ने बताया कि मंगलवार को कस्बे के भामाशाह रेणु रोघा, पदमा माथुर, श्रीकिशन छंगाणी एवं राकेश शर्मा द्वारा स्कूल के जरूरतमंद बालक बालिकाओं को 60 गर्म स्वेटर वितरित किए गए। स्वेटर मिलते ही बालक-बालिकाओं के चेहरे खिल उठे इस अवसर पर अध्यापिका सुमन, लेखा शर्मा व गुड्डी उपस्थित रही । इस नेक काम के लिए स्कूल स्टाफ की ओर से सभी भामाशाहो का आभार व्यक्त किया गया।

152 राशन कार्डधारियों को कारण बताओ नोटिस जारी

■ जलतेदीप निसं, झालावाड़

राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2013 की धारा 10 के अन्तर्गत यदि किसी परिवार का कोई भी एक सदस्य सरकारी, अर्द्ध सरकारी, स्वायत्तशासी संस्थाओं में नियमित कर्मचारी/अधिकारी हो अथवा एक लाख रूपए वार्षिक से अधिक पेंशन प्राप्त करता हो और इस तथ्य को छीपाकर गलत तरीके से खाद्य सुरक्षा का लाभ ले रहा है तो उसका राशन कार्ड निरस्त किया जा सकता है।

जिला रसद अधिकारी अलोक कुमार ने बताया कि उक्त तथ्य छुपाकर गलत तरीके से खाद्य सुरक्षा लाभ ले रहे 152 राशन कार्ड धारियों को। कार्य दिवस में जवाब प्रस्तुत करने हेतु कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। उन्होंने बताया कि। दिवस के पश्चात जवाब प्राप्त न होने पर उक्त राशन कार्ड धारियों से राशन सामग्री की बाजार दर से रिकवरी वसूल करने के लिए संबंधित कार्मिक के विभाग को सूचित कर विभागीय कार्यवाही अमल में लाई जाएगी। इसके अतिरिक्त राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत तथ्यों को छुपाकर लाभ प्राप्त करने के लिए आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 की धारा 3/7 के तहत मुकदमा दर्ज करवाया जाएगा।

गृह रक्षक एवं स्वंयसेवक आज कार्यालय में दें उपस्थिति

■ जलतेदीप निसं, भरतपुर

पंचायत राज आम चुनाव-2020 के लिए होमगार्डस, स्वंयसेवकों एवं स्वंयसेविकाओं की ड्यूटी मतदान प्रक्रिया में लगाने के लिए 8 जनवरी को प्रातः 10 बजे गृह रक्षा प्रशिक्षण केन्द्र पर उपस्थित होने के निर्देश दिये है। गृह रक्षा प्रशिक्षण केन्द्र के कमाण्डेंट ने बताया कि पंचायत राज आम चुनाव-2020 के प्रथम चरण के मतदान दिवस 17 जनवरी के लिए शहरी एवं ग्रामीण होम गार्डस, स्वंयसेवकों एवं स्वंयसेविकाओं की सूची मतदान प्रक्रिया में लगाने के लिए जिला पुलिस अधिक्षक को भिजवायी जायेगी।

नाम निर्देशन पत्रों के लिए दस्तावेजों की जारी हुई सूची

■ जलतेदीप निसं, भरतपुर

जिला निर्वाचन अधिकारी नथमल डिडेल ने बताया कि राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा पंचायत राज आम चुनाव-2020 के तहत सरपंच एवं पंच पदो के निर्वाचन की प्रक्रिया प्रारम्भ हो चुकी है जिसके साथ ही नाम निर्देशन पत्र भरने का कार्य भी किया जायेगा। जिला निर्वाचन अधिकारी डिडेल ने बताया कि पंचायत राज आम चुनाव-2020 के नाम निर्देशन पत्र भरते समय नाम निर्देशन पत्र प्रारूप-4 एवं प्रारूप-4घ निर्धारित प्रपत्र में भरे जायेंगे इसके साथ सरपंच पद के लिए उपबंध 1बी 50 रूपये के नॉन ज्यूडिशियल स्टाम्प(गैर न्यायिक स्टाम्प) पेपर पर मय नॉटरी के शपथ पत्र संलग्न करना होगा। इसके साथ ही घर में कार्यशील स्वच्छ शौचालय की घोषणा, जिन मामलों में जहां अभ्यर्थी पर सम्बंधित पंचायत राज संस्था का कर या शुल्क की राशि बकाया हो को नो ड्यूज प्रमाण पत्र, राजस्थान सरकार द्वारा प्राधिकृत अधिकारी द्वारा जारी जाति प्रमाण पत्र केवल आरक्षित सीटों पर चुनाव लडने के लिए अनुसूचित जाति, जनजाति एवं अन्य पिछडे वर्ग के अभ्यर्थियों को देना होगा।

डॉ. सुभाष गर्ग आज धौलपुर में

■ जलतेदीप निसं, भरतपुर

तकनीकी शिक्षा राज्य मंत्री (स्वतन्त्र प्रभार) डॉ. सुभाष गर्ग 8 जनवरी को प्रातः 8.15 बजे जयपुर से रवाना होकर वाया भरतपुर-रूपवास दोपहर 12.15 बजे धौलपुर पहुंचेंगे।

निजी सहायक ने बताया कि डॉ. गर्ग 8 जनवरी को धौलपुर पहुंचकर अग्रसेन विद्यापीठ, बाडी में धौलपुर जिला अग्रवाल महासमिति की नवीन कार्यकारिणी के शपथ ग्रहण समारोह में सम्मिलित होंगे तथा शाम 4 बजे जयपुर के लिए रवाना होंगे।

कोटा के अमन नागर ने शूटिंग में जीता स्वर्णपदक

जयपुर में हुए प्रथम राजस्थान स्टेट गेम्स का समापन

■ जलतेदीप निसं, कोटा

राज्य में खेल को बढ़ावा देने के उद्देश्य से राजस्थान स्टेट स्पोर्ट्स काउंसिल द्वारा एसएमएस स्टेडियम, जयपुर में पहली बार खेलों का महापर्व 'स्टेट गेम्स' 3 से 6 जनवरी तक आयोजित हुआ, जिसमे सभी जिलों से चयनित खिलाड़ियों ने राज्य स्तर पर अपना बेहतरीन किया।

शूटिंग कोच भावेश ने बताया कि 6 जनवरी को स्टेट गेम्स की शूटिंग चेम्पियनशिप के फाइनल में कोटा से अमन नागर ने एयर राइफल मेन्स में स्वर्ण पदक जीतकर कोटा का नाम रोशन किया है। फाइनल में शामिल विभिन्न जिलों के 18 प्रतिभागियों में से अमन ने निशानेबाजी में सर्वाधिक स्कोर 574 अर्जित किया।

समापन समारोह में स्टेट स्पोर्ट्स काउंसिल के चेयरमेन भास्कर ए. सावंत व सचिव महेंद्र मीणा ने अमन को गोल्ड मेडल व सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया।

कोच भावेश ने बताया कि महावीर नगर द्वितीय निवासी बीए छात्र अमन नागर की निशानेबाजी में रुचि होने के कारण आईआईटी-जेईई की कोचिंग छोड़कर नेशनल शूटिंग में केरियर बनाने का लक्ष्य है। उन्होंने बताया कि इससे पहले भोपाल में हुई 63वीं नेशनल शूटिंग चेम्पियनशिप में भी अमन नागर ने 100 मीटर एयर पिस्टल टीम में कांस्य पदक जीता है।

स्कूलों में मौसमी बीमारियों से बचाव की जानकारी देंगी आरबीएसके टीमें

■ जलतेदीप निसं, दौसा

निरोगी राजस्थान अभियान के तहत जिले के सभी ब्लॉकों में सक्रिय राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम की टीमें अब स्कूलों में मौसमी बीमारियों से बचाव के बारे में भी जानकारी देंगी। इसके लिए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ओर से टीमों को निर्देशित किया गया है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ पी एम वर्मा ने बताया कि इस बार सर्दी का प्रकोप अधिक है। इससे मौसमी बीमारियों की आशंका भी बढ जाती है। ऐसे में सभी ब्लॉकों में सक्रिय आरबीएसके टीमों को स्कूलों में जाकर मौसमी बीमारियों से बचाव की जानकारी देने के लिए निर्देशित किया गया है। उन्होंने बताया कि जिले में सभी ब्लॉकों में दस आरबीएसके टीमें कार्यरत हैं, जो कि स्कूलों में जाकर बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण करती हैं। इसके अलावा बीमार बच्चों को उपचार के लिए सक्षम केन्द्र पर रैफर भी करती हैं।

उन्होंने बताया कि टीमों को बच्चों के स्वास्थ्य परीक्षण के दौरान बुखार के रोगियों की रक्त पट्टिका संचयन, उपचार उपलब्ध करवाने और रक्त पट्टिका जांच के लिए संबंधित पीएचसी पर पहुंचाने के निर्देश दिए गए हैं।

जेईई मेन 2020 की परीक्षा 6 जनवरी से हुई शुरू

■ जलतेदीप निसं, कोटा

नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) द्वारा आयोजित जेईई मेन 2020 की परीक्षा 6 जनवरी से शुरू हो चुकी है। यह एग्जाम साल में दो बार आयोजित किया जाता है। यह पेपर दो शिफ्ट में आयोजित किया जा रहा है पहली शिफ्ट का आयोजन सुबह 9:30 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक आयोजित किया जा रहा है। वहीं दूसरी शिफ्ट का आयोजन दोपहर 2:30 बजे से 5:30 बजे तक किया जा रहा है। जेईई मेन 2020 परीक्षा के दूसरे दिन हुए पेपर का एनालिसिस मोशन एजुकेशन के निदेशक नितिन विजय (एनवी) सर द्वारा किया गया। ज्यादातर प्रश्न एनसीईआरटी से पूछे गए थे। इस साल, प्रश्न पत्र में प्रत्येक सेक्शन में न्यूमेरिकल वैल्यू क्वेश्चन भी शामिल थे। प्रश्न पत्र कुल 300 अंको का था जिसमे प्रत्येक विषय के 100 अंक 20 एम्सीक्यू . 5 न्यूमेरिकल वैल्यू पर आधारित थे। उन्होंने बताया की केमिस्ट्री सेक्शन में ज्यादातर प्रश्न छब्म्त्ज् पाठ्यपुस्तकों पर आधारित थे। सैद्धांतिक अवधारणाओं पर आधारित प्रश्न- डाल्टन के परमाणु सिद्धांत, क्रिस्टल फील्ड सिद्धांत आदि थे। आर्गेनिक केमिस्ट्री से कुल 10 से 12 प्रश्न, इन-आर्गेनिक केमिस्ट्री से 5 से 6 प्रश्न और फिजिकल केमिस्ट्री से 7 से 9 प्रश्न पूछे गए थे। मैथ्स सेक्शन के कई सवाल स्टैटिस्टिक्स पर आधारित थे, कोआर्डिनेट ज्योमेट्री से 6 से 8, कैलकुलस से 7 से 8, ट्रिगोनोमेट्री से 5 से 6 और एलजेब्रा से 6 से 7 प्रश्न पूछे गए थे। फिजिक्स सेक्शन में मैकेनिक्स से 4 से 5, ऑप्टिक - मॉडर्न फिजिक्स से 3 से 4, एलेक्ट्रोस्टेटिक्स - मेग्नेटिस्म से 5 से 6, करंट इलेक्ट्रिसिटी से 3 से 4 और हीट - थर्मोडायनामिक्स से 2 से 4 प्रश्न पूछे गए थे। उन्होंने कहा की पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष पेपर सरल रहा।

पंचायत आम चुनाव 2020

नाम निर्देशन पत्र के साथ संलग्न किए जाने वाले दस्तावेजों के बारे में दिशा-निर्देश जारी

सरपंच व वार्ड पंचों के चुनाव के लिए आज नाम निर्देशन पत्र प्रस्तुत होगें

■ जलतेदीप निसं, दौसा

जिले में होने वाले प्रथम चरण के पंचायत चुनाव के लिए मंगलवार को लोक सूचना जारी करने के साथ ही चुनाव का कार्य चालू कर दिया है। जिले की पंचायत समिति बसवा की 18 ग्राम पंचायतों में सरपंच व वार्ड पंचों के चुनाव हेतु 8 जनवरी को नाम निर्देशन पत्र प्रस्तुत किए जाएंगे। आवेदन प्रस्तुत करने में किसी भी परेशानी से बचने के लिए चुनाव आयोग ने विस्तृत तौर पर दिशा-निर्देश जारी कर दिए।

राज्य निर्वाचन आयोग के आयुक्त के निर्देशानुसार जिला निर्वाचन अधिकारी अविचल चतुर्वेदी ने बताया कि वार्ड पंच व सरपंच के नाम निर्देशन पत्र, प्रारूप 4 घ, उपाबन्ध-1बी कार्यशील स्वच्छ शौचालय की घोषणा के प्रारूप आयोग द्वारा छपवाकर पर्याप्त मात्रा में चुनाव से संबंधित अधिकारियों को उपलब्ध करवा दिए गए हैं। अभ्यर्थी द्वारा प्रथमतः आयोग द्वारा उपलब्ध कराए गए प्रारूप रिटर्निंग ऑफिसर या उपखंड अधिकारी कार्यालय या जिला निर्वाचन अधिकारी कार्यालय से प्राप्त कर प्रयुक्त कर सकते है। यदि आयोग द्वारा उपलब्ध कराए गए प्रारूप उपलब्ध नहीं होते है, तो उनकी फोटो प्रति भी काम में ली जा सकती है। इसके अलावा टाइप किए हुए प्रारूप जिसमें सभी प्रविष्टियां यथारूप समाहित हो उनका भी उपयोग किया जा सकेगा। हस्त लिखित नाम निर्देशन पत्र एवं संलग्न पत्र स्वीकार्य नहीं होंगे। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि नाम निर्देशन पत्र की सभी प्रविष्टियां पूर्ण रूप से भरनी है और कोई भी कॉलम रिक्त नहीं रखना है। इसके अलावा विचाराधीन आपराधिक मामलों के संबंध में, आपराधिक प्रकरणों में दोष सिद्धी से संबंधित सूचना, संतान के संबंध में, सम्पत्ति के संबंध में सूचना प्रस्तुत करनी होगी। सरपंच के पद के लिए उच्चतम न्यायालय के निर्णय के क्रम में न्यायालय में लंबित मामलों, परिसम्पतियों एवं देयता (ड्यूज) की सूचना प्राप्त किए जाने के लिए भरा जाना है। उक्त प्रारूप 50 रुपए के गैर न्यायिक स्टाम्प पेपर पर नाम निर्देशन पत्र के साथ प्रस्तुत किया जाएगा। उक्त शपथ पत्र न्यायाधीश या किसी न्यायिक या कार्यपालक मजिस्ट्रेट, या उच्च न्यायालय या सेशन न्यायालय द्वारा नियुक्त शपथ कमिश्नर या किसी नोटरी पब्लिक के समक्ष सम्यक रूप से प्रमाणित होना चाहिए।

वर्तमान में मीडिया के समक्ष चुनौतियां बढ़ी : एएसपी इंदौलिया

■ जलतेदीप निसं, अलवर

सहायक पुलिस अधीक्षक शैलेंद्र सिंह इंदौलिया ने कहा कि मीडिया का कार्य बेहद संवेदनशील है और वर्तमान स्थिति में मीडिया के समक्ष चुनौतियां बढ़ती जा रही हैं। ऐसी स्थिति में कुशल प्रशिक्षण और जागरूकता बेहद जरूरी है आईपीएस इंदौलिया ने यह विचार निःशुल्क प्रशिक्षण शिविर के शुंभारभ अवसर पर व्यक्त किए ।

अलवर में पहली बार श्रमजीवी पत्रकार संघ की ओर से निःशुल्क प्रशिक्षण शिविर की शुरुआत की गई है। शिविर का शुभारंभ सहायक पुलिस अधीक्षक शैलेंद्र सिंह इंदोलिया, उद्योगपति निकुंज सांगी, वरिष्ठ पत्रकार हरिशंकर गोयल और रामावतार वशिष्ठ के आतिथ्य में हुआ। वक्ताओं ने शिविर की शुरुआत पर शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वर्तमान परिस्थितियों में मीडिया का प्रशिक्षित और जागरूक होना बेहद आवश्यक है । निश्चित रूप से ऐसे शिविर के माध्यम से युवाओं को रोजगार के अवसरों में भी लाभ मिलेगा । जिले के वरिष्ठ उद्योगपति निकुंज सांघी का कहना था कि देश में इन दिनों विशेष परिस्थितियां बनी हुई है। इन परिस्थितियों को सकारात्मक लाने के लिए मीडिया की महत्वपूर्ण भूमिका बनी हुई है । वर्तमान दौर में मीडिया के समक्ष भी कई चुनौतियां हैं । लेकिन मीडिया को संवेदनशील और निष्पक्ष तौर पर अपना कार्य करना चाहिए । वरिष्ठ लेखक और इतिहासकार हरिशंकर गोयल और रामअवतार वशिष्ठ ने अलवर की मीडिया से जुड़ी बातों पर चर्चा करते हुए कहा कि इस तरह के प्रशिक्षण से मीडिया में जागरूकता लाने का प्रयास होगा। संघ के जिला अध्यक्ष चंद्रशेखर शर्मा ने बताया कि जिले में पहली बार मीडिया से जुड़े प्रशिक्षण शिविर का आयोजन हो रहा है। इस शिविर के लिए 1 से 6 जनवरी तक रजिस्ट्रेशन हुए थे । शिविर में 35 चयनित लोगों का रजिस्ट्रेशन किया गया है । शिविर में दिल्ली से आए अजय पंवार की ओर से वीडियो एडिटिंग और कैमरा आपरेटिंग की जानकारी दी जाएगी । इसके अलावा, सीनियर मीडिया कर्मियों की ओर से रिपोटिंग और एंकरिंग का प्रशिक्षण दिया जाएगा।

बाबा खेतानाथ के आशीर्वाद से सभी का कल्याण होगा : महंत बालकनाथ योगी

■ जलतेदीप निसं, अलवर

नीमराना में बाबा खेतानाथ की 29 वीं पुण्यतिथि पर आयोजित कार्यक्रम में अलवर के सासंद मंहत बालकनाथ ने कहा कि बाबा खेतानाथ जी के आशीर्वाद से सभी का कल्याण होगा। वे अलवर लोकसभा क्षेत्र के नीमराना में बाबा मस्तनाथ आश्रम जोशीहेड़ा में बाबा खेतानाथ महाराज जी की 29 वीं पुण्यतिथि पर आयोजित कार्यक्रम में श्रद्धालुओं को संबोधित कर रहे थे।

सांसद महंत बालकनाथ योगी ने कहा कि सन्त समाज ने सदैव लोक कल्याण का मार्ग दिखाया है जिससे सम्पूर्ण समाज को कल्याण हो सके। सांसद योगी ने कहा कि बाबा खेतानाथ महाराज का आशीर्वाद सम्पूर्ण क्षेत्र पर रहा है व संतो की तपोभूमि होने के कारण यहां सदैव खुशहाली रही है। सांसद योगी ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को राष्ट्रहित में व धर्म के अनुकूल कार्य करने चाहिए उससे ही समाज व देश का सम्पूर्ण विकास होगा। सांसद योगी ने कहा कि गौसेवा व असहायों और जरूरतमंदों की सेवा करने से ही सब का भला होगा। इस अवसर पर सांसद महंत बालकनाथ योगी ने बाबा खेतानाथ जी महाराज की फोटो पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी व नाथ सम्प्रदाय की परम्परा के अनुसार पूजा अर्चना की। सांसद व अस्थल बोहर मठाधीश महंत बालकनाथ योगी का आश्रम पहुंचने पर श्रद्धालुओं ने भव्य स्वागत किया। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष बलवान यादव, भाजपा नेता देवेंद्र यादव, पूर्व सांसद डॉ. कर्णसिंह यादव व हरियाणा के पूर्व मंत्री राव नरेंद्र सिंह सहित अनेकों जनप्रतिनिधि और श्रद्धालु उपस्थित रहे ।

परम्परागत खेती को तकनीक से जोड़ने का किया आह्वान

■ जलतेदीप निसं, भरतपुर

कृषि महाविद्यालय, कुम्हेर पर बी.एस.सी.(ऑनर्स) कृषि के चतुर्थ वर्ष के विद्यार्थियों के ग्रामीण कृषि कार्य अनुभव कार्यक्रम के तहत 7 दिवसीय ऑरिएन्टेशन कार्यक्रम का शुभारम्भ महाविद्यालय डीन डॉ. उदयभान सिंह ने किया।

छात्रों को सम्बोधित करते हुए डॉ उदयभान सिंह ने कहा कि बी.एस.सी.(ऑनर्स) कृषि एक प्रोफेशनल डिग्री है, इसलिए विद्यार्थियों को गांव में जाकर किसानों के साथ काम करके परम्परागत खेती को तकनीक से जोडने के बारे में बतायें। उन्होंने कहा कि आप कृषकों की बात ध्यान से सुनकर उनकी समस्याओं के बारे में जानकर वैज्ञानिक खेती और परम्परागत खेती के लाभों से किसानों को अवगत करायें। उन्होंने कहा कि नई कृषि तकनीक से उत्पादन के साथ-साथ कृषकों की आय में भी बढोतरी होती है, इसके लिए हमें उन्नत बीज, संतुलित खाद, कार्बनिक खेती, पॉली हाउस, लो टनल तकनीक अपनानी चाहिए।

उन्होंने छात्रों को करियर से संबधित बिन्दुओं पर ध्यान आकर्षित करते हुए कहा कि वे नियमित पढाई करें जिससे उनका भविष्य उज्ज्वल बने।

ओरिऐन्टेशन कार्यक्रम के दौरान रावे प्रभारी डॉ डी.के. मीना ने बताया कि यह कार्यक्रम छः महीने चलेगा जिसमें प्रमुख रुप से कृषि विज्ञान केन्द्र, शैक्षणिक भ्रमण एवं इण्डस्ट्रिएल प्लेसमेंट कार्यक्रम शामिल होंगे।

अधिक शराब पीने से युवक की मौत

■ जलतेदीप निसं, अलवर

जिले के तिजारा शेखपुर थाना क्षेत्र विस्तृत ग्राम रामबास झोपड़ी में एक युवक की अधिक शराब पीने से मौत हो गई। युवक के परिजन ने पंचायत चुनाव में सरपंच प्रत्याशियों पर शराब बांटे जाने का आरोप लगाया है। घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। जिसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी में रखवाया गया। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है।

युवक के भाई बलदेव सिंह ने बताया कि सरपंच प्रत्याशियों ने वोट की खातिर उसके भाई को शराब पिलाई। जिसके अधिक सेवन के बाद गुरुचरण लुहोदरा गांव की चौपाल के पास रोड पर पड़ा मिला। जिसने अधिक शराब पी रखी थी। उसे उपचार के लिए टीजर अस्पताल लेकर गए। हालात गंभीत होने पर अलवर रेफर कर दिया गया। अलवर सामान्य चिकित्सालय पहुंचने पर चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया।

शेखावाटी हस्तशिल्प मेले में अनेक प्रतियोगिताओं का हुआ आयोजन

■ जलतेदीप निसं, झुंझुनूं

ग्रामीण हाट आबूसर में शेखावाटी हस्तशिल्प एवं पर्यटन मेला मंगलवार कोपरम्परागत ग्रामीण खेल कूद प्रतियोगिता महिलाओ द्वारा मटका दौड़ तथा शेखावाटी पारम्परिक वेशभूषा प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिला उद्योग केन्द्र के महाप्रबंधक नानूराम गहलोनिया ने बताया कि छात्राओं द्वारा मटका दौड़ में प्रथम स्थान मनिषा चौधरी, द्वितीय सविता चन्देल तृतीय गलजोत, महिलाओं द्वारा मटका दौड़ में प्रथम सन्तोष पूनिया, द्वितीय डा. मन्जू ढाका तृतीय निशा देवी, कमला देवी ने बाजी मारी। उन्होंने बताया कि उपरोक्त प्रतियोगिता में, जिला श्रम कल्याण अधिकारी अरूणा शर्मा बतौर मुख्य अतिथि थे। जिसमें निर्णायक नेमीचन्द, दिनेश शर्मा, हरिसिंह, पंकज, मनोज चौधरी, सुनिता बाबल, ओमपती चौधरी, राखी चौधरी रहे।

शेखावाटी पारम्परिक वेशभूषा पुरूष में प्रथम जयप्रकाश प्रजापत, द्वितीय नथूसिंह तृतीय विजेन्द्र पूनिया सान्तवना पुरस्कार बनवारीलाल कस्वां को दिया गया। शेखावाटी पारम्परिक वेशभूषा महिला वर्ग में प्रथम संतोष कंवर, द्वितीय संतोष पूनिया तृतीय प्रियंका शेखावत, सांत्वना पुरस्कार ममता को दिया गया। इस दौरान कार्यक्रम में अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी प्रमोद कुमार आबूसरिया, अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी राजेन्द्र कुमार, प्रारम्भिक शिक्षा, सहायक प्रशासनिक अधिकारी भंवरलाल, वरिष्ठ सहायक नगेन्द्रसिंह हाडा उपस्थित थे। जिसमें निर्णायक के रूप में नेमीचन्द झाझड़िया, हरिश पूनिया, दिनेश, गीता शारीरिक शिक्षक रहे। गहलोनिया ने बताया कि मेले में बुधवार को बी.एल.किस्तूरी क्लासेज झुन्झुनूं के सौजन्य से कबड्डी (पुरूष) प्रतियोगिता का आयोजन किया जावेगा।

इसी प्रकार से महिला अधिकारिता विभाग, झुन्झुनूं के सौजन्य से सांय 6.00 से 8.00 बजे तक राजस्थानी लोक संगीत कार्यक्रम की प्रस्तुति एवं मेले में स्थापित विभिन्न श्रेणी की स्टाल्स हस्तशिल्पी एवं लघु उद्योग की स्टाल्स की प्रतियोगिता बृहस्पतिवार को प्रातः 11.00 बजे आयोजित की जावेगी। उन्होंने समस्त स्टाल्सधारकों से अपनी-अपनी स्टाल्स को सुसज्जित रखने के लिए कहा है।

शहर में सुरक्षा के पुख्ता इतंजाम

सीसीटीवी कैमरें से होगी चौराहों की निगरानी

■ जलतेदीप निसं, झालावाड़

पुलिस अधीक्षक झालावाड़ राममूर्ति जोशी ने शहर में अपराधों की रोकथाम लगाने के लिए प्रमुख चौराहों और बड़े प्रतिष्ठानों के आसपास सीसीटीवी कैमरा लगाने के सुझाव गणमान्य नागरिकों, व्यापारियों, ग्राम पंचायत के प्रतिनिधियों को दिए।

पुलिस अधीक्षक झालावाड़ राममूर्ति जोशी झालावाड़ से लगभग 110 किलोमीटर दूर मंगलवार को पुलिस थाना डग मे सीएलजी के सदस्यों को संबोधित करते हुए कहा कि अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए व शहर में सुरक्षा पुख्ता इंतजाम मदद के लिए प्रमुख चौराहे और बड़े प्रतिष्ठान के आसपास सीसीटीवी कैमरे लगाने के सुझाव सीएलजी के सदस्यों को दिए। एसपी ने कहा कि भीड़भाड़ वाले स्थानों और महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों के आसपास घटित हो रहे अपराधों पर सीसीटीवी कैमरे से निगरानी कर अपराध पर अंकुश लगाया जा सकता हैं। एसपी ने बताया कि सीसीटीवी कैमरा लगाने के लिए शहरों में नगर पालिका, गांवों में ग्राम पंचायत बजट जारी कर सकती हैं।

सदस्यों को दिया धन्यवाद

एसपी जोशी ने डग कस्बे में सभी समाजों के गणमान्य नागरिकों द्वारा शांति पूर्वक जुलूस और प्रदर्शन किया गया इसके लिए सभी धन्यवाद के पात्र हैं। उन्होंने सीएलजी बैठक में उपस्थित सदस्यों एवं पत्रकारों को धन्यवाद देते कहा कि पत्रकार प्रजातंत्र का चौथा स्तंभ है जो कलम के माध्यम से समाज में शांति व्यवस्था बनाने में महत्वपूर्ण भागीदारी निभाई है।

भामाशाह, व्यापारी वर्ग, सीएलजी के सदस्य भी सीसीटीवी कैमरे लगाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। इससे सभी महत्वपूर्ण चौराहों जैसे रोडवेज, रेलवे, बैंकों और बड़े व्यवसायिक प्रतिष्ठानों और शॉपिंग कांप्लेक्स के पास सीसीटीवी लगने अपराध होने पर पुलिस टीम अपराधियों को धर दबोचेगी। इसके अलावा मोबाइल दस्ता भी सूचना मिलने पर फौरन मौके पर पहुंच जाएगा। बताया कि इस प्रणाली से जहां अपराधों पर नजर रहेगी। बैठक में दर्जनों सीएलजी के सदस्य, कई पत्रकार, पुलिस उपाधीक्षक थाना अधिकारी भंवर सिंह आदि मौजूद थे।

पुलिस कार्यशैली की सराहना

पुलिस अधीक्षक जोशी ने कहा कि नव वर्ष 2020 में पुलिस ने ध्येय वाक्य आमजन में विश्वास और अपराधियों में डर को सार्थक किया। डग थानाधिकारी भंवर सिंह एवं पुलिस टीम के कार्य की भी सराहना की गई।

जयपुर में हुआ इंडियाज बेस्ट डांसर का पहला ऑडिशन

■ जलतेदीप कासं, जयपुर

जयपुर में हुआ इंडियाज बेस्ट डांसर का पहला ऑडिशन जयपुर में आयोजित किया गया। इस शो का पहला ऑडिशन मंगलवार को महर्षि अरविंद इंस्टिट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी में सफलतापूर्वक समाप्त हुआ। जहाँ पर कुल 400 प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रतिभागियों ने मशहूर कत्थक घराना से लेकर कालबेलिया डांस फार्म तक, अपनी जोशीली और रंग बिरंगी डांस प्रस्तुति दी। जहाँ कुछ परफॉरमेंस जजेस को ठीक लगे वहीं कुछ परफॉरमेंस वाकई दिल को छू लेने वाले भी थे। इस तरह यह सिलसिला चलता रहा।

डांस रियलिटी शो इंडियाज बेस्ट डांसर सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन पर जल्द ही प्रकाशित होने वाला है। जहाँ टेरेंस लुईस, गीता कपूर और मलाइका अरोड़ा खान जैसे जाने-माने डांस महारथी इस शो के जजिंग पैनल में शामिल होंगे और डांस जगत के 12 खास मेंटर्स होंगे, जो चुने गए टैलेंट का हुनर संवारेंगे। इस शो का इंतजार हर 15 से 30 साल के बच्चों को है जो की अपना टैलेंट दिखाने को तैयार है। तो अब इंतजार का दौर समाप्त हो चूका है क्योंकि इस शो के ऑडीशंस का सिलसिला शुरू हो गया है।

ए.वी. ओर्गेनिक्स ने जयपुर में लॉन्च किया इवोकस- 70 से अधिक मिनरल्स से युक्त भारत का पहला प्राकृतिक- ब्लैक एल्केलाईन वॉटर

जलतेदीप प्रेवि, जयपुर। एक स्वदेशी स्टार्ट-अप उद्यम ए.वी. ओर्गेनिक्स ने आज जयपुर में भारत के पहले प्राकृतिक ब्लैक एल्केलाईन वॉटर 'इवोकस' के लॉन्च का ऐलान किया है। कंपनी की विस्तार रणनीति के तहत यह लॉन्च किया गया है, इस उत्पाद के माध्यम से कंपनी उपभोक्ताओं को उत्कृष्ट हाइड्रेशन और डीटॉक्सिफिक्रेशन के लाभान्वित करना चाहती है। इवोकस का फॉर्मूला बेहतरीन हाइड्रेशन, बेहतर डीटॉक्सिफिक्रेशन और अच्छा मेटोबोलिज़्म देता है जो आज के उपभोक्ताओं के लिए बेहद ज़रूरी एवं फायदेमंद है।

पुणे, चण्डीगढ़, वड़ोदरा, सूरत, दिल्ली और गुरूग्राम के बाद राजस्थान में यह लॉन्च किया गया है, जहां यह प्रोडक्ट शीर्ष पायदान के सभी रीटेल आउटलेट्स पर उपलब्ध हे। यह एमज़ॉन, पेटीएम मॉल, स्नैपडील, ब्राण्ड की वेबसाईट तथा कई एयरपोर्ट्स पर भी उपलब्ध है। हैदराबाद, अहमदाबाद, गोवा, बैंगलोर और मुंबई में प्रोडक्ट प्लेसमेन्ट शुरू हो चुका है।

बाज़ार में इस ब्राण्ड के लॉन्च के बाद कंपनी को उपभोक्ताओं से बहुत अच्छी प्रतिक्रिया मिली है, कंपनी अब तक 7000 केस यानि 1,68,000 बोतलें बेच चुकी है। वर्तमान में इवोकस अपनी मौजूदगी के शहरों में 1000 से अधिक आधुनिक टेउेड आउटलेट्स पर उपलब्ध है और मार्च 2020 तक 2000 आउटलेट्स कवर करने की योजना बना रहा है।

बोतलबंद पानी की यह नई श्रेणी खासतौर पर 21वीं सदी के भारतीय उपभोक्ताओं के लिए पेश की गई है जो उपभोक्ताओं की सेहत को ध्यान में रखते हुए उन्हें बेहतर हाइड्रेशन प्रदान करेगी। कंपनी ने पूर्णतया स्वचालित मैनुफैक्चरिंग एवं बोतल प्लांट तथा संबद्ध आर एण्ड डी युनिट की स्थापना के लिए 1 मिलियन डॉलर का निवेश किया है, यह प्लांट गुजराज के वड़ोदरा में 50,000 वर्गफीट क्षेत्रफल में फैला है। इसके अलावा कंपनी ने संचालन एवं बाज़ार रणनीतियों पर भी 1.5 मिलियन डॉलर का निवेश किया है। इस प्लांट में 40 मिलियन बोतलें सालाना बनाने की क्षमता है। पूरी तरह से साफ और शुद्ध किए गए नदी के पानी में 70 प्राकृतिक ट्रेस मिनरल्स डाले जाते हैं और पूर्णतया स्वचालित, स्टेराईल, फार्मा ग्रेड प्लांट में बिना छुए बोतलों में बंद किया जाता है। इस पानी को प्राकृतिक मिनरल्स की वजह से काला रंग मिलता है, जिसकी खोज टेक्सास, यूएसए से जाने माने वैज्ञानिक डॉ नॉबर्ट चिराज़े के द्वारा की गई है। डॉ चिराज़े के पास न्यूट्रिशन में पीएचडी की डिग्री है, वे हेल्थ एवं वैलनैस पर अग्रणी पोषण विशेषज्ञ और कन्सलटेन्ट भी हैं। वे चीफ़ मेंटर और प्रिंसिपल साइन्टिस्ट के रूप में ए.वी. ओर्गेनिक्स के बोर्ड के सदस्य भी हैं।

इस लॉन्च के अवसर पर **आकाश वघेला, संस्थापक एवं मैनेजिंग डायरेक्टर, ए.वी. ओर्गेनिक्स एलएलपी** ने कहा, ''हमें उपभोक्ताओं से बहुत अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है, जिससे हमारा आत्मविश्वास बढ़ा है और हम भारत के अधिक से अधिक शहरों में विस्तार के लिए प्रेरित हुए हैं। वर्तमान में 18 बाजारों में हमारी सशक्त मौजूदगी है और 2021 तक हमने 100 बाज़ारों तक पहुंचने की योजना बनाई है। राजस्थान के उपभोक्ता अब अपनी जीवनशैली में आधुनिक उत्पादों को अपना रहे हैं।

टीजेएपीएसकेबीएसके संगठन ने आर्थिक उत्थान के लिए लाख संस्कृति पर संगोष्ठी का आयोजन किया

जलतेदीप प्रेवि, दिल्ली। टीजेएपीएसकेबीएसके पश्चिम बंगाल में 18 जिलों के अंतर्गत 204 ब्लॉकों में काम कर रहा है, जिसमें 6500 कर्मचारी कामयाबी के द्वार पर दस्तक दे रहे हैं। कर्मचारी इस संगठन के समर्पित कर्मचारियों के रूप में आय के एक स्थायी स्रोत को सुरक्षित करने जा रहे हैं। यह जानकारी सचिव सोमेंन कोले ने दिल्ली मीडिया में दी। यह संगठन राज्य के चारों ओर काफी हद तक लाख संस्कृति में सहज सेवा प्रदान कर रहा है। बंगाल की संस्कृति इस संगठन के तीव्र सहयोग से पश्चिम बंगाल के हर जिले में सेरीकल्चर, पिसीकल्चर, मशरूम, वर्मीकम्पोस्ट, बायो फ्लॉक, दाल, बाजरा भारी मात्रा में विकसित हो रहा है। इन के अलावा टीजेएपीएसकेबीएसके कड़कनाथ मुर्गी, मरिंगस, बी-फार्मिंग, समग्र कृषि खेती के लिए काम करने के लिए प्रमुख योजनाओं को अपना रहा है। यह संगठन एसएचजी समूह में काम करने की योजना बना रहा है, जो एफपीसी की मदद से आने वाले वर्ष के आगमन को बनाएगा। इसके अलावा, संगठन ने कार्य की रणनीति को बढ़ावा देने और आर्थिक लाभ उत्पन्न करने के लिए बाजार में लाख और मशरूम का निर्यात करने में कामयाबी हासिल की है।

टपरवेयर ने जयपुर में शुरू किया अपना 42वां एक्सक्लूसिव ब्रांड ऑउटलेट

जलतेदीप प्रेवि, जयपुर। अमेरिका के ओरलैंडो से शुरू हुए वैश्विक प्रीमियम होमवेयर ब्रांड टपरवेयर ने जयपुर में अपने व्यापार का विस्तार करते हुए एक विशेष ब्रांड आउटलेट एवरशाइन टॉवर वैशाली नगर में शुरू किया। इस लॉन्च के साथ ही अब देश भर में टपरवेयर के एक्सक्लूसिव ब्रांड आउटलेट्स की संख्या 42 के उल्लेखनीय आंकड़े तक पहुंच गई है। टपरवेयर ने 2019 में देश भर में 30 आउटलेट खोलने की योजना बनाई थी, जिसे सफल रूप से पूरा करने के बाद नए साल में कंपनी अब नई ऊर्जा के साथ उचाइयां प्राप्त करने के लिए अग्रसर हो रही है। टपरवेयर ने ग्राहकों की अव्यक्त मांग को पूरा करने के लिए डायरेक्ट सेलिंग ब्रांड से बिक्री के कई चैनलों वाले ब्रांड बनने के अपने निर्णय के तहत जयपुर में इस नए आउटलेट को शुरू किया है। एक्सक्लूसिव ब्रांड आउटलेट लॉन्च करने के अलावा, टपरवेयर इंडिया ने अगस्त 2019 में ई-टेल बाजार में भी प्रवेश किया और अपने उत्पादों को अमेज़ॅन, फ्लिपकार्ट और पेटीएम जैसे ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स पर

उपलब्ध करवाना शुरू किया है। इसके साथ ही टपरवेयर की मौजूदा प्रत्यक्ष बिक्री चैनल भी सुचारु रूप से कार्यरत है। ब्रांड जल्द ही अपना वेब स्टोर भी शुरू करने जा रहा है।

टपरवेयर इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर दीपक छाबड़ा ने आउटलेट लॉन्च और बिज़नेस ट्रांसफॉर्मेशन के बारे में कहा कि टपरवेयर एक सांस्कृतिक टचस्टोन है और हम मानते हैं कि और अधिक लोगों के लिए हमारे दरवाजे खोलने पर अब लोग हमारे उत्पादों के जादू का अनुभव और गहराई से ले पाएंगे। हमने हाल ही में एक रणनीतिक परिवर्तन किया और हमारे व्यवसाय के लिए ग्राहक केंद्रित मल्टी-चैनल दृष्टिकोण अपनाया है। हम अपने उपभोक्ता टचप्वाइंट्स को ई-टेल और रिटेल फॉर्मेट के माध्यम से बढ़ाते हुए, प्रमुख विकास बाजारों में हमारी उपस्थिति सुनिश्चित करते हैं। मुझे लगता है कि अब हम जयपुर में अपने उपभोक्ताओं के लिए अधिक सुलभ होंगे और लोगों को इन आउटलेट्स पर हमारे उत्पादों की व्यापक रेंज का अनुभव करने के साथ उन्हें खरीदने का अवसर मिलेगा। हम यह साझा करते हुए भी बहुत रोमांचित हैं कि हमने 2019 में देश भर में 30 आउटलेट खोलने के अपने लक्ष्य को पूरा कर लिया है।

अजमेर के पर्यटन को बढ़ावा देते हुए ओयो कर रहा है होटल मालिकों की मदद

■ जलतेदीप प्रेवि, अजमेर

जब सुनील तिलवानी ने 17 साल की उम्र में अपनी पहली नौकरी शुरू की, तो उन्होंने कभी अपना व्यापार खोलने का नहीं सोचा था।

उन्होंने 2007 तक 10 वर्षों के लिए अपनी कपड़ों की दुकान चलाई, उसके बाद उन्होंने अपने लक्ष्य को पाने का फैसला किया। उन्होंने 2007 में पूरे आत्म विश्वास और कुछ करने की इच्छा के साथ अपनी पूरी जमा पूंजी लगाकर एक संपत्ति खरीदी। उन्होंने 3 साल लगा कर 2010 तक उसे रेनोवेट कर लिए । इसके तुरंत बाद उन्होंने ओटीए पर अपनी संपत्ति सूचीबद्ध की, हालांकि, इस क्षेत्र में तजुर्बे की कमी के चलते वह मुनाफा कमाने में असमर्थ थे। इसके बाद 2014 में

उन्होंने ओयो से अपने होटल को जोड़ने का फैसला किया और तब से पीछे मुड़कर नहीं देखा।

ओयो के साथ अपने जुड़ने पर, ओयो 4816 होटल गणपति प्लाजा के मालिक सुनील तिलवानी कहते हैं, हॉस्पिटैलिटी उद्योग का कोई तजुर्बा नहीं होना सबसे बड़ी समस्या थी जिसके कारण अजमेर के होटल चलाना आसान नहीं था। हमने पहले सोचा था कि एक होटल एक गेस्ट हाउस की तरह चलाया जाता है, जो मेहमानों को बिना किसी सुविधा की उम्मीद के पेश किया जाता है। पर 2014 से जब ओयो के साथ जुड़ने, हमने सुविधाओं के मानकीकरण, साफ-सफाई के महत्व आदि से आतिथ्य की मूल बातें समझी। एक पर्यटक शहर होने के नाते, अजमेर में बहुत सारे यात्री हैं जो किफायती बजट में एक आरामदायक अनुभव चाहते हैं।

ओयो की टीम ने मेरे होटल को कंपनी द्वारा निर्धारित मानकों पर अपग्रेड किया, जिसमें अतिथि की आवश्यकताओं को पूरा करने और उन्हें एक आतिथ्य अनुभव प्रदान करने के लिए अन्य सुविधाओं के बीच वाई फाई, लिनन, प्रसाधन, नाश्ता, हाउसकीपिंग शामिल थे।

आईटेल ए-25 - भारत का पहला स्मार्टफोन, 4,000 रुपये से कम कीमत में, अब मार्केट में

जलतेदीप प्रेवि, नई दिल्ली। जनता के लिए टेक्नोलॉजी को लोकतांत्रिक बनाने के मकसद के साथ निर्मित, आइटेल इंडिया का नंबर 1 स्मार्टफोन ब्रांड जो ऑफलाइन चैनल में 5 हजार रुपये से कम कीमत वाले वर्ग में ट्रांसियॉन

इंडिया का एक प्रमुख ब्रांड ने भारत में पूरी तरह से लोडेड स्मार्टफोन 25 को लॉन्च किया है। इस स्मार्टफोन में एक से बढ़कर एक बेहतरीन फीचर्स हैं, और इसे 3,999 रुपये की आक्रामक कीमत पर पेश किया गया है। आइटेल ए-25 स्मार्टफोन देशभर में उपलब्ध होगा। आइटेल ए25 एंट्री लेवल स्मार्टफोन रेंज में एक संपूर्ण पैकेज है। यह स्मार्टफोनकई ट्रेंडी तकनीकी खूबियों से सुसज्जित है। इसमें बेहतरीन ब्राइटर स्क्री नए 3020 एमएएच की बड़ी और दमदार बैटरी, फेस अनलॉक, मल्टी-लैंग्वेज सपोर्ट, गूगल लेंस,12.7 सेंटीमीटर (5 इंच) की एचडी आइपीएस फुल स्क्रीन नए ड्युअल 4जी वोल्टे, एंड्रॉयडञ् पाई 9.0 (गो एडिशन) ओएस शामिल है। यह 1जीबी की रैम और 16जीबी की रोम के साथ आता है। इसमें 32 जीबी तक का एक्सपैंडेबल मेमोरी कार्ड स्लौट भी दिया गया है। और यह सब 3999 रुपये की किफायती कीमत में उपलब्ध है। लॉन्च के अवसर पर गोल्डी पटनायक, हेड ऑफ मार्केटिंग, आइटेल बिजनेस यूनिट ने कहा, ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाली आबादी, बढ़ती खपत का आधार है।

हीरो मोटोस्पोर्ट्स टीम ने डाकर रैली 2020 के दूसरे चरण में पकड़ी गति

जलतेदीप प्रेवि नई दिल्ली। डाकर रैली के दूसरे चरण में प्रतिस्पर्धियों को अल वजह से नेओम तक के 367 किमी के विशेष चरण में ले जाया गया। पथरीले इलाके और काफी धूल के साथ प्रतिस्पर्धियों के लिए

ये बड़ी चुनौती थी। हीरो मोटोस्पोर्ट्स टीम रैली ने डाकर रैली 2020 के इस बेहद कठिन दूसरे चरण को पूरा किया। बगैर किसी क्षति या तकनीकी समस्या के अपनी बाइक को फिनिश लाइन तक ले जाने के उद्देश्य के साथ पाउलो गोनकाव्ज ने स्थिरतापूर्वक राइडिंग की। 12वें क्रमांक पर रहते हुए उन्होंने ये चरण पूरा किया और दूसरे चरण के अंत में कुल मिलाकर उनकी पोज़ीशन 14वें क्रमांक पर रही ।

एक एलीट राइडर होने के चलते पाउलो के लिए ये एक सुपर मैराथॉन स्टेज की तरह थी। इसका मतलब ये हुआ कि उन्हें बुधवार को होने वाले सुपर मैराथॉन स्टेज के दूसरे भाग के लिए पार्क फर्मे में उनकी बाइक जमा करने से पहले उस पर काम करने के लिए केवल 10 मिनट का समय मिला।

ई कॉमर्स क्षेत्र में वर्ष 2020 के लिए 20 पूर्वानुमानः क्लब फैक्टरी

जलतेदीप प्रेवि, नई दिल्ली। इस नववर्ष में न केवल ऑनलाइन शॉपिंग को परिपक्व होते देखा जा सकेगा, बल्कि लाखों की सख्या में नए खरीदार जुड़ेंगे क्योंकि कंपनियां विभिन्न तरीकों से ऑनलाइन शॉपिंग के अनुभवों में सुधार लाने का प्रयास कर रही हैं। इस नववर्ष में इंटरनेट और इससे जुड़ी व्यवस्था के करीब 25 वर्ष पूरे हो रहे हैं और नए विचारों व नवप्रवर्तनों के साथ यह और विकसित होगी। यहां कुछ ऐसी चीज़ों की एक सूची दी जा रही है जो 2020 में दस्तक देंगी या बड़ा आकार लेंगी।

अधिक मोबाइल: किफायतीपन और बेहतर यूज़र्स अनुभव का अर्थ है कि अधिक से अधिक लोग अपने स्मार्टफोन के जरिये खरीदारी करेंगे।

कैश ऑन डिलीवरी में कमी: भुगतान विकल्पों को लेकर कुछ न कुछ नयी चीज़ों के आने से यूज़र्स को डिजिटल माध्यम से भुगतान करने में अधिक सुविधा होगी जिससे कैश ऑन डिलीवरी में कमी आएगी।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का युग: ई-कॉमर्स क्षेत्र में एआई का उपयोग बढ़ने का अर्थ होगा लॉजिस्टिक्स में सुधार, तेज डिलीवरी और खरीदारों को सुखद अनुभव। सी2एम- डिजिटलीकरण से प्लेटफॉर्मों को सीधे फैक्टरी से खरीदारी की सुविधा होगी जिससे उपभोक्ता सीधे विनिर्माता से जुड़ेगा।

खेल दीप

चार दिन का टेस्ट मैच अच्छा विचार : इरफान पठान

■ एजेंसी, नई दिल्ली

भारत के पूर्व हरफनमौला खिलाड़ियों इरफान पठान ने 4 दिन के टेस्ट मैच को अपना समर्थन दिया

है। हाल ही संन्यास लेने वाले इस पूर्व ऑलराउंडर खिलाड़ी ने कहा कि यह आगे जाने के लिए अच्छा विचार है। पठान ने कहा, मैं यह बात काफी दिनों से कहता आ रहा हूं कि चार दिन के टेस्ट मैच आयोजित कराए जाने चाहिए। मुझे लगता है कि आगे जाने का सही तरीका है। उन्होंने कहा, हम रणजी ट्रोफी में भी चार दिन के टेस्ट मैच खेलते हैं और परिणाम भी आते हैं। तो टेस्ट मैच क्यों नहीं? बाएं हाथ के पूर्व खिलाड़ियों ने कहा, आज के दिनों में परिणाम लगातार आ रहे हैं लेकिन चार दिन के टेस्ट मैच होते हैं तो हर मैच में परिणाम आएंगे... मैं पूरी तरह से चार दिन के टेस्ट मैच को लेकर सहमत हूं। आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप-2023 में चार दिन के टेस्ट मैच को आयोजित कराने पर विचार कर रही है। पठान का यह बयान उस समय आया है, जब सचिन तेंडुलकर, ग्लैन मैक्ग्रा, गौतम गंभीर, रिकी पॉन्टिंग, शोएब अख्तर, नाथन लियोन और टीम इंडिया के कप्तान विराट कोहली जैसे दिग्गज इसके खिलाफ बोल चुके हैं।

ऋषभ पंत एक स्पेशल टैलंट हैं, टीम चयन का फैसला चयनकर्ताओं को ही करने दें : सौरभ गांगुली

■ एजेंसी, नई दिल्ली

इस बात में कोई संदेह नहीं कि भारतीय टीम प्रबंधन युवा विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत को महेंद्र सिंह धोनी के उत्तराधिकारी की रेस में सबसे आगे मानता है। टीम प्रबंधन का मानना है कि जब भी धोनी संन्यास लेंगे तो पंत ही उनकी जगह लेंगे। लेकिन अगर पंत की हालिया फॉर्म पर नजर डालें तो दिल्ली के इस युवा खिलाड़ी को अपनी बल्लेबाजी में सुधार करने की जरूरत है। पंत कई बार गैर-जिम्मेदाराना शॉट खेलकर आउट हुए हैं और इसकी वजह से उन्हें काफी आलोचनाओं का भी सामना करना पड़ा है। इसके साथ ही विकेट के पीछे भी वह काफी गलतियां कर रहे हैं। ऐसे में संजू सैमसन का नाम भी विकल्प के रूप में सामने आ रहा है। और माना जा रहा है कि केरल का यह खिलाड़ी वनडे इंटरनैशनल और टी20 इंटरनैशनल टीम में जगह बना सकते हैं। इन सभी मुद्दों पर

बीसीसीआई के अध्यक्ष सौरभ गांगुली ने पत्रकारों के साथ बात की। गांगुली ने कहा, यह सब चयन से जुड़े मसले हैं जिन पर चयनकर्ता ही कोई फैसला करते हैं। लेकिन ऋषभ पंत एक स्पेशल टैलंट हैं और हमने देखा कि वेस्ट इंडीज के खिलाफ दो मैचों में उन्होंने कैसा प्रदर्शन किया। टेस्ट क्रिकेट में भी उनका प्रदर्शन अच्छा है लेकिन आखिरी फैसला चयनकर्ताओं को ही करना है। गांगुली ने हाल ही में भारत में पहला पिंक बॉल टेस्ट मैच का आयोजन करवाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका अदा की। उन्होंने कप्तान विराट कोहली को इसके लिए राजी किया। भारत और बांग्लादेश के बीच कोलकाता में खेले गए डे-नाइट टेस्ट को लोगों ने काफी पसंद किया। गांगुली से जब पूछा गया कि क्या अब बीसीसीआई भविष्य में आयोजित होने वाली सीरीज के लिए अधिक से अधिक पिंक बॉल टेस्ट का आयोजन करवाएगी? इस पर गांगुली ने कहा कि इसके लिए हमें अन्य क्रिकेट बोर्ड से भी बात करनी होगी। लेकिन इस बात में कोई संदेह नहीं कि पिंक बॉल टेस्ट ने भारत में काफी लोकप्रियता हासिल कर ली है। भारतीय क्रिकेट को नई दशा और दिशा देने में सौरभ गांगुली की महती भूमिका रही है। वह दुनिया के सर्वश्रेष्ठ कप्तानों में गिने जाते हैं। तो एक खिलाड़ी में ऐसी क्या खूबियां होनी चाहिए तो उसे एक अच्छा कप्तान बनाती है?

गांगुली ने इस पर कहा कि किसी क्रिकेटर में मैन मैनेजमेंट स्किल और टैलंट को पहचानने की नजर, होनी चाहिए। धोनी ने पिछले साल जुलाई में सेमीफाइनल में मिली हार के बाद से कोई अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेला है, तो आप उनका भविष्य कैसे देखते हैं। इस पर गांगुली ने कहा कि ये सब खिलाड़ियों और मैनेजर्स के बीच की निजी बातें हैं और इन्हें ऐसा ही रहने देना चाहिए।

सार-समाचार

सेरेना ने कैमिला को हराकर 2020 की सिंगल्स में पहली जीत दर्ज की ऑकलैंड

एजेंसी, वाशिंगटन। अमेरिका की दिग्गज टेनिस प्लेयर सेरेना विलियम्स ने मंगलवार को ऑकलैंड डब्ल्यूटीए क्लासिक टेनिस टूर्नमेंट में इटली की क्वॉलिफायर कैमिला जार्जी को सीधे सेटों में हरा कर 2020 सत्र की सकारात्मक शुरुआत की। इस महीने होने वाले ऑस्ट्रेलिया ओपन पर नजरें टिकाए बैठीं 38 साल की अमेरिकी खिलाड़ी सेरेना ने दुनिया की 99वें नंबर की खिलाड़ी कैमिला को 6-3, 6-2 से हराया। सेरेना को शुरुआत में दो बार की ग्रैंडस्लैम विजेता रूस की स्वेतलाना कुज्नेत्सोवा के खिलाफ खेलना था लेकिन बीमार होने के कारण विरोधी खिलाड़ी टूर्नमेंट से हट गईं। इससे पहले सेरेना विलियम्स और कैरोलिन वोज्नियाकी की जिन्होंने ऑकलैंड में एएसबी क्लासिक टेनिस टूर्नमेंट में पहले दौर के युगल मैच में जीत दर्ज की। सेरेना और वोज्नियाकी ने जापान की नाओ हिबिनो और मिकोतो निनोमिया को 6-2, 6-4 से हराया। यह मैच ऐतिहासिक था।

मलेशिया मास्टर्स : लक्ष्य सेन मुख्य ड्रॉ में जगह बनाने से चूके

एजेंसी, नई दिल्ली। उभरते हुए भारतीय शटलर लक्ष्य सेन को मंगलवार को पुरुष एकल क्वालीफायर में डेनमार्क के हेन्स क्रिस्टियन सोलबर्ग विटिंगस के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। इस हार के साथ ही वह मलेशिया मास्टर्स सुपर 500 टूर्नामेंट के मुख्य ड्रॉ में जगह बनाने में नाकाम रहे। सेन को 49 मिनट तक चले कड़े मुकाबले में 21-11,18-21, 14-21 से हार का सामना करना पड़ा। शुभंकर डे भी मुख्य ड्रॉ में जगह बनाने में नाकाम रहे, जबकि पूजा डांडू और संजना संतोष की महिला युगल जोड़ी भी क्वालीफायर में हार गई। शुभंकर को पुरुष एकल में मलेशिया के डेरेन ल्यू के खिलाफ 15-21, 15-21 से हार झेलनी पड़ी। जबकि पूजा और संजना को सिती फादिया सिल्वा रामधंती और रिबिका सुगियार्तो की इंडोनेशिया की जोड़ी के खिलाफ 15-21,10-21 से शिकस्त मिली।

भारत ने अब तक अजलान कप हॉकी में शिरकत करने की नहीं की पुष्टि

एजेंसी, नई दिल्ली। पिछली बार की उपविजेता भारत की पुरुष हॉकी टीम का फिलहाल इस साल 11 से 18 अप्रैल तक इपोह (मलयेशिया) में होने वाले 29 वें सुलतान अजलान कप हॉकी टूर्नामेंट में शिरकत करना फिलहाल तय नहीं है। भारत ने अब तक इस टूर्नामेंट में करने की अभी तक पुष्टि नहीं की है। इस बार इस टूर्नामेंट में मेजबान मलयेशिया सहित कुल छह टीमें शिरकत करेंगी। अभी तक मेजबान मलयेशिया के अलावा केवल अंतर्राष्ट्रीय हॉकी में अलग-थलग पड़े पाकिस्तान ने ही अब तक इसमें शिरकत करने की पुष्टि की है।

ऑस्ट्रेलिया में त्रिकोणीय सीरीज, महिला टी20 वर्ल्ड कप की संभावित खिलाड़ियों का चयन रविवार को इंदौर में

■ एजेंसी, इंदौर

ऑस्ट्रेलिया में महत्वपूर्ण त्रिकोणीय सीरीज के लिए भारतीय महिला टीम और इसके बाद वहीं होने वाले टी20 वर्ल्ड कप के लिए संभावित खिलाड़ियों का चयन मुंबई में रविवार को किया जाएगा। भारत, इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया की मौजूदगी वाली त्रिकोणीय सीरीज की शुरुआत कैनबरा में 31 जनवरी से होगी। टीमें एक दूसरे के खिलाफ 2-2 मैच खेलेंगी जिसके बाद फाइनल होगा।

इस टूर्नमेंट से स्पष्ट संकेत मिलेंगे कि 21 फरवरी से शुरू हो रहे टी20 वर्ल्ड कप के लिए भारतीय टीम की तैयारी कैसी है। भारत टी20 वर्ल्ड कप में अपने अभियान की शुरुआत पहले दिन मेजबान और चार बार के चैंपियन ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सिडनी में करेगा। महिला क्रिकेट में ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड दो सबसे सफल टीमों में से हैं। बीसीसीआई के एक अधिकारी ने कहा कि त्रिकोणीय सीरीज महत्वपूर्ण

होगी। इससे हमें पता चलेगा कि क्या प्लेयर सर्वश्रेष्ठ टीमों (ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड) को चुनौती दे सकती हैं। अधिकतर खिलाड़ियों का चयन लगभग तय है इसलिए हैरानी भरे नाम की उम्मीद मत कीजिए। पूरी संभावना है कि जो टीम त्रिकोणीय सीरीज में खेलेगी, वही टी20 वर्ल्ड कप में भी खेलेगी।

हेमलता काला की अगुआई वाली चयन समिति जब त्रिकोणीय सीरीज के लिए टीम और टी20 वर्ल्ड कप के लिए संभावित खिलाड़ियों का चयन करेगी तो पिछले महीने ऑस्ट्रेलिया दौरे पर भारत ए की खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर विचार किया जाएगा। सीनियर स्तर पर खेल चुकी 15 साल की शेफाली ने ऑस्ट्रेलिया दौरे पर 50 ओवर के मैच में भारत ए की ओर से 78 गेंद में 124 रन बनाकर प्रभावित किया था।

क्रिकेट सलाहकार समिति (सीएसी) नहीं होने के कारण इन्हीं चयनकर्ताओं के टी20 वर्ल्ड कप टीम चुनने की संभावना है। सीएसी के गठन के बाद नया चयन पैनल चुना जाएगा।

प्रजनेश बेंडिगो चैलेंजर से बाहर

एजेंसी, बेंडिगो। प्रजनेश गुणेश्वरन मंगलवार को यहां जापान के टेरो डेनियल के खिलाफ कड़ी चुनौती पेश करने के बावजूद दूसरे दौर में हार के साथ बेंडिगो चैलेंजर टेनिस टूर्नामेंट से बाहर हो गए। दुनिया के 122वें नंबर के खिलाड़ी प्रजनेश को एक लाख 62 हजार 480 डालर इनामी एटीपी चैलेंजर प्रतियोगिता में जापान के खिलाड़ी के खिलाफ 4-6 6-7 से हार झेलनी पड़ी जिनकी रैंकिंग उनसे 16 स्थान बेहतर है। भारतीय खिलाड़ी एक घंटा और 30 मिनट चले मुकाबले के दौरान छह में से एक ही ब्रेक प्वाइंट का फायदा उठा पाया जबकि उन्होंने अपने खिलाफ आठ में से छह ब्रेक प्वाइंट बचाए। प्रजनेश ने पीटीआई से कहा, ''यह करीबी मैच था और मुझे काफी मौके मिले लेकिन मैं इनका फायदा नहीं उठा पाया। मैंने काफी गलतियां की। मैं आक्रामक था और मैंने आक्रमण करने का प्रयास किया और यह आज के मैच का सकारात्मक पक्ष रहा।'

भारत से ऑस्ट्रेलिया की टेस्ट सीरीज, टिम पेन बोले- बदला लेने की नहीं सोच रहे

■ एजेंसी, सिडनी

लगातार 5 टेस्ट जीतने के बाद आत्मविश्वास से भरे ऑस्ट्रेलिया के कप्तान टिम पेन ने कहा है कि वह इस साल शानदार सीरीज में भारत की मेजबानी करने के लिए और इंतजार नहीं कर सकते। लेकिन निश्चित तौर पर बदला लेने की बात उनके दिमाग में नहीं है।

ऑस्ट्रेलिया ने 2018-19 सत्र में घरेलू सरजमीं पर पहली बार भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज गंवाई थी लेकिन तब गेंद से छेड़छाड़ प्रकरण के कारण टीम के दिग्गज बल्लेबाजों स्टीव स्मिथ और डेविड वॉर्नर पर प्रतिबंध लगा था। तब से ऑस्ट्रेलिया ने लंबा सफर तय किया है। टीम के युवा बल्लेबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया, जबकि तेज गेंदबाज भी बेहतर कर रहे हैं और स्मिथ-वॉर्नर की जोड़ी की भी टीम में वापसी हो चुकी है। ऑस्ट्रेलिया ने हाल में संपन्न घरेलू सत्र में पाकिस्तान को दोनों टेस्ट में चार दिन के भीतर हराया, जबकि न्यू जीलैंड का भी 3-0 से क्लीनस्वीप

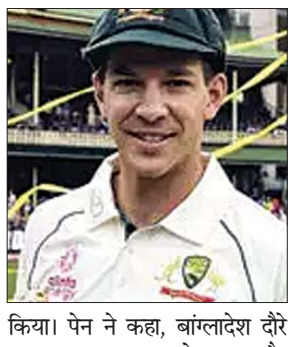

किया। पेन ने कहा, बांग्लादेश दौरे पर अगर हम अच्छा खेल पाए और कुछ जीत दर्ज कर पाए तो इसके बाद हमें ऑस्ट्रेलिया में भारत के खिलाफ खेलना है और यह खिलाड़ियों तथा प्रशंसकों के लिए शानदार सीरीज होगी। उन्होंने कहा, उस सीरीज के बारे में न सोच पाएं यह मुश्किल है और क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया में कुछ लोग हैं, जो पहले ही उस सीरीज को लेकर बेताब हैं। लेकिन खिलाड़ियों के लिए अगला लक्ष्य बांग्लादेश है और हम उन्हें हल्के में नहीं ले सकते। पिछले सत्र में भारत के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाजों के जूझने का अंदाजा इस बात से लग सकता है।

औद्योगिक विकास का बनेगा रोडमेप एसीएसः डॉ. सुबोध अग्रवाल

उद्यमों के सशक्तिकरण में अधिकारी बनेंगे सहभागी

■ जलतेदीप नसं, जयपुर

राज्य के एमएसएमई सेक्टर सहित उद्यमों के सशक्तिकरण और विस्तारिकरण में उद्योग विभाग के वरिष्ठ अधिकारी सहभागी बनेंगे। अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. सुबोध अग्रवाल ने विभागीय अधिकारियों को इसके लिए रिसर्च, औद्योगिक प्रतिष्ठानों सहित संबंधित संस्थानों की फिल्ड विजिट, केन्द्र व राज्य सरकार के संबंधित विभागों से समन्वय और डेटाबेस बनाते हुए रोडमेप बनाने का निर्देश दिए हैं। एसीएस उद्योग डॉ. अग्रवाल मंगलवार को उद्योग विभाग में विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक ले रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रदेश में विद्यमान उद्यमों को मजबूत बनाने, उनकी समस्याओं को समझने, केन्द्र व राज्य सरकार

की योजनाओं का लाभ उन तक पहुंचाने और प्रदेश में नए उद्यमों की स्थापना में विभागीय अधिकारियों को सक्रिय सहभागिता निभानी होंगी। उन्होंने बताया कि इसके लिए विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों को सेक्टरवाइज प्रभारी अधिकारी बनाया जा चुका है। प्रभारी अधिकारियों और ब्यूरों ऑफ इन्वेस्टमेंट प्रमोशन के अधिकारियों के बीच समन्वय स्थापित किया जाएगा। डॉ. अग्रवाल ने कहा कि वरिष्ठ अधिकारियों को उद्यमों के लिए प्रमोटर की भूमिका में आना होगा। उन्होंने कहा कि इसी को ध्यान में रखते हुए विभागीय अधिकारियों को सेक्टरवाइज प्रभारी बनाकर जिम्मेदारी सौंपी गई है।

आयुक्त उद्योग मुक्तानन्द अग्रवाल ने बताया कि सेक्टर विशेषज्ञ प्रभारी बनाने से इन क्षेत्रों के उद्यमों के विस्तार और नवाचारों को बढ़ावा दिया जा सकेगा। उन्होंने बताया कि इससे भावी संभावनाओं को भी चिन्हित कर कार्ययोजना बनाने में सहयोग मिलेगा।

उद्योग विभाग व बीआईपी के अधिकारी परस्पर सहयोग से कार्ययोजना बनाएंगे

मुक्तानंद अग्रवाल ने बताया कि उद्योग विभाग व बीआईपी के अधिकारी परस्पर सहयोग से कार्ययोजना बनाएंगे और बीआईपी प्रमोशनल गतिविधियां संचालित करते हुए औद्योगिक विकास में भागीदार बनेगी। अग्रवाल ने बताया कि विभाग के 14 अधिकारियों को अलग अलग सेक्टर प्रभारी बनाकर जिम्मेदारी दी है। अविन्द्र लढ्ढा को केमिकल्स, संजीव सक्सैना को लवण, आरके आमेरिया को होटल व हॉस्पिलिटी, वाईएन माथुर को वस्त्र, एसएस शाह को हस्तशिल्प, योगेन्द्र गुरनानी को लघु खाद्योत्पाद, सीबी नवल को खान एवं खनिज, पीआर शर्मा को सामाजिक आधारभूत संरचना और लॉजिस्टिक, संजय मामगेन को इंजीनियरिंग गुड्स व स्वयं सहायता समूह निर्माण का प्रभारी बनाया गया है।

नींदड में किसानों का अनोखा जमीन सत्याग्रह फिर शुरु

नये भूमि अधिग्रहण कानून के तहत मुआवजा देने की मांग

■ जलतेदीप निसं, जयपुर

जयपुर से सटे नींदड गांव में एक बार फिर किसान नये भूमि अधिग्रहण कानून से जमीन अवाप्ति का मुआवजा देने की मांग को लेकर आंदोलन पर उतर गये है। किसानों ने किसान नेता नगेंद्र सिंह शेखावत के नेतत्व में जमीन सत्याग्रह शुरु कर दिया है। जमीन सत्याग्रह में सबसे पहले नगेंद्र शेखावत ने जमीन में गड्ढा खोदकर खुद को समाधि में लिया। किसानों का कहना है कि जमीन अवाप्ति को लेकर जेडीए ने किसानों से कोई बातचीत नहीं की और अपनी मर्जी से जमीन का लेवल और कब्जे में लेने की प्रक्रिया की जा रही है। किसानों ने उग्र आंदोलन की चेतावनी भी दी है।

कॉलोनी बसाने का कार्य शुरु किया जेडीए ने

बता दे कि राजधानी से सटे हरमाडा थाने के नजदीक नींदड में जेडीए 1350 बीघा में नई आवासीय योजना डवलप कर रहा है।जिसके लिए साल 2010 से जमीन अवाप्ति सहित कई कार्य कर लिये गये है।जेडीए का तर्क है कि किसानों की डिमांड पर रही हमने कॉलोनी डवलप का अधूरा पडा कार्य शुरु किया है।

जेडीए का तर्क-आंदोलन करने वालो की नही है यहां जमीन

राजधानी जयपुर के नींदड में शुरु हुए किसानों से जमीन सत्याग्रह को लेकर जयपुर विकास प्राधिकरण ने अपना पक्ष स्पष्ट किया है।संबधित जमीन के मसले को देख रहे जेडीए जोन 12 के उपायुक्त मनीष फौजदार ने बताया कि किसान जिस मांग को लेकर आंदोलन कर रहे है वो उस मांग को लेकर सुप्रीम कोर्ट तक की लडाई लड चुके है।मगर कोर्ट ने उनकी मांगो को नाजायज बताया था और जेडीए की अवाप्ति को सही।ऐसे में यह आंदोलन महज पब्लिसिटी स्टंट है।

विगत

– मुकेश मांडण

दूरभाष

किसी समय इसकी भी क्या तूती (घंटी) बोलती थीं। 'बड़ी' सिफारिशों के बाद मिलता था यह। जिस घर में होता था, उसका रुतबा ही कुछ और होता था। बहुत-से लोगों के लिये एक ही नम्बर पर फोन आने का समय था वह। 'मिस्ड कॉल' का भी कोई झंझट नहीं था। 'डायलिंग' के तो कहने ही क्या। इसका 'समय' भी 'संस्मरण' हो गया।

पीएम किसान योजना की चौथी किश्त जारी

■ जलतेदीप नसं., जयपुर

रजिस्ट्रार, सहकारिता डॉ. नीरज के. पवन ने मंगलवार को बताया कि राज्य के किसानों को चौथी किश्त के रूप में पीएम किसान योजना की राशि जारी हो चुकी है तथा 5 लाख 94 हजार 694 किसानों को 118 करोड़ 93 लाख 88 हजार रुपये का भुगतान किसानों के खातों में किया गया। इस प्रकार प्रथम किश्त में 47.09 लाख किसानों, द्वितीय किश्त में 46.06 लाख तथा तीसरी किश्त में 36.34 लाख किसानों को पीएम किसान की राशि उनके खातों में जमा हो चुकी है।

बाल कलाकारों ने दी शानदार प्रस्तुतियां

■ जलतेदीप नसं, जयपुर

जवाहर कला केंद्र में चल रहे चिल्ड्रंस फेस्टिवल के तीसरे दिन मंगलवार को तबला वादक गुरु डॉ. अंकित पारीक के निर्देशन में बाल कलाकारों ने शानदार इंस्ट्रूमेंटल परफॉर्मेंस दी। बाल कलाकारों ने तबला वादन के माध्यम से गणेश स्तुति करते हुए कार्यक्रम की शुरूआत की। इसके पश्चात उन्होंने कायदा और टुकड़े भी पेश किये। तबले पर सवाल-जवाब, ट्रेन एवं घोड़े की आवाज, परण तथा तीन ताल को अठगुन में बजाते हुए तिहाई लगाई तो बाल फनकारों को संगीत प्रेमियों की भरपूर तालियां मिली। कार्यक्रम के दौरान बाल कलाकारों की ताल कहरवा की शानदार प्रस्तुति पर मुग्ध संगीत प्रेमियों ने तालियों से बेहद खूबसूरत से सामंजस्य बैठाया। लोकप्रिय

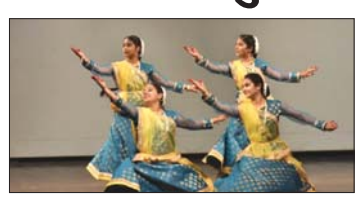

भजन 'रघुपति राघव राजा राम' के साथ इंस्ट्रूमेंटल परफॉर्मेंस का समापन हुआ। तबला वादन के बाद बच्चों ने राजस्थानी लोक गीतों की मधुर प्रस्तुतियां दी। उन्होंने राग मांड पर आधारित 'केसरिया बालम' से प्रारम्भ करते हुए राग भूपाली में 'प्रथम नमन' एवं 'चम-चम चमके चूंदड़ी बिणजारा रे' और राग देस पर आधारित बंदिश 'मेहां रे' पेश की। बाल कलाकारों ने 'बन्ना रे बागा मां झूला' और 'म्हारा डिग्गीपुरी का राजा' जैसे लोकप्रिय लोक गीत भी पेश किए।

दमिश्क में चल रहे जयपुर फुट शिविर का सीरिया की समाज कल्याण मंत्री ने किया निरीक्षण

■ जलतेदीप नसं, जयपुर

अशान्त और युद्ध ग्रस्त देश सीरिया की राजधानी दमिश्क में चल रहे जयपुर फुट कृत्रिम अंग प्रदान शिविर का सीरिया की समाज कल्याण मंत्री रीभ अल कादरी और समाज कल्याण उप मंत्री वाएल बदीन ने निरीक्षण किया। सीरियाई मंत्रियों का दमिश्क में चल रहे, शिविर में सीरिया स्थित भारतीय राजदूत हिफजुर रहमान, जयपुर फुट की निर्माता संस्था भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति (बीएमवीएसएस) के संस्थापक और मुख्य संरक्षक डी.आर. मेहता कार्यकारी अध्यक्ष और राजस्थान राज्य के पूर्व मुख्य सचिव सलाउद्दीन अहमद ने स्वागत किया। इस अवसर पर सीरियाई सरकार के समाज कल्याण विभाग की सचिव माइसा मदानी और सीरियाई सरकार के प्रमुख अधिकारी समारोह में उपस्थित थे। डी.आर. मेहता ने समारोह में बताया कि सीरिया में युद्व के कारण पिछले कुछ वर्षो में बड़ी संख्या में सैनिक और गैर सैनिक आम आदमी अपने अंग गवां चुके हैं। ऐसे दिव्यांगों के लिए भारत सरकार के विदेश मंत्रालय ने बीएमवीएसएस के सहयोग से विशेष शिविर में जयपुर फुट और कृत्रिम हाथ लगाकर उन्हें चलने फिरने योग्य बनाने के लिए इस शिविर का आयोजन किया है। डी.आर.मेहता ने कहा कि भारत सरकार के महात्मा गांधी की 150वीं जयन्ती पर इण्डिया फॉर हयूमेनिटीज कार्यक्रम के अन्तर्गत 500 से अधिक सीरियाईयां को लाभान्वित किया जाएगा। राजदूत हिफजूर रहमान ने अपने उद्बोधन में कहा कि सीरिया में दिव्यांग हुए लोगों के लिए भारत सरकार एक स्थाई केन्द्र स्थापित करने में सहयोग देगी। इसके लिए तकनीशियनों को जयपुर स्थित बीएमवीएसएस केन्द्र में प्रशिक्षण दिया जाएगा। सीरिया की समाज कल्याण मंत्री रीम अल कादरी ने भारत सरकार के सहयोग की प्रशंसा करते हुए कहा कि भारत सरकार के इस प्रशंसनीय सहयोग से सीरिया के दिव्यांगों को लाभ मिलेगा। मंत्री ने कहा कि सीरिया को इसी प्रकार के सहयोग की भारत से भविष्य में भी आशा हैं। दलनायक सलाउद्दीन अहमद ने बताया कि अभी तक 100 से अधिक लोगों को लाभ दिया जा चुका है और 40 दिवसीय शिविर में 500 से अधिक लोगों को आठ सदस्यीय तकनीकी टीम जिसका नेतृत्व ओम शर्मा कर रहे हैं लाभार्थियों की सेवा कर रहे हैं।

डी.आर. मेहता ने कहा कि अशान्त और युद्व ग्रस्त सीरिया में कठिन समय में जोखिम की परवाह न करते हुए शिविर का आयोजन किया है, जिसके लिए उन्होंने भारत सरकार के पहल और सहयोग के लिए धन्यवाद दिया।

जयपुर डिस्कॉम के जयपुर नगर वृत्त खण्ड चतुर्थ में सुरक्षा कार्यशाला का आयोजन

■ जलतेदीप नसं, जयपुर

जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड की प्रशिक्षण शाखा द्वारा मंगलवार को क्षमता निर्माण, दुर्घटना से बचाव, सुरक्षा उपाय तथा सुरक्षा प्रबंधन के लिए जयपुर नगर वृत्त खण्ड चतुर्थ के तकनीकी कर्मचारियों के लिए ये कार्यशाला पंचवटी सर्किल में आयोजित की गई। अधीक्षण अभियंता (प्रशिक्षण) ई. प्रदीप भण्डारी ने बताया कि यह प्रशिक्षण सुरक्षा उपाय एवं सुरक्षा प्रबंधन के तहत पिछले दो वर्षों में

जयपुर डिस्कॉम के सभी खण्डों में आयोजित कर करीब 16,500 कर्मचारियों को रिफ्रेशर एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम द्वारा लाभान्वित किया जा रहा है जिससे दुर्घटना दर में बहुत कमी हुई है एवं कार्यक्षमता में वृद्धि हुई है। कार्यशाला में जयपुर नगर वृत्त के चतुर्थ खण्ड में राजापार्क, जवाहर नगर, आदर्श नगर, मालवीय नगर, एवं पुराना घाट के तकनीकी कर्मचारियों, कनिष्ठ अभियंताओं एवं इसके साथ ही सहायक अभियंता अजय शर्मा, अभय गुप्ता, बनवारी लाल गुप्ता, रूपेश कुमार बैरवा एवं मनोज सिंह बिष्ठ भी इस कार्यशाला में सम्मिलित हुए।

सीएएः यूपी पुलिस की बर्बरता पर योगी सरकार को नोटिस

16 को होगी सुनवाई

■ एजेंसी, लखनऊ

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सीएए का विरोध कर रहे आंदोलनकारियों पर पुलिस की बर्बरता और लाठीचार्ज के आरोपो पर योगी सरकार को नोटिस जारी किया है। कोर्ट ने समाचार पत्रों में छप रही ऐसी घटनाओं पर जवाब मांगा है। मुंबई के एक अधिवक्ता अमित कुमार द्वारा ईमेल के जरिए भेजे गए पत्र पर स्वत संज्ञान लेते हुए मुख्य न्यायाधीश गोविंद माथुर और न्यायमूर्ति विवेक वर्मा की पीठ ने इस मामले पर सुनवाई के लिए 16 जनवरी की तिथि नियत की है। अधिवक्ता अजय कुमार द्वारा भेजे गए ईमेल में न्यूयॉर्क टाइम्स और द टेलीग्राफ में प्रकाशित समाचारों का हवाला दिया है जिसमें यूपी पुलिस द्वारा आंदोलनकारियों पर बर्बर बर्ताव करने का आरोप लगाया गया है। पत्र में कहा गया है कि देश की छवि पूरी दुनिया में ख़राब हो रही है। पत्र में एक अखबार में प्रकाशित समाचार जिसमें मुजफ्फरनगर के एक मदरसे में बच्चों की निर्मम पिटाई का हवाला दिया गया है। पीठ ने हाइकोर्ट के अधिवक्त फरमान नकवी और रमेश कुमार यादव को याचिका में न्याय मित्र नियुक्त किया है हाईकोर्ट की रजिस्ट्री को निर्देश दिया है कि सभी संबंधित दस्तावेज न्याय मित्रों को उपलब्ध करा दिया जाए याचिका पर 16 जनवरी को अगली सुनवाई होगी।

जेएनयू हिंसाः अहमदाबाद में एनएसयूआई - एबीवीपी के कार्यकर्ता भिड़े

एनएसयूआई कार्यकर्ता को चाकू मारा, हालत गंभीर

■ एजेंसी, अहमदाबाद

दिल्ली की जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय में हुई झड़प का विवाद अब गुजरात तक पहुंच गया है। मंगलवार को राज्य के अहमदाबाद में एबीवीपी और एनएसयूआई के छात्र आपस में भिड़ गए। अहमदाबाद एबीवीपी दफ्तर के पास दोनों गुट आमने-सामने आ गए जिसके बाद दोनों ही तरफ से जमकर पत्थर-लाठी चलाए गए। वहीं एनएसयूआई के कार्यकर्ता निखिल सवानी को चाकू मारे जाने की शर्मनाक घटना सामने आई है। एनएसयूआई ने चाकू मारने का आरोप अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) के कार्यकर्ताओं पर लगाया है। निखिल सवानी की हालत गंभीर बताई गई है। इस समय अहमदाबाद के एक अस्पताल में उनका इलाज चल रहा है। एबीवीपी की तरफ से इस घटना पर अभी कोई जवाब नहीं आया है। दरअसल, यह मारपीट उस समय हुई जब राज्य के अहमदाबाद में स्थित

एबीवीपी दफ्तर के बाहर जेएनयू हिंसा को लेकर विरोध प्रदर्शन हो रहा था। तभी वहां एनएसयूआई और एबीवीपी के कार्यकर्ताओं में जमकर भिड़ंत हो गई। दोनों दलों के कार्यकर्ता एक-दूसरे पर लाठियां चलाने लगे। एनएसयूआई के राष्ट्रीय सचिव साइमन फारूकी ने बताया कि जेएनयू में छात्रों पर हुई हिंसा के विरोध में उनके कार्यकर्ताओं ने एबीवीपी के कार्यालय के बाहर मंगलवार सुबह एक प्रदर्शन का आयोजन किया था। फारूकी के मुताबिक इस प्रदर्शन के शुरू करते ही एबीवीपी के कार्यकर्ताओं ने उनसे मारपीट करना शुरू कर दिया। उनके कार्यकर्ताओं को लाठी डंडे और सरिये से पीटा गया। आरोप है कि पुलिस की मौजूदगी के बावजूद एबीवीपी कार्यकर्ताओं ने उनके ऊपर घातक प्रहार किए। इसी दौरान एनएसयूआई कार्यकर्ता निखिल सवानी को किसी ने चाकू मार दी। उनकी हालत गम्भीर बताई गई है। फारूकी ने कहा कि जेएनयू के छात्रों पर हमला देश की शिक्षा व्यवस्था और लोकतंत्र की बुनियाद कमजोर करने वाला है। अब तक यह साफ हो हो गया है कि भाजपा देश को शांति और स्थिरता देने में बिल्कुल नाकाम साबित हुई है। ऐसे में भाजपा को सत्ता में रहने का कोई अधिकार नहीं है। उन्होंने कहा कि एनएसयूआई इस हमले के विरोध में गृहमंत्री अमित शाह के इस्तीफे की मांग करती है क्योंकि उनके रहते देश में शांति स्थापित नहीं हो सकती।

संक्षिप्त खबरें

ईरान ने पूरी अमेरिकी सेना को आतंकवादी घोषित किया

तेहरान/एजेंसी। अमेरिकी हवाई हमले में ईरान के टॉप कमांडर जनरल कासिम सुलेमानी की मौत के बाद दोनों देशों के बीच तनातनी जारी है। अमेरिका के साथ तल्खी के बीच ईरान की संसद ने मंगलवार को एक विधेयक पारित कर सभी अमेरिकी बलों को आतंकवादी घोषित कर दिया है। दरअसल, जनरल कासिम सुलेमानी के बगदाद में अमेरिकी ड्रोन हमले में मारे जाने के बाद ईरान ने यह कदम उठाया है। ईरान द्वारा पारित नए बिल के मुताबिक, सभी अमेरिकी बलों और पेंटागन के कर्मचारियों, उससे संबद्ध संगठनों, एजेंटों और कमांडरों और सोलेमानी के की हत्या का आदेश देने वाले लोगों को आतंकवादी घोषित किया गया है। संसद ने कहा कि सैन्य, खुफिया, वित्तीय, तकनीकी, सेवा या लॉजिस्टिकल सहित इन बलों को कोई भी सहायता, आतंकवादी कार्य में सहयोग के रूप में मानी जाएगी।

पश्चिम एशिया में अमेरिकी हरकत पर बिफरा चीन, खाड़ी इलाके में चीनी सेना को लेकर गोलमोल जवाब

बिजिंग/एजेंसी। चीन ने पश्चिम एशिया में तनाव को बढ़ाने वाली घटना को अमेरिकी दुस्साहस बताते हुए उसकी आलोचना की और सभी पक्षों से संयम बरतने का अनुरोध करते हुए कहा कि ईरान के शीर्ष सैन्य कमांडर की अमेरिका द्वारा हत्या के बाद खराब हुए हालात को लेकर वह चिंतित है। इराक के खिलाफ प्रतिबंधों सहित अमेरिका की अन्य धमकियों की आलोचना करते हुए विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गेंग शुआंग ने हालांकि, संकेत दिया कि चीन उसके और अमेरिका के बीच जारी व्यापार युद्ध को खत्म करने के लिए अगले सप्ताह पहले चरण के समझौते पर हस्ताक्षर कर सकता है। ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ते तनाव को मेजर जनरल कासिम सुलेमानी की मौत ने बेहद नाटकीय तरीके से और ज्यादा बढ़ा दिया है। ईरानी सेना के प्रमुख और देश की क्षेत्रीय सुरक्षा के मुख्य वास्तुकार सुलेमानी अमेरिका और ईरान के बीच तनाव के संबंध में सवाल करने पर गेंग ने कहा कि पश्चिम एशिया में हालात को लेकर चीन बहुत चिंतित है। उन्होंने कहा, खाड़ी क्षेत्र में तनावपूर्ण हालात को बिगड़ते हुए कोई भी नहीं देखना चाहेगा। सत्ता की राजनीति बेहद अलोकप्रिय और अस्थिर है। अमेरिकी दुस्साहस अंतरराष्ट्रीय संबंधों का नियमन करने वाले नियमों के खिलाफ है और क्षेत्र में तनाव तथा अस्थिरता पैदा करता है। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय संबंधों में बल प्रयोग का चीन विरोध करता है। गेंग ने कहा, सैन्य तरीकों से कुछ हासिल नहीं होगा और अधिकतम दबाव भी काम नहीं करेगा।

बांग्लादेश बॉर्डर गार्ड की ड्रग तस्करों से मुठभेड़, 2 रोहिंग्याओं की मौत

ढाका/एजेंसी। बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश (बीजीबी) ने दावा किया कि म्यांमार की सीमा पर संदिग्ध ड्रग तस्करों के साथ मुठभेड़ में 2 रोहिंग्याओं की मौत हो गई। खबरों के अनुसार दोनों रोहिंग्या मुस्लिम म्यांमार के साथ लगी सीमा पर ड्रग तस्करी करने का प्रयत्न कर रहे थे। स्थानीय मीडिया ने कहा कि मुठभेड़ में एक सुरक्षाकर्मी भी घायल हो गया है। यूएनएचसीआर द्वारा जारी पहचान पत्र दोनों में से एक रोहिंग्या के पास से मिला है। संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी उच्चायुक्त द्वारा जारी पहचान पत्र की मदद से सुरक्षाकर्मी दोनों की पहचान कर सके हैं। बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश ने मुठभेड़ के बाद घटनास्थल से मेथामफेटामाइन आधारित याबा टैबलेट और हथियार भी बरामद किए।

पाकिस्तानी सेना प्रमुखों के सेवा विस्तार संबंधी विधेयक को निचले सदन की मंजूरी

इस्लामाबाद/एजेंसी। पाकिस्तान की संसद के निचले सदन नेशनल असेंबली ने मंगलवार को आर्मी एक्ट 1952 में संशोधन करने वाले 3 विधेयकों को पारित कर दिया। इन विधेयकों में सेना के तीनों अंगों के प्रमुखों व जॉइंट चीफ ऑफ स्टाफ कमेटी के चेयरमैन की सेवा अवधि में विस्तार और इससे संबद्ध अन्य मुद्दों से जुड़े प्रावधान किए गए हैं। पाकिस्तानी मीडिया में प्रकाशित रिपोर्ट में कहा गया है कि पाकिस्तान सेना (संशोधन विधेयक) 2020, पाकिस्तान वायुसेना (संशोधन विधेयक) 2020 और पाकिस्तान नौसेना (संशोधन विधेयक) 2020 पर सरकार और विपक्ष में सहमति बन गई और इन्हें सर्वसम्मति से पास किया गया।

कन्हैया कुमार और प्रशांत किशोर अगले दशक के निर्णायकः फोर्ब्स

■ एजेंसी, चेन्नई

दुनिया की प्रतिष्ठित पत्रिका फोर्ब्स में कन्हैया कुमार और प्रशांत किशोर को विश्व के टॉप-20 निर्णायक लोगों की सूची में जगह मिली है। कन्हैया को जहां इस सूची में 12वें तो प्रशांत को 16वें स्थान पर जगह मिली है। फोर्ब्स ने जेएनयू छात्र संघ के पूर्व अध्यक्ष कन्हैया कुमार और जदयू के रणनीतिकार प्रशांत किशोर को आगामी दशक का निर्णायक चेहरा करार दिया है। फोर्ब्स ने बताया कि दोनों युवा नेता आगामी दशक में प्रमुख भूमिका निभा सकते हैं। सूची में पहले नंबर पर भारतीय मूल के अमेरिकी राजनीतिक टिप्पणीकार और कॉमेडियन हसन मिन्हाज हैं, जबकि 20वें नंबर पर कीनियाई मैराथन धावक एलिउड किपचोगे हैं। सूची में पांच अन्य भारतीय भी शामिल है। पत्रिका ने कन्हैया कुमार के बारे में लिखा कि वे भविष्य में भारतीय राजनीति में शक्तिशाली पहचान बनाने की कोशिश कर रहे हैं। वहीं, पत्रिका ने प्रशांत किशोर के बारे में लिखा कि वे 2011 से एक राजनीतिक रणनीतिकार हैं।

सीएए, एनपीआर को हम पश्चिमी बंगाल में लागू नहीं होने देंगे

■ एजेंसी, कोलकाता

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को कहा कि वह पहरेदार हैं और अगर कोई लोगों के अधिकार छीनने आएगा, तो उसे इसके लिए उनकी लाश पर से गुजरना होगा। नागरिकता संशोधन कानून और राष्ट्रीय नागरिकता पंजी के खिलाफ प्रदर्शन को जब तक जरूरी हो तब तब जारी रखने की बात कहते हुए बनर्जी ने कहा कि वह राज्य के लोगों

मैं किसी को हमारे अधिकार को छीनने नहीं दूंगीः ममता बनर्जी

की रक्षा के लिए सबकुछ करेंगी। उन्होंने सुंदरबन के जंगलों के पश्चिमी किनारे पर एक जन सभा में कहा, 'हम किसी की दया पर नहीं जीते। मैं किसी को हमारे अधिकार को छीनने नहीं दूंगी।' उन्होंने कहा, 'मैं आपकी पहरेदार हूं, अगर कोई आपके अधिकार छीनने आएगा, तो उसे मेरी लाश पर से गुजरना होगा।' पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ने कहा कि सीएए, एनपीआर के खिलाफ आंदोलन तब तक जारी रहेगा, जब तक उनकी जरूरत है और हम अपने राज्य में इसे लागू नहीं होने देंगे। उन्होंने यह भी कहा कि यदि कोई आपसे आपका विवरण लेने आता है तो उसे न दे।

ठंड का कहरः उत्तर प्रदेश के कई शहरों के स्कूलों की छुट्टियां बढ़ी

■ एजेंसी, लखनऊ

उत्तर भारत के पहाड़ी इलाकों में बर्फबारी के चलते ठंड फिर से बढ़ गई है। इसके चलते मैदानी क्षेत्र में भी ठंड बढ़ने लगी है। उत्तर प्रदेश में भी कड़ाके की ठंड एवं शीतलहर का प्रकोप जारी है। जिसको देखते हुए वाराणसी और प्रयागराज में स्कूलों की छुट्टियां बढ़ा दी गई हैं। ठंड को देखते हुए वाराणसी के जिलाधिकारी ने शहर के 12वीं तक से सारे स्कूलों को 8 जनवरी तक बंद रखने के

निर्देश दिए हैं। लेकिन जिन स्कूलों में पूर्व निर्धारित छुट्टियां नहीं है, उनके कर्मचारी एवं अध्यापकों को नियमित तौर पर सुबह 9 बजे से दोपहर तीन बजे तक स्कूल में उपस्थित होना होगा।

शीतलहर की चपेट में हिमाचल, चार एनएच समेत 100 सड़कें ठप

■ एजेंसी, शिमला

हिमाचल के ऊंचाई वाले भागों में दूसरे दिन मंगलवार को भी बर्फबारी का दौर जारी रहा। जबकि मैदानी व मध्यम ऊंचाई वाले भागों में रूक-रूक कर बारिश जारी है। पहाड़ों की रानी शिमला में मंगलवार सुबह से ही देर रात तक बारिश जारी रही। हिमपात से पूरा हिमाचल प्रचंड ठंड की चपेट में है। बर्फबारी से राज्य में चार नेशनल हाईवे समेत करीब 100 सड़कें यातायात के लिए बंद हो गई हैं। मनाली-लेह,शिमला-रामपुर, कुल्लू-जलोड़ीजोत-आनी और हिंदुस्तान-तिब्बत मार्ग ठप है। इससे लोगों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। वहीं, मनाली से सोलंगनाला के बीच 300

वाहन और 1500 सैलानी घंटों फंसे रहे। बर्फबारी के बीच घंटों पर्यटकों को कड़ाके की ठंड में ठिठुरना पड़ा। इस दौरान ट्रैफिक जाम से भी पर्यटकों को जूझना पड़ा। कुल्लू व लाहौल में मौसम खराब बना हुआ है। बर्फबारी के बाद मनाली से सोलंगनाला का संपर्क कट गया है। कुल्लू के कई भागों में हुई बर्फबारी से जनजीवन अस्त-व्यस्त है। वहीं, लाहौल में बर्फबारी से जिंदगी ठहर सी गई है। कई दुर्गम इलाकों में बिजली-पानी भी गुल है। बर्फबारी से एनएच 305 औट-लुहरी समेत एक दर्जन मार्ग बंद हैं। मंगलवार सुबह भी रोहतांग सहित ऊंची चोटियों पर ताजा बर्फबारी दर्ज की गई। जनजातीय जिला लाहौल में बर्फबारी से लोगों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। तीन दिनों से हेलीकॉप्टर की उड़ानें नहीं हो पा रही हैं। लाहौल में कई मरीज भी फंसे हुए हैं। सैकड़ों लोगों ने हेलीकॉप्टर उड़ानों के लिए आवेदन किया हुआ है। मंडी जिले में ठंड से कमरूनाग झील जम गई है। जिले के कई भागों में बर्फबारी से सड़क मार्ग ठप हो गए हैं।

स्वतत्वाधिकारी मैसर्स जलतेदीप (जयपुर) की ओर से मुद्रक, प्रकाशक पदम मेहता द्वारा दीपक ऑफसेट प्रिंटर्स, एफ-77, करतारपुरा, सुदर्शनपुरा औद्योगिक क्षेत्र, जयपुर से मुद्रित तथा जलतेदीप (जयपुर) कार्यालय ई-287, लालकोठी, जयपुर से प्रकाशित फोनः 2742116, फैक्सः5102727 संपादकः पदम मेहता